वर्ष – 69। अंक –114। जबलपुर, शनिवार, 08 मार्च 2025। पृष्ठ–12। मूल्य – 3.00 रुपए

स्वयंसिद्धा

www.swayamsiddhaa.com की ओर से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस विशेष

नंदिनी अग्रवाल : ज़िन्दगी जीना है तो सपने ज़िंदा रखिये

जो चम्बल अंचल एक समय कन्या शिशु हत्या के लिये बदनाम था, अब अपनी बेटियों की काबिलियत से पहचाना जाने लगा है। ऐसी ही बेटियों में एक हैं नंदिनी अग्रवाल, जिन्होंने महज 19 वर्ष की उम्र में दुनिया की सबसे कम उम्र की सीए बनने का कीर्तिमान बना दिया। उनकी कहानी दर्शाती है कि पक्के इरादे और कड़ी मेहनत के साथ चुनौतियों पर काबू पाना और असाधारण लक्ष्य हासिल करना कतई नामुमकिन नहीं है।

बता दें कि साल 2021 में नंदिनी ने सी.ए.फाइनल परीक्षा में 800 में से 614 अंकों के साथ ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल की थी। ख़ास बात यह कि कठिन परीक्षाओं और कड़ी प्रतिस्पर्धा वाली सी.ए. की पढ़ाई के लिए सीधे तौर पर कोई कोचिंग लिए बिना उन्होंने ऑनलाइन पढ़ाई कर यह मुकाम हासिल किया।

*नंदिनी की कहानी चम्बल अंचल के एक छोटे शहर मुरैना से शुरू होती है। 18 अक्टूबर, 2001 को जन्मी, नन्दिनी के पिता नरेशचंद्र गुप्ता एक टैक्स प्रैक्टिशनर हैं, जबकि मां डिंपल एक गृहिणी। माता-पिता ने बेटी में छिपी असाधारण क्षमताओं को बचपन में ही पहचान कर दिशा और लक्ष्य निर्धारित कर दिया था। आज विश्व महिला दिवस पर पेश है दुनिया की सबसे युवा महिला सीए नंदिनी अग्रवाल से **सीमा चौबे** की बातचीत के चुनिंदा अंश-*

• ***नींव गढ़ने में मां की भूमिका***

नंदिनी बताती हैं कि 'मेरी उपलब्धियों के पीछे छिपे मेरी माँ का अथक संघर्ष रहा है। उन्होंने ही मेरे भीतर छिपी हुई असाधारण क्षमताओं को पहचाना। उनकी मेहनत से ही यूकेजी और एलकेजी में हाथ पकड़कर शब्द सीखने वाली उम्र में मैं हिंदी व अंग्रेजी पढ़ने-लिखने लगी थी।'

दरअसल जन्म के समय नंदिनी को प्राइमरी कॉम्प्लेक्स नामक बीमारी थी, यह टीबी का ही एक रूप है। इस वजह से उन्होंने लगभग डेढ़ साल देर से यानी चार साल की उम्र से स्कूल जाना शुरू किया। लेकिन ढाई से चार साल की उम्र का जो फासला था, उस समय उनकी माँ ने घर पर ही प्ले ग्रुप और नर्सरी की पूरी पढ़ाई करवा दी। एलकेजी में दाखिले के बाद छह माह में ही उन्हें यूकेजी में पदोन्नत कर दिया गया। इसके बाद गर्मियों की छुट्टियों में जब बच्चे मौज-मस्ती करते हैं, उस समय मां ने फिर से पहली कक्षा का पूरा कोर्स करवा दिया और एक टेस्ट के बाद नंदिनी को अपने से दो साल बड़े भाई के साथ दूसरी कक्षा में प्रवेश मिल गया।

• ***पढ़ाई में हमेशा अव्वल रहीं नंदिनी***

नंदिनी ने महज 13 साल की छोटी उम्र में 10वीं की बोर्ड परीक्षा पास कर ली थीं। दो साल बाद 15 साल की उम्र में 94.5 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं बोर्ड परीक्षा में जिले में टॉप कर एक और उपलब्धि अपने खाते में दर्ज कर ली। कहना न होगा कि यह उपलब्धियां उनकी आगे की असाधारण यात्रा की एक झलक भर थी। स्कूल के दिनों में एक गिनीज रिकॉर्ड धारक से मुलाकात के बाद से ही नंदिनी ने एक ऐसा रिकॉर्ड बनाने का सपना देखा, जिसे तोड़ पाना मुश्किल हो। इसी सपने ने उन्हें सीए फाइनल जैसी कठिन और चुनौतीपूर्ण परीक्षा के लिए प्रेरित किया।

• ***माता-पिता का सपना किया पूरा***

नंदिनी बताती हैं- 'मुरैना जैसी जगह पर अक्सर लोगों की सोच होती है कि साधारण बच्चे आर्ट्स या कॉमर्स चुनते हैं, जबकि होशियार बच्चे डॉक्टरी या इंजीनियरिंग के क्षेत्र में आगे बढ़ते हैं। लोगों ने मुझे बायो साइंस लेने की सलाह दी, लेकिन माँ और पापा का सपना शुरू से ही अपने बच्चों को सीए बनाने का था, इसीलिए कॉमर्स विथ मैथ्स लेकर सीए की बनने की मेरी यात्रा शुरू हुई। जून 2017 में केवल डेढ़ से दो महीने की तैयारी में सीपीटी की परीक्षा पास करने के बाद सबसे बड़ी उलझन थी कि सीए करना कैसे है, क्यूंकि मुरैना में कोचिंग तो थी नहीं। सीए इंटर वाले इस समय में मुझे खुद पता नहीं था कि मै ये सब कैसे करने वाली हूँ। अपना लक्ष्य जरूर मालूम था, लेकिन उसे हासिल करने की कोई तैयारी नहीं थी। यू-ट्यूब पर इस बारे में खोजने के बाद ऑनलाइन क्लासेस ली और नौ महीने की मेहनत के बाद ऑल इंडिया रैंक 31 के साथ नतीजा सबके सामने था।'

• ***चुनौतियां भी कम नहीं रहीं***

वे बताती हैं- 'देश में कुल चार शीर्ष ऑडिट कंपनियां- पीडब्ल्यूसी, केपीएमजी, ई एंड वाई और डेलॉइट हैं। बाकी बच्चों की तरह मेरा सपना भी इन 4 बड़ी कंपनियों से आर्टिकलशिप करने का था, लेकिन

दुनिया की सबसे युवा महिला चार्टर्ड अकाउंटेंट

16 साल की उम्र में, जब उन्होंने इसके लिये तलाश की, तो कई कंपनियों ने असमर्थता जता दी। अगस्त 2018 में प्राइस वॉटर हाउस कूपर्स, फिर केपीएमजी और ई एंड वाई में इंटरव्यू दिया और सभी में पहले चरण में कामयाबी भी मिली, लेकिन कम उम्र के चलते सभी फर्म्स ने आर्टिकलशिप देने से मना कर दिया।'

इस दौरान मैं बहुत तनाव में रही क्यूंकि इस समय आर्टिकलशिप शुरू न हो पाने का मतलब था, दो साल आगे चलने की प्रक्रिया का पीछे हो जाना। लेकिन सितम्बर में पीडब्ल्यूसी ने कहा कि मैं उनके साथ काम कर सकती हूँ। दिल्ली में इस कंपनी में लगातार तीन साल तक रोज़ 10 से 11 घंटे तक काम करने के बाद मैं पढ़ाई भी करती रही।

• ***मॉक टेस्ट ने किया हतोत्साहित, लेकिन हार नहीं मानी***

आर्टिकलशिप पूरी होने के बाद दिसंबर 2020 में सीए फाइनल की तैयारी के दौरान मॉक टेस्ट में उनका प्रदर्शन ठीक नहीं रहा। यह परिणाम उन्हें हतोत्साहित करने वाला था। नंदिनी बताती हैं- 'उस समय मैं सोच रही थी कि मॉक टेस्ट में इतना खराब प्रदर्शन है तो फाइनल में कैसा होगा? लेकिन भाई की मदद और प्रोत्साहन ने जादू की तरह काम किया और परिणाम की चिंता किये बिना मैंने अपना पूरा ध्यान केवल पढ़ाई पर ही लगाया।'

• ***बीमारी में दिया आखिरी साल का इम्तिहान***

बकौल नंदिनी परेशानियां कम होने का नाम ही नहीं ले रहीं थी। 5 जुलाई 2021 को सीए फायनल परीक्षा के ऐन पहले मानसिक तनाव के चलते 27 जून से तबीयत बिगड़ने लगी। उस समय लगा परीक्षा में लिख भी पाऊँगी या नहीं। असहनीय सिरदर्द और ब्लड प्रेशर के साथ जैसे-तैसे मैंने परीक्षा दी।

19 जुलाई को पेपर खत्म हो गए, लेकिन जैसे-जैसे परिणाम का दिन नजदीक आया, मैंने सोचना शुरू किया कि मैंने पेपर में लिखा क्या था। ऐसा नहीं था कि मेरी सोच नकारात्मक थी। मुझे इतना तो भरोसा तो था कि परिणाम अच्छा ही होगा, लेकिन विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले नतीजे की कल्पना भी नहीं थी। रिजल्ट वाले दिन सभी न्यूज चैनल्स पर 800 में से 614 (76.75 प्रतिशत) उपलब्धि के साथ खुद का नाम देखकर 2 मिनट के लिए तो विश्वास नहीं हुआ। उस समय मेरे साथ माँ-पिता की आंखों में भी आंसू थे। जब ये नतीजा आया, नंदिनी तब ठीक 19 साल और 330 दिन की थीं, जिससे उन्हें गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा दुनिया की सबसे कम उम्र की महिला चार्टर्ड अकाउंटेंट का खिताब दिया गया।

• ***नंदिनी अब 180 देशों में मान्य सी.ए.***

चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने के बाद नंदिनी ने ए.सी.सी.ए. अंतर्राष्ट्रीय परीक्षा में इंडिया में पहली व विश्व में तीसरी रैंक हासिल कर एक बार फिर सबको चौंका दिया। इस परीक्षा में 180 देशों के सी.ए. शामिल हुए। अब नंदिनी दुनिया के किसी भी देश में काम कर सकती हैं।

भविष्य में देश से बाहर काम करने के सवाल पर नंदिनी बताती हैं ऐसी कोई योजना अभी दिमाग में नहीं हैं, लेकिन काम के सिलसिले में एक-दो साल के लिए ज़रूर जाना चाहूंगी।

• ***सपने देखना न छोड़ें युवा***

वर्ष 2023 से मुंबई स्थित सिंगापुर की कंपनी जीआईसी में सेवारत नंदिनी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बच्चों के लिए खासकर लड़कियों के लिए कहना चाहती हैं 'ज़िन्दगी जीना है तो सपने ज़िंदा रखिये, परिस्थितियां चाहे जो हों, मन को उड़ता परिंदा रखिये।' उनका कहना है कि अगर जीवन में बड़ी उपलब्धि हासिल करना है तो सपने भी बड़े देखना होगा। अगर आप सपने नहीं देखते तो आपके जीवन का कोई मतलब नहीं है, इसलिए सपने देखिए और उन्हें पूरा करके ही मानिये।

© मीडियाटिक कम्युनिकेशन प्रा.लि.

एक साथ 10 उपग्रहों की देखभाल करती हैं प्रभा तोमर

• **सारिका ठाकुर**

90 साल से भी ज़्यादा वक़्त बीता, जब स्नातक करने के बाद देश की पहली महिला वैज्ञानिक कमला भागवत सोहोनी ने भारतीय विज्ञान संस्थान (इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ साइंस) में शोध के लिए आवेदन किया था। उस समय संस्थान के निदेशक और नोबल पुरस्कार विजेता सी.वी. रमन ने उन्हें प्रवेश देने से इंकार कर दिया था। लम्बी जद्दोजहद और शर्तों के बाद उनका आवेदन स्वीकार किया गया। इससे ये जरूर हुआ कि कमला जी के बाद वाली पीढ़ी की लड़कियों के लिए विज्ञान की दुनिया में जाने का रास्ता खुल गया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन- जिसे आम तौर पर 'इसरो' के नाम से जाना जाता है, जैसी संस्था में महत्वपूर्ण पद पर कार्यरत प्रभा तोमर और उनके जैसी प्रतिभाएं वैज्ञानिक बनने के लिये उत्साहित बच्चियों में उम्मीद जगाती हैं।

इसरो के भोपाल केंद्र में वैज्ञानिक-इंजीनियर के पद पर कार्यरत प्रभा जी का जन्म 2 नवम्बर को इंदौर में हुआ। उनके पिता मनोहर सिंह तोमर व्यवसायी थे और माँ रामवती एक गृहणी। चूंकि प्रभा जी का कोई मामा नहीं था, इसलिए नाना-नानी की ज़िम्मेदारी भी उनके पिता पर ही थी। नाना लाख की चूड़ियाँ बनाते थे, जब नाना-नानी को सहारे की जरुरत पड़ी तो प्रभा जी के पिता ने नौकरी छोड़कर उनका कारोबार संभाल लिया।

प्रभा जी के घर का वातावरण बहुत ही अनुशासित था। माँ पढ़ाई-लिखाई को बहुत ही महत्व देती थीं। बहनों में तीसरे स्थान पर रहीं प्रभा जी कहती हैं- हम चारों बहनें पढ़ने-लिखने में हमेशा से अच्छी रहीं हैं। माता-पिता दोनों की यही कोशिश रहती कि बच्चियों का ध्यान पढ़ाई से इधर उधर न भटके। इसलिए उनके घर में टीवी तक नहीं था। स्कूल जाना, घर आकर होमवर्क करना और फिर पिता जी की दुकान पर उनकी मदद करना- यही रोज़ का सिलसिला था। उनके पिता ने स्नातक के दौरान फाइन आर्ट की भी पढ़ाई की थी और माँ भी कलात्मक रूचि रखती थीं। इसलिए दोनों मिलकर चूड़ियों के डिजाईन पर तरह-तरह के प्रयोग करते थे। कभी-कभी कारीगर छुट्टी पर हो या काम ज्यादा हो तो चूड़ियों पर नग बैठाने का काम वे स्वयं भी करती थीं।

प्रभा जी के स्कूल की शिक्षिकाएं कभी-कभी खरीदारी करने दुकान पहुँच जाती और वहाँ उन्हें काम करते देख हैरान होतीं। लेकिन फिर कक्षा में प्रभा की मिसाल भी दी जाती कि देखो काम करने के साथ-साथ पढ़ाई करती हैं और हमेशा अव्वल आती हैं।

प्रभा जी की प्रारंभिक शिक्षा शासकीय बाल मंदिर, इंदौर से हुई, उसके बाद श्री केबीपी गुजराती कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल, इंदौर से उन्होंने वर्ष 1993 में हायर सेकेंडरी पास किया। सभी कक्षाओं में अव्वल

आने का श्रेय वे अपने परिवार को देती हैं। स्कूल के दिनों की एक घटना साझा करते हुए वे बताती हैं, 'मैं सातवीं कक्षा में थी उस समय, वार्षिक परीक्षा का समय था और मेरी फेयर कॉपी गुम हो गयी थी। जब पाठ दोहराने का समय आया तो मेरे पास मेरी कॉपी ही नहीं थी। परीक्षा से एक दिन पहले नई नोटबुक लेकर आई और सारे गणित के सवाल एक दिन में हल कर लिये।'

ऐसा भी नहीं कि प्रभा जी पढ़ाई के अलावा कुछ और नहीं करती थी। हैरानी की बात है कि पढ़ाई, दुकान में पिता का हाथ बँटाने के अलावा वे स्कूल की सभी प्रतियोगिताओ मे भी बड़े उत्साह से भाग लेती थी और पुरस्कार भी जीतती थीं। वे एक बहुत अच्छी वक्ता थी लिहाजा वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में हमेशा बाजी मार ले जातीं। इसके अलावा वे क्लास मॉनिटर भी थी। अक्सर ऐसा होता कि शिक्षक के पढ़ाने से पहले ही गणित सवाल वे हल कर लिया करती थीं। इसलिए बोर्ड पर सवाल हल करके बताने के लिए उन्हें ही कहा जाता। इसी तरह रसायन शास्त्र की प्रयोगशाला में भी वे सभी छात्राओं को प्रयोग करके बताती थी। इस तरह की घटनाएं या अवसर उन्हें और भी ज्यादा पढ़ने के लिए उत्प्रेरित करती थीं।

यह वह दौर था जब लड़कियों की शादी जल्दी कर दी जाती थी और उसके बाद पढ़ने का उन्हें मौक़ा नहीं मिलता था। ऐसे समय में प्रभा जी ने सिर्फ अपना करियर बनाने के लक्ष्य को महत्व दिया। गणित में गहरी रुचि रखने वाली प्रभा जी को उज्जैन के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला मिला। वे बताती हैं कि कॉलेज में पढ़ाई का स्तर बहुत ही अच्छा था, फिर भी उनके साथ के बच्चे सिनेमा देखने या घूमने-फिरने निकल ही जाते। मेस में भी टीवी लगा हुआ था, तो छात्र-छात्राएं धारावाहिक देखते हुए खाना खाते, लेकिन कभी भी उस तरफ उनका ध्यान नहीं गया। इसके पीछे कारण यह था कि उन्होंने अपने बच्चों के लिए समर्पित अपने माता-पिता के त्याग और समर्पण को देखा था। बीई के सभी सेमेस्टर में प्रभा जी को सर्वोच्च स्थान प्राप्त होता था। उन्होंने एम. टेक. के लिए गेट (GATE) की परीक्षा में भी 96.46 परसेंटाइल हासिल किये। इस वक़्त तक वे इसरो में नौकरी के लिए अर्जी दे चुकी थीं।

प्रभा जी कहती हैं, 'नौकरी के लिए मैंने 3 जगह ही परीक्षा दी थी और तीनों ही जगह चुनी गयी। इसरो के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, त्रिवेंद्रम में भी प्रभा जी ने आवेदन किया था। बीटेक के परसेंटेज के आधार पर उन्हें सीधे साक्षात्कार के लिए बुलावा आ गया। उस साक्षात्कार के कुछ सवाल उन्हें आज भी याद हैं। वे कहती हैं, 'नौकरी के लिये वह मेरा अंतिम और सर्वश्रेष्ठ साक्षात्कार था।' दो महीने के भीतर ही प्रभा जी को नौकरी के लिये प्रस्ताव पत्र मिल गया। उन्हें पदभार ग्रहण कराने के लिए पिता जी तथा उनके जीजा उनके साथ गये थे। पिता जी ने कारोबार माँ के हवाले कर बेटी के साथ त्रिवेंद्रम रहना तय किया। प्रभा जी के अनुसार उत्तर भारत से इसरो, त्रिवेंद्रम तक पहुँचने वाली उस समय की वे पहली लड़की थीं।

जून 1999 से लेकर जुलाई 2002 तक उन्होंने वहाँ काम किया। इस बीच उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए अपने विभाग में आवेदन कर दिया। उनकी वरिष्ठ अधिकारी एक महिला ही थीं और वे अपने अधीन काम करने वालों के प्रति बहुत ही संवेदनशील थीं। इसरो वैसे भी उच्च शिक्षा के लिए अपने लोगों को प्रोत्साहित करता है। इसलिए प्रभा जी को एम.टेक करने की अनुमति मिल गयी। इधर प्रभा जी के समान ही प्रतिभाशाली उनकी छोटी बहन भावना ने भी 99.81 परसेंटाइल से गेट की परीक्षा पास कर ली। मुंबई आईआईटी में परीक्षा और साक्षात्कार के बाद दोनों बहनों का एक साथ चयन हुआ। हॉस्टल में दोनों को एक-एक कमरा मिला। लेकिन दोनों एक ही कमरे में रहतीं और दूसरे का इस्तेमाल अपनी कम्प्यूटर लैब के तौर पर करतीं। दोनों बहनों के परस्पर प्रेम की मिसाल ये है कि भावना जी- जो एक प्रतिष्ठित आईटी कंपनी में प्रोग्राम मैनेजर हैं, ने एक किताब लिखी है और उसे प्रभा जी को समर्पित किया है।

प्रभा जी की पढ़ाई का खर्च उनका विभाग वेतन सहित वहन कर रहा था जबकि उनकी बहन को टीसीएस से छात्रवृत्ति मिली थी। अब दोनों बहनें साथ पढ़तीं, लैब में प्रक्टिकल करतीं और एक साथ एक दूसरे के प्रोजेक्ट में मदद करतीं, तो उन्हें दोस्ती के लिए किसी और की कभी ज़रुरत ही नहीं पड़ी। दोनों को एक दूसरे का साथ निभाने का अद्भुत मौका मिला। वर्ष 2004 में इसरो का उपग्रह नियंत्रण केंद्र (satellite control center) भोपाल में बन रहा था, तो प्रभा जी ने तबादले के लिए आवेदन कर दिया। एम.टेक करने के बाद उनका तबादला मास्टर कंट्रोल फैसिलिटी, हासन में हो गया जहाँ उन्होंने कुछ महीने काम किया, फिर अप्रैल 2005 में मुख्य नियंत्रण सुविधा-इसरो, भोपाल में उनकी पोस्टिंग हो गयी।

इसरो के वैज्ञानिकों में शामिल होना अपने आप में एक बड़ी बात है। हालांकि गोपनीयता के कड़े नियमों के कारण काम की जानकारी साझा नहीं की जा सकती। प्रभा जी ने इतना ही बताया कि वे मैनेजर, मिशन कम्प्यूटर के पद पर काम कर रही हैं। वे कहती हैं, रॉकेट से अलग होने के तुरंत बाद सैटेलाइट की देखभाल करना 'मास्टर कंट्रोल फैसिलिटी' की ज़िम्मेदारी है। प्रभा जी और उनके साथी एक नवजात शिशु की तरह उपग्रह की निगरानी और नियंत्रण करते हैं। एक उपग्रह पृथ्वी से 36 हज़ार कि.मी. की दूरी पर स्थापित रहता है, उससे प्राप्त डेटा के आधार पर उसका नियंत्रण किया जाता है। यह काम 365 दिन और 24 चौबीस घंटे अलग-अलग पालियों में चलता रहता है। कोई भी दिक्कत आने पर ही कुछ ही मिनटों के भीतर उसे हल करना पड़ता है।

प्रभा जी के कई शोध पत्र अंतर्केंद्रीय हिन्दी संगोष्ठी में चयनित हुए और सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के रूप में पुरस्कृत हुए। इसरो में पच्चीस वर्ष का कार्यकाल पूरा करने पर उन्हें 'आउटस्टैंडिंग अचीवमेंट अवार्ड' प्रदान किया गया।

© मीडियाटिक कम्युनिकेशन प्रा.लि.

देश-विदेश

भारत व भूटान ने सीमा-संबंधी कार्यों पर की चर्चा

नई दिल्ली। भारत और भूटान ने शुक्रवार को सीमा से संबंधित क्षेत्रीय मामलों पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने इस मुद्दे पर संबंधित क्षेत्रीय सर्वेक्षण टीमों और अन्य हितधारकों द्वारा किए गए कार्यों पर संतोष व्यक्त किया। नई दिल्ली में भारत सरकार और भूटान के अंतरराष्ट्रीय सीमा कार्यालय के अधिकारियों के बीच आयोजित दो दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सीमा से संबंधित क्षेत्रीय कार्य की समीक्षा की गई। दोनों पक्षों ने दोनों सरकारों की प्राथमिकताओं के अनुसार सर्वेक्षण और सीमा से जुड़े कार्यों की तकनीक और क्षमता निर्माण सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की।

फूड प्रोसेसिंग का सिंगल प्वाइंट व सबसे बड़ी यूनिट बनेगा 'पतंजलि मेगा फूड एंड हर्बल पार्क' नागपुर

- संतरे को प्रोसेस करने वाला एशिया का सबसे बड़ा प्लांट -आचार्य बालकृष्ण
- किसानों व कृषि व्यवस्था की भयावह सूरत हम बदलकर रहेंगे -आचार्य जी
- जीरो वेस्टेज सिस्टम के तहत बॉय प्रोडक्ट्स पर भी काम करेगा मिहान स्थित फूड पार्क

राष्ट्रीय/ नागपुर,देशबन्धु। पतंजलि द्वारा मिहान, नागपुर में स्थापित पतंजलि मेगा फूड एंड हर्बल पार्क में संतरा प्रोसेसिंग का एशिया का सबसे बड़ा प्लांट होगा। पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के एमडी आचार्य बालकृष्ण ने आज मिहान, नागपुर में प्रेसवार्ता में यह जानकारी देते हुए सर्वप्रथम नागपुर की धरा को प्रणाम करते हुए आगे कहा कि नागपुर की यह धरा अध्यात्म व क्रांति की धरा है। यह धरा देश व संविधान को मूर्त्त रूप प्रदान करने वाली है। अब इस धरा से पतंजलि की नवकृषि क्रांति के द्वारा देश के किसानों की समृद्धि के द्वार खोले जाएँगे।

उन्होंने आगे बताया कि यह प्लांट फूड प्रोसेसिंग का सिंगल प्वाइंट व एशिया की सबसे बड़ी यूनिट है। इसे स्थापित करने पर हमें गर्व की अनुभूति हो रही है। हालाँकि इस प्लांट को प्रारंभ करने में बहुत से विघ्न-बाधाएँ रहीं, बीच में कोरोना काल भी रहा पर अंततः वह दिन आ गया जिसकी प्रतिक्षा क्षेत्र के किसान वर्षों से कर रहे थे। आचार्य जी ने बताया कि इस प्लांट का विधिवत उद्घाटन माननीय सड़क परिवहन, राज्य मार्ग व जहाजरानी मंत्री भारत सरकार श्री नितिन गडकरी तथा महाराष्ट्र के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस जी रविवार 9 मार्च को करेंगे।

उन्होंने कहा कि विदर्भ का नाम आते ही यहाँ के किसानों की आत्महत्याएँ व प्रताड़ित व दुखी किसानों का चित्र स्वत: ही चित्रित हो जाता है। हमें पूर्ण विश्वास है कि जल्द ही इस चित्र को बदलने का कार्य मिहान के इस संतरा प्रोसेसिंग प्लांट से होगा, इसमें हमें आप सबका साथ व सहयोग चाहिए। इस पूरे क्षेत्र, किसानों व कृषि व्यवस्था की भयावह सूरत हम बदलकर रहेंगे, यह हमारा संकल्प है।

आचार्य जी ने बताया कि उक्त प्लांट की प्रतिदिन 800 टन प्रोसेसिंग क्षमता है। जिसमें हम ए ग्रेड के साथ-साथ बी व सी ग्रेड के संतरे, प्री-मैच्योर उत्पादन, आंधी से टूटकर गिरने वाले संतरे को भी प्रोसेस करते हैं।

हमारा यह प्लांट जीरो वेस्टेज सिस्टम पर काम करता है। हमारा कार्य संतरे के छिलके से प्रारंभ होता है जिसमें हम संतरे के छिलके से वॉलिटाइल तथा फ्रेगरेंस ऑयल निकालते हैं। इसके लिए हमने विदेशी तकनीक और पूरे सिस्टम पर रिसर्च की क्योंकि इतना बड़ा प्लांट केवल जूस के भरोसे पर नहीं चलाया जा सकता। हमने इसके बॉय प्रोडक्ट्स पर भी फोकस किया। इस प्लांट को धरातल पर आपके सामने लाने में हमारा काफी समय व पुरुषार्थ लगा।

आज इस क्षेत्र के प्रत्येक गांव का लगभग प्रत्येक किसान हमारे संपर्क में है, साथ ही कुछ प्रतिभाशाली व्यक्ति भी हमारी दृष्टि में हैं। हमारी प्राथमिकता स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान करने तथा स्थानीय किसानों को समृद्धशाली बनाने की है। माननीय प्रधानमंत्री जी का स्वप्न है कि स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाकर देश में मैनपॉवर स्किल तैयार की जाए, उसमें पतंजलि ही अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

आचार्य जी ने बताया कि उक्त प्लांट में आधुनिक मापदण्डों के आधार पर पूरा एडवांस सिस्टम है जिसमें पैकेजिंग लाइन, टैक्नोपैक से लेकर एडवांस रिसर्च लैब्स शामिल हैं।

हमारे उत्पादों की गुणवत्ता टॉप क्लास है, हमारे लिए पूरा विश्व बाजार खुला है। लेकिन हमारी प्राथमिकता देश के लोगों को एक्सपोर्ट क्वालिटी के बेहतरीन उत्पाद उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि रॉ-मैटिरियल की उपलब्धता के आधार पर यहाँ संतरा, लाइम, आंवला, अनार, अमरूद, अंगूर, लौकी, गाजर का जूस, आम व संतरे का पल्प तथा ऑनियन, टमाटो का पेस्ट भी बनाया जाएगा।

कार्यालय अधीक्षक जिला जेल, बालाघाट म.प्र.

क्रमांक/05/निर्वाह/2025 बालाघाट, दिनांक....

ई- निविदा- सूचना
(द्वितीय आमंत्रण)

पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्मों की ओर से जिला जेल, बालाघाट में स्थापित इलेक्ट्रिक फेसिंग एवं उपकरणों के रख रखाव तथा मरम्मत की सेवाएं उपलब्ध करवाने हेतु ए.एम.सी. के लिए वर्ष 2025-26 हेतु द्वितीय बार ई-निविदा वेबसाइट पर आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म की कीमत रु. 500/- फार्म ऑनलाइन वेबसाईट https://mptenders.gov.in से प्राप्त कर शीर्ष 0056-800 अन्य प्राप्तियां में ऑनलाइन जमाकर विज्ञप्ति जारी दिनांक से दिनांक 01.04.2025 तक आवश्यक पूर्तियां कर प्राप्त किये जा सकते हैं। निविदा संबंधी ऑनलाइन निविदा शर्तो के अनुसार मांगे गये समस्त दस्तावेज ऑनलाईन वेबसाईट https://mptenders.gov.in दिनांक 01.04.2025 को दोपहर 12.30 बजे तक जमा किये जा सकते हैं। निविदा का कार्यक्रम विवरण निम्नानुसार है:-

विवरण	दिनांक एवं समय	स्थान
Publishing Date	दिनांक 05.03.2025 शाम 04.00 बजे से	https://mptenders.gov.in/nicgep/app
Document Download/ Sale Start Date	दिनांक 05.03.2025 सायंकाल 05.00 बजे से	---------------------"--------------------
PreBid Meeting Date	दिनांक 19.03.2025 को प्रात: 11.30	कार्यालय अधीक्षक जिला जेल बालाघाट
Bid Submission Start Date	दिनांक 05.03.2025 को संध्या 05.30 तक	https://mptenders.gov.in/nicgep/app
Bid Submission Closing Date	दिनांक 01.04.2025 को सायंकाल 12.30 तक	---------------------"--------------------
Bid Opening Date	दिनांक 02.04.2025 को सायंकाल 12.30 तक	कार्यालय अधीक्षक जिला जेल बालाघाट

निविदा फार्म, नियम व शर्तें तथा इन निविदा संबंधी अन्य विवरण https://mptenders.gov.in के पोर्टल पर उपलब्ध है।

जेल अधीक्षक
जिला जेल, बालाघाट (म.प्र.)

जी- 23893/24

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) सिवनी (म.प्र.)

E-mail ID-modgmseo@mp.gov.in

क्रमांक/268/खनिज/ उ.प./2025 सिवनी, दिनांक 4/3/2025

म.प. गौण खनिज नियम 1996 के नियग, 18 (1-क) के अंतर्गत पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति प्राप्त करने के लिए

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक नायरा माईन्स एंड मिनरल्स प्रायवेट लिमिटेड प्लाट नं. जेपी 24-ए-मोती नगर केविन हास्पिटल बालाघाट म.प्र. द्वारा पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 12.01.2025 प्राप्ति दिनांक 23.1.2025 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना क्रमांक 135/खनिज/उ.प./2025 सिवनी दिनांक 28.1.2025 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र हेतु पुन: दिनांक 19.3.2025 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन ई-खनिज पोर्टल http://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे ।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
सिवनी	केवलारी	भरवेली	246/1 (246)	47.75 हे. में से 4.95 हे.	शासकीय भूमि	ग्रेनाइट	
			कुल रकबा	4.95 हे.			

1-उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथी तक (कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

2-यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथी तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुए 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

3-यदि इस प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा ।

4-यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत्त स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा ।

5- निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

सहायक खनि. अधिकारी
वास्ते कलेक्टर सिवनी

जी- 23890/24

डब्ल्यूटीसी ग्रुप फ्रॉड केस में आशीष भल्ला गिरफ्तार

नई दिल्ली। गुरुग्राम की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को डब्ल्यूटीसी ग्रुप ऑफ कंपनीज के प्रमोटर आशीष भल्ला को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छह दिनों की हिरासत पर भेज दिया। ईडी ने भल्ला को बड़े पैमाने पर रियल एस्टेट धोखाधड़ी और हजारों निवेशकों को ठगने के मामले में गिरफ्तार किया है। भल्ला को ईडी के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत डब्ल्यूटीसी फरीदाबाद इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड और अन्य से जुड़े 1,000 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया है।

In The Court Of I Additional Judge To I Civil Judge Class-II, District Court,Chhindwara
Presiding Officer:
श्री राहुल सोनी (जूनियर)
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/0000115/2024)
विजेश बोसम...वादी
Vs
उपक्षेत्रीय प्रबंधक वे. को. लि. तानसी परियोजना...प्रतिवादी
Process Id-/ 2025
पेशी दिनांक.:-27/03/2025

(1) सर्वसाधारण पत्ता सर्वसाधारण

यह कि प्रार्थी विजेश बोसम ने आपके विरूद्ध आरसीएस ए प्रकरण के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 22 February 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
न्यायालय की मुद्रा
टिप्पणी - प्रति संलग्न है।
कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(राहुल सोनी)
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ खण्ड
न्यायालय के प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश
जुन्नारदेव, जिला छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

The Court Of Civil Judge Class-I, District Court, Chhindwara
Presiding Officer:
श्री विष्णु प्रसाद सोलंकी
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(MJC SUC/0000011/2024)
ज्योति साहनी...वादी
Vs
खान प्रबंधक तानसी कालरी कन्हान क्षेत्र पोस्ट रामपुर थाना दमुआ तहसील जुन्नारदेव जिला छिंदवाड़ा,...प्रतिवादी
Process Id-/ 2025
पेशी दिनांक.:-09/04/2025

(1) सर्वसाधारण पत्ता सर्वसाधारण

यह कि प्रार्थी ज्योति साहनी ने आपके विरूद्ध एमजेसी सक्ससेशन के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 21 February 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
न्यायालय की मुद्रा
टिप्पणी - प्रति संलग्न है।
कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(श्री विष्णु प्रसाद सोलंकी)
व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ खण्ड
जुन्नारदेव, जिला छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस विशेष

महिला सशक्तिकरण: विकसित राष्ट्र के विकास का आधार स्तम्भ

-डॉ. मोहन यादव

'नारी अस्य समाजस्य कुशलवास्तुकारा अस्ति'

'नारी समाज की आदर्श शिल्पकार है', भारतीय दर्शन का यह उल्लेख नारी शक्ति और निर्माण का आह्वान है। भारत में नारी सदैव अग्रणी रही है, प्रथमा रही है। मातृशक्ति को आदि शक्ति माना जाता है। हमारी परंपरा, संस्कृति और चिंतन में नारी का सम्मान रहा है। यह हमारे लिये गौरव की बात है कि पूरे संसार ने महिला सशक्तिकरण को स्वीकार किया और 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मैं नारी शक्ति और उनकी उपलब्धियों का अभिनंदन करता हूँ।

विश्व पटल पर यह दिन चर्चा का विषय हो सकता है, लेकिन देश में हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में महिला सशक्तिकरण का संकल्प कार्य रूप में परिणित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में महिला सशक्तिकरण के लिये कई नवाचार हुए और अनेक योजनाओं को धरातल पर उतारा गया। इन योजनाओं का अनुकरण अन्य प्रांतों ने भी किया। इस तरह मध्यप्रदेश, देश में महिला सशक्तिकरण के लिए अग्रणी प्रांत बन गया।

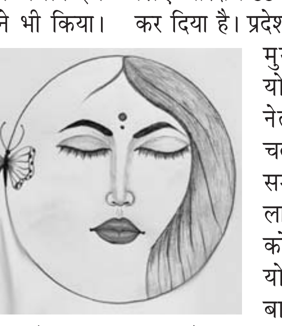

प्रधानमंत्री जी ने हमें विकास के साथ विरासत का सूत्र दिया है। भारत की वैचारिक विरासत नारी सम्मान की रही है। यदि सामाजिक वातावरण में मर्यादा होगी, नारी सम्मान होगा तो अपराध अपने-आप कम हो जायेंगे और नारी स्वयमेव सुरक्षित हो जाएगी। इसीलिए भारतीय संस्कृति में नारी सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। अपनी संस्कृति और परंपरा के अनुरूप हमने प्रदेश में आध्यात्मिक स्थलों की पवित्रता और नारी सम्मान के लिये 19 स्थानों को नशामुक्त करने का निर्णय लिया है। इससे हमारे धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनी रहेगी, नैतिक मूल्यों को मजबूती मिलेगी, घरेलू हिंसा में नियंत्रण के साथ महिलाओं के सामाजिक तथा आर्थिक सशक्तिकरण को बल मिलेगा। मुझे उम्मीद है कि शराबबंदी से आध्यात्मिक स्थलों की पवित्रता के साथ महिलाओं के सम्मान को लेकर सकारात्मक बदलाव आयेगा।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में भारत विकास की नई करवट ले रहा है। प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में अग्रणी बनाने के लिए ज्ञान के सम्मान का मंत्र दिया है। इसके अंतर्गत गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी को सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाना है। विकास के आधार स्तम्भ में से एक, महिलाओं के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास और विमेन लीड डेवलपमेंट के प्रयास को समन्वित रूप से लागू करने के लिए प्रदेश में पहली बार देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन शुरू किया गया है। मिशन के प्रमुख उद्देश्यों में महिलाओं और बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आर्थिक विकास, सुरक्षा, विभिन्न शासकीय सेवाओं की पहुँच में सुनिश्चितता, महिलाओं के आर्थिक स्वावलम्बन और समाज में आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के लिए एकीकृत प्रयास शामिल हैं। नारी शक्ति मिशन के तहत बालिका शिक्षा, स्वास्थ्य, लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना, लखपति दीदी योजना, महिला स्व-सहायता समूहों के सशक्तिकरण आदि कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किये जा रहे हैं।

भारतीय जीवनशैली में महिलाओं की भूमिका सदैव अग्रणी रही है। हम जितने अधिक अवसर बहन-बेटियों को देंगे, सुविधाएँ देंगे तो वे समाज को कई गुना लौटाकर देंगी। महिला शक्ति से देश नई ऊँचाई तक पहुँच सकता है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। समय के साथ शिक्षा, तकनीक और अन्य क्षेत्रों में उनकी भूमिका बढ़ रही है। श्री मोदी जी ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास के माध्यम से महिलाओं को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया जिससे महिलाओं की भूमिका न केवल परिवार और समाज के विकास में अग्रणी रहे, अपितु विकसित भारत अभियान में भी उनकी सहभागिता हो। प्रधानमंत्री जी ने आवास, उज्ज्वला, आयुष्मान, मातृ वंदना, महिला स्व-रोज़गार, सुकन्या समृद्धि आदि योजनाओं की श्रृंखला से महिलाओं के समग्र विकास को सुनिश्चित किया है। मेरा मानना है कि नारी का गौरव राष्ट्र के सपने पूरे करने में बड़ी भूमिका निभाएगा।

मुझे यह बताते हुए संतोष है कि विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के सम्मान और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनप्रतिनिधित्व में एक-तिहाई महिलाओं को शामिल किया है। मध्यप्रदेश, देश का पहला ऐसा राज्य है जिसमें शासकीय सेवाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण 33 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत कर दिया है। प्रदेश में लाडो अभियान, शौर्या दल, मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण योजना, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। बहनों के मान-सम्मान और स्वाभिमान के लिये लाड़ली बहना योजना से महिलाओं को और सैनिटेशन एवं हाइजीन योजना से प्रदेश की 19 लाख बालिकाओं को आर्थिक संबल दिया है। मध्यप्रदेश में किशोरियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए किए जा रहे प्रयासों की यूनिसेफ ने सराहना की है।

प्रदेश में नए-नए उद्योग आ रहे हैं, इनमें महिलाओं को बड़ी संख्या में रोज़गार मिल रहा है। रेडीमेड गारमेंट उद्योग में कार्य करने वाली बहनों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। हम हाल ही में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 18 नीतियाँ लेकर आये हैं। इनमें एमएसएमई विकास नीति में महिला उद्यमी इकाई को विशेष लाभ का प्रावधान है। ड्रोन संवर्धन नीति में हमारी ड्रोन दीदी योजना अधिक विस्तारित होगी। हमारी स्व-सहायता समूह की बहनें माननीय प्रधानमंत्री जी के लोकल से ग्लोबल के लक्ष्य को धरातल पर उतार रही हैं। प्रदेश में लगभग पाँच लाख से अधिक स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने स्वावलंबन का जनांदोलन खड़ा कर दिया है। प्रदेश की बीपीएल श्रेणी की 4 लाख से अधिक महिलाएँ लखपति दीदी बन गई हैं। मध्यप्रदेश में महिलाओं के लिए किये जा रहे प्रयासों का परिणाम है कि प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के नये आयाम विकसित हुए हैं। वे सशक्त, समृद्ध और स्वावलंबी होकर आत्मनिर्भर हो रही हैं।

माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में महिला सशक्तिकरण के लिए जो कदम उठाये जा रहे हैं, मुझे पूरी उम्मीद है कि इससे बेटा-बेटी, महिला-पुरुष के बीच का भेदभाव समाप्त होगा। महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए समाज, सरकार और कानून सभी का समान रूप से सहयोग आवश्यक है तभी हम बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं। मैं प्रदेश की सभी बहनों को यह विश्वास दिलाता हूँ कि मध्यप्रदेश सरकार और उनका भाई उनके साथ है।

व्यक्ति, परिवार और समाज निर्माण के केन्द्र में नारी है। इसीलिए प्रधानमंत्री जी ने विकसित भारत निर्माण के लिए महिला स्वावलंबन और सम्मान की बात कही है। उन्होंने विश्व में भारत को सर्वश्रेष्ठ स्थान पर प्रतिष्ठित करने का जो संकल्प लिया है, यह तभी संभव है जब भारत का हर वर्ग, हर क्षेत्र आत्मनिर्भर और सशक्त होगा। जब नारी मानसिक, बौद्धिक और आर्थिक रूप से सशक्त होगी, समृद्ध होगी, आत्मनिर्भर होगी तभी परिवार, समाज, प्रदेश और राष्ट्र सशक्त बनेगा।

आइये, हम सब अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी को सशक्त बनाने का संकल्प लें। इस संकल्प के क्रियान्वयन से ही अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का दिन सार्थक होगा।

(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री,लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्रं.-2, जबलपुर

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED OFFICE

इंदिरा गांधी मार्ग, साऊथ सिविल लाईन, जबलपुर (म.प्र.) पिन- 482001 फोन नं. एवं फैक्स नं.: 0761-2622333 ई-मेल : eepwd2jbp@nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना क्र.19/व.ले.लि./2024-25 जबलपुर, दिनांक-04/03/2025

निविदा आमंत्रण सूचना क्र.-29

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेंडरिंग के मार्फत निविदा आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान करने पर वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे।

सं. क्रं.	टेण्डर आई.डी.	कार्य का नाम	आमंत्रण	ठेके की अनुमानित राशि	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र राशि	समयावधि
1.	2025_PWDRB_406875_Pack1	सिविल लाईन स्थित ई एवं एफ टाईप बंगलों में मरम्मत कार्य।	प्रथम	20.00 लाख	40000/-	2000/-	04 माह (वर्षा ऋतु सहित)
2.	2025_PWDRB_406876_Pack1	सिविल लाईन स्थित एफ टाईप से बड़े बंगलों में प्लास्टर मरम्मत एवं अन्य मरम्मत कार्य।	प्रथम	19.98 लाख	40000/-	2000/-	04 माह (वर्षा ऋतु सहित)
3.	2025_PWDRB_406877_Pack1	सिविल लाईन स्थित व्ही.आई.पी. बंगलों में प्लास्टर मरम्मत एवं अन्य मरम्मत कार्य।	प्रथम	19.98 लाख	40000/-	2000/-	04 माह (वर्षा ऋतु सहित)
4.	2025_PWDRB_406878_Pack1	सिविल लाईन स्थित ऑफीसर्स बंगलों में सेनेटरी मरम्मत, वाटर सप्लाई, जी.आई. प्रोफाईल शेड, फ्लोरिंग एवं अन्य मरम्मत कार्य।	प्रथम	20.00 लाख	40000/-	2000/-	04 माह (वर्षा ऋतु सहित)
5.	2025_PWDRB_406880_Pack1	नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडीकल कॉलेज जबलपुर के अंतर्गत आवासीय भवनों में मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	प्रथम	20.00 लाख	40000/-	2000/-	04 माह (वर्षा ऋतु सहित)
6.	2025_PWDRB_406881_Pack1	नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडीकल कॉलेज जबलपुर के अंतर्गत आवासीय भवनों में वाटर सप्लाई लाईन की मरम्मत, सीवर लाईन का कार्य एवं रखरखाव कार्य।	प्रथम	20.00 लाख	40000/-	2000/-	04 माह (वर्षा ऋतु सहित)

टीप- (1) निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं निविदा ऑनलाईन अपलोड करने की तिथि दिनांक 05/03/2025 समय 10.30 से दिनांक 20/03/2025 समय 17.30 बजे तक है। इलेक्ट्रनिक ई.एम.डी. (RTGS/NEFT) के माध्यम से एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाईन ही स्वीकार किये जावेंगे। (2) अन्य विस्तृत विवरण एवं संशोधन ऑनलाईन पोर्टल पर देखी जा सकती है। किसी भी प्रकार के संशोधन का पुन: प्रकाशन नहीं कराया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्रं.-2 जबलपुर

जी- 23898/ 24

कार्यालय कलेक्टर (न्यायालय अपर कलेक्टर शहर) जबलपुर म.प्र.

Room no.10 II Telephone-07612624351 II E-mail: admjabalpur@gmail.com

राजस्व प्रकरण क्रमांक/0067/अ-20(1)/ 2024-25 जबलपुर दिनांक 05/03/2025

आम इश्तहार

आवेदक प्रेमनारायण शर्मा पिता हरिश चन्द्र शर्मा निवासी 327, कांचघर, हनुमान टोरिया, टी.व्ही.एस. शो रूम के पीछे जबलपुर द्वारा नजूल ब्लॉक नंबर 150 स्थित प्लाट नं. 3/57, कुल रकवा 2030 व.फु. जिला जबलपुर ने इस न्यायालय के समक्ष नीचे विनिर्दिष्ट स्थाई पट्टे का भूमि स्वामी अधिकार में संपरिवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है और जबकि यह संपरिवर्तन किया जाना प्रस्तावित है एवं सुनवाई की तारीख 26/03/2025 स्थान न्यायालय अपर कलेक्टर शहर कक्ष क्रमांक 12 जबलपुर पर 3.00 बजे नियत की गई है। उक्त स्थाई पट्टे में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वे या तो स्वत: या विधिक व्यवसायी या मान्यता प्राप्त अभिकर्ता के माध्यम से नियत तारीख को उपस्थित हो और अपनी आपत्तियां यदि कोई हो तो प्रस्तुत करें।

आपके उपस्थित नहीं होने पर एवं आपत्तियां को प्रस्तुत नहीं कर पाने की स्थिति में किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

स्थाई पट्टे का विवरण- ब्लॉक नम्बर-150, प्लाट नं. -3/57, रकवा (व.फु.)- 2030, उप पट्टेदार - श्री प्रेमनारायण शर्मा पिता हरिश चन्द्र शर्मा निवासी- 327, कांचघर, हनुमान टोरिया. टी.व्ही. एस. शो रूम के पीछे जबलपुर, भू भाटक- 755/- रूपये प्रतिवर्ष

जारी दिनांक 05/03/2025
पेशी दिनांक 28/03/2025

अपर कलेक्टर
जबलपुर

र.नं. 3286

भाजपा सांसदों ने खुद बदल दिया अपने आवास का पता

नई दिल्ली, देशबन्धु। दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने के बाद अब कई मार्गों या चौराहों के नामों को बदलने की मांग तेज हो गई है।

इसी कड़ी में फरीदाबाद से सांसद कृष्णपाल गुर्जर, राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा और वाइस एडमिरल किरण देशमुख ने अपने आवास के बाहर लगे नेम प्लेट पर तुगलक लेन की जगह स्वामी विवेकानंद मार्ग लिखवा दिया है। वैसे, नेम प्लेट में अभी भी छोटे अक्षरों में तुगलक लेन लिखा है। नाम बदलने की यह घोषणा सरकार की तरफ से नहीं की गई है। सांसद अपनी मर्जी से आवास के बाहर लगे नेम प्लेट पर तुगलक लेन की जगह स्वामी विवेकानंद मार्ग लिखवा रहे हैं। राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा को तुगलक लेन पर सरकारी आवास आवंटित हुआ। यहां उन्होंने अपने परिवार के साथ गृह प्रवेश किया। इसकी तस्वीरें भी उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा कीं। इन तस्वीरों में वे अपने सरकारी आवास के बाहर खड़े दिख रहे हैं। उनके आवास पर नेम प्लेट दिख रहा है, जिसमें तुगलक लेन की जगह स्वामी विवेकानंद मार्ग लिखा हुआ है। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि आज नई दिल्ली स्थित नए आवास स्वामी विवेकानंद मार्ग (तुगलक लेन) में सपरिवार विधि विधानपूर्वक, पूजन-अर्चन कर गृह प्रवेश किया।

तुगलक लेन की जगह लिखवाया स्वामी विवेकानंद मार्ग

खबरों के 69 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump.com

पत्र नहीं मित्र

संपर्क करें jabdesh1@yahoo.com

देशबन्धु

विश्व महिला दिवस आज

जबलपुर, शनिवार 08 मार्च 2025 | वर्ष – 69 | अंक – 114 | पृष्ठ – 12 | मूल्य – 3.00 रु.

■ आत्मनिर्भर खेती की पहल
■ क्या शहरी बस्तियों तक... 04

■ चन्द्रमा पर कहां गायब हो गया अमेरिका...
■ बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री पर क्यों मचा बवाल... 09

■ होली के पहले चीनी के दाम बढ़े
■ लौटी ठंड से इस साल गेहूं की... 11

■ भारतीय क्रिकेट टीम के...
■ शमी पर भारतीय... 10

सार संक्षेप

मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में शामिल होंगे मोदी

नई दिल्ली, देशबन्धु। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 11 और 12 मार्च को मॉरीशस में होंगे। यहां वह मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। समारोह में भारतीय नौसेना के एक जहाज के साथ भारतीय रक्षा बलों की एक टुकड़ी भाग लेगी।
प्रधानमंत्री ने आखिरी बार 2015 में मॉरीशस का दौरा किया था। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मॉरीशस के राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे। मॉरीशस के प्रधानमंत्री से मिलेंगे और देश के महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों और वरिष्ठ नेताओं के साथ कई अन्य बैठकें करेंगे। उन्होंने कहा कि फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान भारत-अमेरिका ने लाभकारी बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत करने की घोषणा की। वाणिज्य और उद्योग मंत्री अमेरिका में थे और उन्होंने अपने समकक्षों से मुलाकात की। दोनों सरकारें बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया में हैं। इस समझौते के जरिये हमारा उद्देश्य माल और सेवा क्षेत्र में भारत-अमेरिका दोतरफा व्यापार को मजबूत और गहरा करना, बाजार पहुंच बढ़ाना, टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करना और दोनों देशों के बीच आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण को गहरा करना है।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो- कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश कह रहे हैं कि मोदी सिर्फ अपनी तारीफ सुनना चाहते हैं।

चुहिया- हां प्रिये- राजनीति में तारीफ और निन्दा कभी फायदे तो कभी घाटे का सौदा होता है।

परिसीमन के खिलाफ स्टालिन ने विरोध किया तेज

सात प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाई

- परिसीमन को संघीय ढांचे पर हमला करार दे रहे हैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री
- ममता, भगवंत मान और सिद्दरमैया को न्योता भेजा
- भाजपा शासित ओडिशा के मुख्यमंत्री को भी बुलाया

चेन्नई, (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने परिसीमन को लेकर मोर्चा खोला हुआ है। उन्होंने इसे संघीय ढांचे पर हमला करार देते हुए कहा है कि इससे जनसंख्या नियंत्रण करने वाले दक्षिण भारतीय राज्यों का अधिकार छिन जाएगा। अब स्टालिन ने 7 राज्यों के मुख्यमंत्रियों को केंद्र द्वारा प्रस्तावित परिसीमन एक्सरसाइज के खिलाफ राजनीतिक दलों की जॉइंट एक्शन कमेटी में शामिल होने का आह्वान किया है।

22 मार्च को चेन्नई में मीटिंग

स्टालिन ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, पंजाब के सीएम भगवंत मान, भाजपा शासित ओडिशा के सीएम मोहन चंद्र माझी, केरल के पिनराई विजयन, कर्नाटक के सिद्दरमैया, तेलंगाना के रेवंत रेड्डी और आंध्र प्रदेश के चंद्रबाबू नायडू को निमंत्रण भेजा है।

एमके स्टालिन ने केंद्र सरकार के खिलाफ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति और परिसीमन को लेकर मोर्चा खोल रखा है। उनका आरोप है कि केंद्र सरकार दक्षिण भारतीय राज्यों पर हिंदी थोपना चाहती है। हालांकि केंद्र ने दोनों की आरोपों को खारिज कर दिया है। एमके स्टालिन पर परिसीमन का भी विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि अगर केंद्र सरकार परिसीमन करना ही चाहती है, तो यह 1971 की जनसंख्या के आधार पर किया जाए। उन्होंने इसे अगले 30 साल के लिए स्थगित करने की भी अपील की है।

अमित शाह ने दिया था आश्वासन

स्टालिन के विरोध के बाद अमित शाह ने ये आश्वासन भी दिया था कि दक्षिण भारतीय राज्यों की एक भी लोकसभा सीट कम नहीं होगी। हालांकि स्टालिन ने इस तर्क को मानने से इंकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि शाह ने यह भी नहीं कहा है कि उत्तरी राज्यों या किसी अन्य को अधिक सीटें नहीं मिलेंगी।

मुख्यमंत्री अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर समूहों को देंगे सौगात

ग्रामीण आजीविका मिशन में कई नवाचारों एवं अभियानों का होगा शुभारंभ

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 08 मार्च को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में म. प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूहों को बैंक ऋण राशि वितरण, डीडीयूजीकेवाय अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्?त बेटियों को नियुक्ति पत्रों का वितरण करेंगे। कार्यक्रम में भोपाल शहर में चलित जैविक हाट बाजार के तीन वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करने के साथ ही मिशन के अन्य कार्यों का शुभारंभ किया जायेगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव महिला स्व सहायता समूहों द्वारा उनके उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी करेंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगीं।

म.प्र. ग्रामीण आजीविका मिशन के डिजीटल ई-न्यूज लैटर ''आजीविका अनुभूति'' का विमोचन किया जायेगा। सीहोर जिले के समूह सदस्यों को आवागमन हेतु 200 ई-सायकिल का वितरण, प्रदेश के छह प्रमुख शहरों भोपाल, इन्दौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन एवं धार में जैविका हाट बाजारों का शुभारंभ, वित्तीय साक्षरता अभियान का शुभारंभ, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयूजीकेवाय) अंतर्गत विशेष रूप से युवितयों के लिये 05 प्रशिक्षण बैच, आरसेटी के माध्यम से बालाघाट, डिण्डोरी एवं अलीराजपुर जिलों में पारंपरिक कला एवं शिल्प के प्रोत्साहन हेतु कौशल प्रशिक्षण का शुभारंभ, डीडीयूजीकेवाय अंतर्गत 1000 युवतियों को नियुक्ति पत्र प्रदाय किए जाएंगे।

1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में डालेंगे 1552.73 करोड़

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ''पढेंगे हम-बढेंगे हम'' साक्षरता अभियान का शुभारंभ और भोपाल शहर में चलित जैविक हाट बाजार हेतु तीन वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया जायेगा। इस अवसर भोपाल जिले के 02 स्व-सहायता समूहों को 10-10 लाख रूपये का बैंक ऋण राशि भी प्रतीक स्वरूप दी जायेगी।

पंचकूला में वायुसेना का लड़ाकू विमान जगुआर क्रैश

पंचकूला, (एजेंसियां)। हरियाणा के पंचकूला स्थित मोरनी के बालदवाला गांव के पास शुक्रवार को भारतीय वायुसेना का लड़ाकू विमान जगुआर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। भारतीय वायुसेना के अधिकारी ने बताया कि विमान ने प्रशिक्षण उड़ान के लिए अंबाला एयरबेस से उड़ान भरी थी। पायलट पैराशूट से उतरकर अपनी जान बचाने में कामयाब रहा।

दुर्घटना की जांच के आदेश दिए -अधिकारी ने बताया कि इस दुर्घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। हालांकि माना जा रहा है कि विमान तकनीकी खराबी के कारण हादसे का शिकार हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विमान लहराते हुए पेड़ों से टकराता हुआ जंगल के बीच एक खाई में गिरा था। विमान के गिरते ही उसमें आग लग गई और वह कई टुकड़ों में बंट गया। विमान के टुकड़े आसपास के क्षेत्रों में बिखरे पाए गए हैं।

- प्रशिक्षण उड़ान के लिए अंबाला एयरबेस से भरी थी उड़ान
- पायलट पैराशूट से जान बचाने में कामयाब रहा

टी-72 टैंकों के ईंजन के लिए रूसी कंपनी के साथ करार

24 करोड़ 80 लाख डॉलर का अनुबंध

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। रक्षा मंत्रालय ने रूस की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट (आरओई) के साथ 24 करोड़ 80 लाख डॉलर का अनुबंध किया है जिससे सेना के टी-72 टैंकों के 1000 हॉर्स पावर के ईंजन खरीदे जाएंगे। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि अनुबंध के तहत टैंकों के लिए 1000 हॉर्स पावर के पूरी तरह से तैयार और अर्ध-तैयार इंजन खरीदे जाएंगे। इसके अंतर्गत प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण किया जाएगा । इस खरीद से मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा मिलेगा। अनुबंध के तहत इंजनों की असेम्बली और बाद में लाइसेंस आधार पर उत्पादन मेसर्स आरओई से मेसर्स आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड (हैवी व्हीकल फैक्ट्री), अवाडी, चेन्नई में किया जाएगा।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान

लाखों यूक्रेनी नागरिकों की होगी 'घर वापसी'!

वाशिंगटन, (एजेंसियां)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वह इस बात पर विचार कर रहे हैं कि युद्ध की वजह से अमेरिका में रह रहे लाखों यूक्रेनी नागरिकों की अस्थायी संरक्षित स्थिति को रद्द किया जाए या नहीं, हालांकि इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

अमेरिकी मीडिया के मुताबिक ट्रंप ने ओवल ऑफिस में मीडिया कहा, 'हम किसी को चोट पहुंचाना नहीं चाहते, मैं इस पर विचार कर रहा हूं, और कुछ लोग सोचते हैं कि यह उचित है, कुछ लोग नहीं सोचते हैं, और मैं जल्द ही इस पर निर्णय लूंगा।' ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन के लोगों को 'बहुत कुछ सहना पड़ा है।'अमेरिकी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई जब मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि ट्रंप प्रशासन ने लगभग 2,40,000 यूक्रेन के लोगों की सुरक्षा रद्द करने की योजना बनाई है।

-मीडिया रिपोर्ट में 2,40,000 लोगों की सुरक्षा रद्द करने की योजना का दावा

रूसी हमले के बाद अमेरिका आ गए थे -ये लोग फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद अमेरिका आ गए थे। अगर यूक्रेनी लोगों की सुरक्षा रद्द की जाती है तो यह कदम उन व्यक्तियों को निर्वासित करने के लिए आधार तैयार करेगा। हालांकि व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस रिपोर्ट को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि कोई फैसला नहीं लिया गया है।

बाइडेन प्रशासन ने घोषणा की थी कि वह यूक्रेन के लोगों को यूनाइटिंग फॉर यूक्रेन के माध्यम से देश में प्रवेश की अनुमति देगा। प्रवासियों को दो साल के लिए देश में पैरोल पर रहने की अनुमति दी जाएगी। बशर्ते वे अमेरिका स्थित प्रायोजक को सुरक्षित करने में सक्षम हों।

बाइडेन प्रसाशन की तरफ से अपने कार्यकाल के आखिरी महीने में यह ऐलान भी किया गया कि वह यूक्रेनवासियों के लिए अस्थायी संरक्षित स्थिति (टीपीएस) को अक्टूबर 2026 तक बढ़ा रहा है। ट्रंप प्रशासन ने इसी तरह के अन्य प्रोग्राम को भी निशाना बनाया है जो हैती, क्यूबा, निकारागुआ और वेनेजुएला के नागरिकों को देश में प्रवेश की अनुमति देते हैं।

जदावा नवरी में होमलैंड सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने अमेरिका में रहने वाले लगभग 6,00,000 वेनेजुएलावासियों की अस्थायी संरक्षित स्थिति को निलंबित कर दिया था, और उसके बाद लगभग 5,20,000 हैतीवासियों के लिए भी इसी प्रकार का कदम उठाया गया।

राहुल ने गुजरात में पार्टी नेताओं के साथ की बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को गुजरात के अहमदाबाद में पार्टी के प्रदेश, जिला तथा ब्लॉक स्तर के नेताओं के साथ बैठक कर जमीनी स्तर पर पार्टी की स्थिति का जायजा लिया।

श्री गांधी के साथ इस बैठक में संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, कांग्रेस के गुजरात के प्रभारी महासचिव मुकुल वासनिक, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल, विधानसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमित चवदा आदि व कांग्रेस नेता मौजूद रहे। कांग्रेस नेता के गुजरात के कार्यक्रम में आज सबसे पहले कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति के नेताओं के साथ राजीव गांधी भवन में मुलाकात के बाद जिला कांग्रेस अध्यक्षों से मुलाकात की। उसके बाद उन्होंने ब्लॉक लेवल के नेताओं के साथ भी बैठक की।

कांग्रेस महासचिव का ऐलान

वक्फ विधेयक का पुरजोर विरोध करेंगे, गठबंधन के घटक दलों को साथ लेंगे

नयी दिल्ली, देशबन्धु। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत से कुछ दिनों पहले शुक्रवार को कहा कि यदि सरकार वक्फ संशोधन विधेयक लाती है तो उनकी पार्टी सभी लोकतांत्रिक माध्यमों का इस्तेमाल करते हुए इसका पुरजोर विरोध करेगी क्योंकि संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में ''बुलडोजर चलाया गया और तानाशाही हुई।''

उन्होंने मीडिया के साथ बातचीत में यह भी कहा कि कांग्रेस वक्फ विधेयक को लेकर 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों को इस मुद्दे पर एकजुट करने के लिए उनके साथ व्यापक विचार-विमर्श करेगी तथा आने वाले दिनों में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे विपक्षी दलों के नेताओं से खुद बात करेंगे।

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण आगामी 10 मार्च से चार अप्रैल तक प्रस्तावित है। माना जा रहा है कि सरकार इस दौरान वक्फ संशोधन विधेयक पेश कर सकती है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले दिनों संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) द्वारा प्रस्तावित 14 संशोधनों को अपनी मंजूरी दी थी। राज्यसभा सदस्य रमेश ने वक्फ संशोधन विधेयक से जुड़े सवाल पर कहा, ''हम यह मानकर चल रहे हैं कि अगले दो तीन हफ्तों में वक्फ संशोधन विधेयक पेश होगा। हम इसका पुरजोर विरोध करेंगे।''

दो दिन का समय देकर सदस्यों को 600 पन्नों की रिपोर्ट पकड़ा दी गई। विपक्ष के सांसदों के सुझावों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया।''

मोदी सिर्फ तारीफ सुनना चाहते हैं 'टैरिफ' की चिंता नहीं : रमेश

ट्रंप की घोषणा के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस नेता रमेश ने दावा किया, ''हमारे प्रधानमंत्री सिर्फ तारीफ सुनना चाहते हैं, टैरिफ की उनको कोई चिंता नहीं है...हमारे नागरिकों को अमेरिका से अपमाजनजनक तरीके से भेजा गया। इस पर प्रधानमंत्री बिल्कुल चुप रहे। प्रधानमंत्री सिर्फ चापलूसी कर रहे हैं। उन्हें सीधा बोलना चाहिए, छोटे छोटे देश बोल रहे हैं।'' उन्होंने कटाक्ष करते हुए सवाल किया, ''ट्रंप भारत जैसे देश को धमकी दे रहे हैं, प्रधानमंत्री 56 इंच का सीना क्यों नहीं दिखा रहे हैं? रमेश ने कहा, ''इंदिरा गांधी जी (पूर्व प्रधानमंत्री) ने उस समय के अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को क्या कहा था? याद करिये! चार नवंबर, 1971 को जब निक्सन और हेनरी किसिंजर (निक्सन के समय अमेरिका के विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार) ने भारत को बदनाम करने का प्रयास किया तो इंदिरा जी खड़ीं होकर बोलीं कि भारतीय हित में मुझे जो कुछ करना है, वो करूंगी। लेकिन आज हमारे प्रधानमंत्री तो नमस्ते ट्रंप और गले लगाने में लगे हुए हैं।''

अब पाइये चश्मे से छुटकारा
मात्र कुछ सेकेण्ड्स में
Teneo- 2 तकनीक से इलाज
TRANS EPI सबसे आधुनिक और सुरक्षित
JAN JYOTI SUPER SPECIALITY EYE HOSPITAL

आज ही विजिट करें
9165108121
janjyotieyehospital.com
1051, Gol Bazar, Near Keshwarwani College, Wright Town, Jabalpur

Excellence in Education, Excellence in Life
A.P.N. C.B.S.E.
SENIOR SECONDARY SCHOOL
(C.B.S.E. Affiliated Reg. No. 1031302)
ADMISSION OPEN FOR SESSION 2025-26
Class Nursery to XII Science I Commerce I Humanities
Special Discount in Admission fee & School fee for the State and National Players for all the Games
राष्ट्र स्तरीय एवं प्रदेश स्तरीय सभी खेलों के खिलाड़ियों के लिये
प्रवेश शुल्क एवं मासिक शुल्क में विशेष छूट
Ph.: 0761-2676360, 8349593500, 9826587200

स्वास्थ्य

कैनेडियन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित हुआ शोध

हफ्ते में कुछ तेज कदम बचा सकते हैं जान

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। सुबह की सैर सेहत के लिए सौ फायदों का सबब होती है, ऐसा ज्ञानी ध्यानी और बड़े बुजुर्ग कहते आए हैं। बदलते दौर में जहां पॉल्यूशन की मार है, नाइट शिफ्ट की टेंशन है और सुबह की दौड़-भाग है, तो भला टहलने का समय कैसे निकालें? एक रिसर्च ने इसका भी हल काफी हद तक निकाल दिया है। ये रिपोर्ट कहती है कि कुछ हलके-फुल्के शारीरिक श्रम से बात बन सकती है।

शोध कैनेडियन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित हुआ है। इस हालिया अध्ययन में पाया गया कि व्यायाम करने से डायबिटीज, हृदय रोग, गठिया, श्वसन रोग, अवसाद और कुछ प्रकार के कैंसर सहित 30 से अधिक पुरानी बीमारियों का रिस्क कम हो सकता है। इसके लिए आपको एचआईआईटी (छोटे-छोटे तीव्र अंतरालों के साथ व्यायाम करने का तरीका) वर्कआउट की भी जरूरत नहीं। बस मॉडरेट स्तर के श्रम से बात बन सकती है। ये बागवानी, योग या फिर तीव्र गति से चलने वाली गतिविधियां हो सकती हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि प्रति सप्ताह केवल 150 मिनट की मध्यम शारीरिक गतिविधि से बिना किसी शारीरिक गतिविधि की तुलना में सभी कारणों से होने वाली मृत्यु का जोखिम 31 फीसदी कम हो सकता है।

मौत की संभावना 31 फीसदी तक होती है कम

तेज का मतलब 2.5 मील प्रति घंटे चलना- मॉडरेट शारीरिक गतिविधि के कुछ उदाहरणों में बागवानी, बॉलरूम डांसिंग, योग, लॉन की घास काटना, वाटर एरोबिक्स और तेज चलना शामिल हैं - 'तेज' का मतलब है कम से कम 2.5 मील प्रति घंटे चलना। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने 2022 में एक शोध किया, जिसमें 30 साल में 100,000 से अधिक प्रतिभागियों का विश्लेषण किया।

इसमें पाया गया कि जो व्यक्ति प्रति सप्ताह मॉडरेट शारीरिक गतिविधि में करीब 150-300 मिनट देते हैं, उनमें सभी कारणों से मृत्यु दर का 20-21 फीसदी कम रिस्क होता है। हालांकि चिकित्सकों की ये भी सलाह है कि 150 मिनट को एक दिन में ही नहीं पूरा करना चाहिए। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि एक दिन में सेहत के नाम किए गए 30 मिनट भी अच्छे हैं। अगर हेल्थ की फिक्र करने वालों की जमात में नए-नए शामिल हुए हैं, तो शुरुआत 10-10 मिनट की सैर से कर सकते हैं।

अभिमत

ओडिशा में देसी बीज सुरक्षा मंच की पहल ने किसानों को जैविक खेती की ओर मोड़ा है। उन्हें जैव खाद व जैव कीटनाशक बनाने का प्रशिक्षण दिया है। देसी बीज बैंक बनाए हैं, जिससे देसी बीजों की सुरक्षा के साथ-साथ उनका संवर्धन भी हो रहा है। इससे मिट्टी-पानी का संरक्षण भी हो रहा है और खेती में लागत खर्च कम हो रहा है। और लोगों को जैविक उत्पाद व जैविक भोजन उपलब्ध हो रहा है। किसान आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं। इसके अलावा, जैविक खेती का विस्तार किचन गार्डन (सब्जी बाड़ी) तक हुआ है। स्कूली बच्चों को जोड़ा गया है जो महत्वपूर्ण है।

आत्मनिर्भर खेती की पहल

नवाचार

■ बाबा मायाराम

अब रासायनिक खेती के दुष्परिणाम सामने आ गए हैं। देश के किसान भी अब इसे बखूबी समझ गए हैं। इसी के मद्देनजर ओडिशा में देशी बीज सुरक्षा मंच काफी सक्रिय है। हर साल देसी बीज मेला भी आयोजित किया जाता है। उनकी इस पहल से कई किसान जुड़ रहे हैं। मैं कई बार ओडिशा गया हूं और इस मंच के सक्रिय कार्यकर्ताओं से मिला हूं। आज इस कॉलम में जैविक खेती की अनूठी पहल पर चर्चा करना उचित होगा, जिससे इस पहल को समग्रता से समझा जा सके।

यह बदलाव की कहानी है पिछली कुछ सालों से चल रही है। देसी बीज सुरक्षा मंच के संयोजक सरोज भाई व कार्यकर्ता दशरथी बेहरा ने बताया कि वर्ष 2013 में इस मंच की स्थापना हुई। हालांकि अनौपचारिक रूप से इसकी प्रक्रिया पहले शुरू हो गई थी। इस काम को आगे बढ़ाने में प्रगतिशील किसान, गैर सरकारी संगठन ने योगदान दिया है।

मंच के संयोजक सरोज भाई ने बताया कि मंच का उद्देश्य देसी बीजों की सुरक्षा और संवर्धन करना है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना, बाजार पर निर्भरता को कम करना और समाज व किसान को आत्मनिर्भर बनाना है। भोजन में पोषणयुक्त खाद्य शामिल करना है। ऋणमुक्त किसान और जहरमुक्त अनाज करना है, जिससे समाज स्वस्थ बने और किसानी बची रहे।

यह बदलाव की कहानी है पिछली कुछ सालों से चल रही है। देसी बीज सुरक्षा मंच के संयोजक सरोज भाई व कार्यकर्ता दशरथी बेहरा ने बताया कि वर्ष 2013 में इस मंच की स्थापना हुई। हालांकि अनौपचारिक रूप से इसकी प्रक्रिया पहले शुरू हो गई थी। इस काम को आगे बढ़ाने में प्रगतिशील किसान, गैर सरकारी संगठन ने योगदान दिया है।

जब मैं पिछले साल ओडिशा के बरगढ़ शहर गया तो मंच के कार्यकर्ता दशहरी बेहरा से लंबी बातचीत हुई थी। उन्होंने मुझे बीज बैंक दिखाया था, और खेती से जुड़ा साहित्य व पोस्टर प्रदर्शनी दिखाई थी। उन्होंने बताया कि मंच के प्रयासों से पौष्टिक अनाजों की खेती की ओर भी किसानों का ध्यान गया है और वे इनकी खेती कर रहे हैं।

कुछ साल पहले मुझे दशहरी बेहरा के साथ रायगड़ा जिले का दौरा करने का मौका मिला था, वहां हमने मिश्रित खेती करने वाले कई किसानों से बातचीत की थी। पौष्टिक अनाजों की खेती करने वाले आदिवासियों के खेत देखे थे। मंच अपने वार्षिक कार्यक्रमों में किसानों को जोड़ने के लिए प्रयासरत है।

देसी बीज सुरक्षा मंच ने प्राकृतिक जैविक खेती को बढ़ावा दिया है। इसके तहत किसानों को केंचुआ खाद, हांडी खाद और जैव कीटनाशकों को तैयार करने का प्रशिक्षण दिया है। इससे खेती में लागत खर्च कम हुआ है, मिट्टी में सुधार हुआ है, और उत्पादन बढ़ा है। इस काम को आगे बढ़ाने के लिए इलाके में प्रशिक्षणकर्ता तैयार किए हैं, जो किसानों को जैविक खाद व जैव कीटनाशक तैयार करने के लिए प्रशिक्षण देते हैं।

इसके अलावा, समुदाय आधारित 20 बीज बैंक बनाए गए हैं। इनमें 1300 धान की देसी किस्में, 90 सब्जी के देसी बीज, 10 दलहन के बीज शामिल हैं। इसके साथ ही 10 स्कूलों में किचन गार्डन का काम किया जा रहा है। इसे स्कूली पाठ्यक्रम से भी जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस मंच से गैर सरकारी संस्थाएं, जैविक खेती करने वाले किसान और जागरूक नागरिक जुड़े हैं। यहां के मीडिया ने भी इस खेती के प्रचार-प्रसार में मदद दी है।

जैविक खेती के किसान सुदाम साहू बताते हैं कि वे बहुत कम उम्र से खेती करने लगे थे। जब वे 7 वीं कक्षा में पढ़ते थे, तब से उनके मां-बाप के साथ खेती सीख रहे थे। पर रासायनिक खेती में उनका मन नहीं लगता था। उसमें नुकसान भी हो रहा था तब देसी बीज सुरक्षा मंच से संपर्क हुआ। और इसके बाद उन्होंने वर्धा (महाराष्ट्र में गांधी जी की कर्मस्थली) में हांडी जैव खाद बनाने का प्रशिक्षण लिया। गाय का ताजा गोबर, महुआ फूल, गुड़ आदि को मिलाकर इसे तैयार किया जाता है।

इसी प्रकार, जैव कीटनाशक बनाने की विधियां सीखी। हालांकि वे कहते हैं कि देसी बीजों की फसलों में ज्यादा कीट नहीं लगते। उनमें मौसम बदलाव के दौर में भी अच्छा उत्पादन देने की क्षमता होती है।

उन्होंने गांव में देसी बीज बैंक भी बनाया है, जिसमें देसी धान की 1000 किस्में संग्रहित हैं। वे उनकी फसल को जैविक बाजार में बेचते हैं। बरगढ़ में जैविक बाजार भी शुरू हुआ है, जो सप्ताह में दो दिन लगता है। इसके अलावा, उनके घर खेत से लोग उनसे धान बीज खरीद लेते हैं। बीज के लिए बाहर से भी मांग होती है। उनके पास काले चावल की 14 किस्में हैं और लाल चावल की 60 किस्में हैं। कुछ नकदी के लिए चावल बनाकर बेचते हैं।

घिंडौलमाल गांव के ब्रम्हा बताते हैं कि वे खेत में देसी धान लगाते हैं जिनमें जगन्नाथ भोग, रागिनी सुपर धान किस्में शामिल हैं। जैव कीटनाशक खुद बनाते हैं। ब्रम्हास्त्र, बज्रास्त्र, जीवामृत, घना जीवामृत। खेतों में कीट लगने पर इनका छिड़काव करते हैं। उन्होंने सब्जियों की खेती भी की है। टमाटर, बैंगन, सहजन, पपीता, नींबू लगाया है। जिससे ताजी हरी सब्जियां मिले व पोषणयुक्त भोजन मिले।

सुंदरगढ़ जिले के धरवाडीह के सूरतराम बताते हैं कि वर्ष 2012 से जैविक खेती कर रहे हैं। उनका 5 एकड़ खेत है। जिसमें वे अलग-अलग फसलें लगाते हैं। जमीन के एक टुकड़े में उन्होंने 70 देसी धान की किस्में लगाई हैं। इसमें से कुछ कुसुमकली, रागिनी सुपर और सोनाकाठी का चावल बेचते हैं। इन किस्मों की बाजार में मांग है।

वे खेत की जमीन को उपजाऊ बनाने के लिए धनधा (हरी खाद) उगाते हैं। और थोड़ा बड़ा होने पर उसे खेत की मिट्टी में मिला देते हैं, जिससे वह जैव खाद में तब्दील हो जाती है। और जमीन उर्वर बनती है।

उन्होंने बताया कि 1 एकड़ धान की खेती में लगभग 9 हजार का लागत खर्च आता है। और 11-12 चिंटल धान उत्पादन होता है। कुसुमकली धान की किस्म में उत्पादन ज्यादा होता है, जो 14-15 क्विंटल तक पहुंच जाता है। उनके उत्पाद की साख बन गई है, उनका जैविक चावल घर से ही बिक जाता है। अब धीरे-धीरे जैविक खेती का चलन बढ़ रहा है।

इसके साथ ही हमें किसानों को इस दिशा में भी प्रोत्साहित करना चाहिए कि खेती की ऐसी तकनीक अपनाई जाए जिससे बाहरी निर्भरता कम से कम हो और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग पर अधिक जोर दिया जाए। सूखे व प्रतिकूल मौसम में परंपरागत बीजों में सूखे व प्रतिकूल मौसम सहने की क्षमता होती है। किसानों ने सैकड़ों पीढ़ियों से तरह-तरह के गुणधर्म वाले देसी बीज तैयार किए हैं। यह हमारी विरासत है। देसी बीजों की जैविक खेती ही इसका अच्छा उदाहरण है।

कुल मिलाकर, ओडिशा में देसी बीज सुरक्षा मंच की पहल ने किसानों को जैविक खेती की ओर मोड़ा है। उन्हें जैव खाद व जैव कीटनाशक बनाने का प्रशिक्षण दिया है। देसी बीज बैंक बनाए हैं, जिससे देसी बीजों की सुरक्षा के साथ-साथ उनका संवर्धन भी हो रहा है। इससे मिट्टी-पानी का संरक्षण भी हो रहा है और खेती में लागत खर्च कम हो रहा है। और लोगों को जैविक उत्पाद व जैविक भोजन उपलब्ध हो रहा है। किसान आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं।

इसके अलावा, जैविक खेती का विस्तार किचन गार्डन (सब्जी बाड़ी) तक हुआ है। स्कूली बच्चों को जोड़ा गया है जो महत्वपूर्ण है। पर्यावरण शिक्षा की तरह कृषि शिक्षा भी बच्चों को दी जानी चाहिए, जिससे वे हमारी खेती को, पर्यावरण को, शरीर की बुनियादी जरूरत संतुलित भोजन को समझ सकें।

इस काम में कुछ चुनौतियां भी सामने आई हैं, जैसे जैविक उत्पादों का उचित दाम नहीं मिल पा रहा है। जिस दाम पर रासायनिक कृषि उत्पाद बिकते हैं, उसी दाम पर जैविक कृषि उत्पाद बिकते हैं। इस दिशा में नीतिगत बदलाव होने से किसान इससे लाभांवित होंगे।

बीता सप्ताह

1 मार्च

- उत्तराखंड के याणा में ग्लेशियर टूटने 57 मजदूर दबे। 4 मजदूरों की मौत हो गई।
- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि संभल में जामा मस्जिद की नहीं होगी रंगाई-पोताई। केवल सफाई होगी।
- प्रधानमंत्री मोदी और यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्मुला वान डेमेट के बीच आइमेक को आगे ले जाने का करार किया गया।
- पाकिस्तान में अखोटा खड़क इलाके में नमाज के दौरान ब्लास्ट होने से 5 की मौत हो गई।

2 मार्च

- दिल्ली सरकार ने 15 साल पुराने वाहन को पेट्रोल-डीजल नहीं देने का फैसला लिया।
- रायपुर संभाग आयुक्त महादेव कावरे को कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया।
- छत्तीसगढ़ के सुकमा में जवानों व नक्सलियों के बीच हुए मुठभेड़ में एक महिला सहित दो नक्सती मारे गए।
- बांग्लादेश की राजधानी ढाका सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शीर्ष स्थान पर।

3 मार्च

- छत्तीसगढ़ सरकार ने विदेशी मदिरा दुकानों में अतिरिक्त आबकारी शुल्क समाप्त किया।
- निजी अमेरिकी कंपनी का अंतरिक्ष यान फायरफ्लाई एयरोस्पेस का ब्लू छोस्ट चंद्र लैंडर सफलता पूर्वक चंद्रमा के मेरे क्रिसिमय क्षेत्र में उतर गया।
- इजरायल ने स्वीकारा रमजान युद्धविराम प्रस्ताव।
- जापान में 80 फीसदी से अधिक लोगों ने मृत्युदंड का किया समर्थन।

4 मार्च

- छत्तीसगढ़ सरकार के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने अपने दूसरे कार्यकाल का 2025-26 का बजट प्रस्तुत किया।
- छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कहा कि निजी स्कूल अपने हिसाब से लेंगे 5वीं और 8वीं बोर्ड की परीक्षा।
- लॉरियस वर्ल्ड कम बैंक ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामित हुए भारतीय विकेट कीपर एवं बल्लेबाज ऋषभ पंत।
- चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए विराट कोहली को मिला फील्डर ऑफ द मैच मेडल।

5 मार्च

- छग के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को रायपुर सीबीआई की विशेष कोर्ट ने सेक्स सीडी मामले में सभी धाराओं को हटाया और बरी किया।
- दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी के सेमी फाइनल में आस्ट्रेलिया को हराकर भारत फाइनल में पहुंचा।
- डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को दी जाने वाली सभी सहायता पर रोक लगाई।
- फिलीपींस में वायुसेना का लड़ाकू विमान एफ-ए-50 लापता हो गया।

6 मार्च

- युगल शासक औरंगजेब की तारीफ करने वाले सपा विधायक अबू आजमी को महाराष्ट्र विस से निलंबित कर दिया।
- मायावती ने अपने भाई आनंद कुमार को भी राष्ट्रीय संयोजक पद से हटा दिया। इसके पहले उन्होंने भतीजे आकाश को हटा दिया था।
- मणिपुर में 5.7 तीव्रता की भूकंप के झटके महसूस किये गए।
- आस्ट्रेलिया के क्रिकेटर स्टीव स्मिथ ने चैंपियंस ट्राफी में हार के बाद वनडे क्रिकेट से सन्यास ले लिया।

7 मार्च

- रूस ने अमेरिका में अलेक्जेंडर डार्चीव को राजदूत बनाया।
- डोनाल्ड ट्रंप ने हयास को चेतावनी दी कि सभी बंधको और शव को रिहा करे वर्ना अंजाम भुगतना होगा।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आज

क्या शहरी बस्तियों तक पहुंच पाएगा महिला सशक्तिकरण

■ राजु कुमार

साल 2025 का 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस तेजी से कार्रवाई करें' की थीम के साथ हमें याद दिलाता है कि महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। शहरी बस्तियों में रहने वाली महिलाएं अपने अधिकारों, सुरक्षा और सपनों के लिए संघर्षरत हैं, लेकिन वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिति और समाज एवं परिवार की बेरुखी उनके जीवन को ज्यादा कठिन बना देती है। बड़े महानगरों सहित मेट्रो सिटी के रूप में विस्तार पा चुकी शहरी बस्तियों में रहने वाली महिलाओं की जिंदगी की सच्चाई को अगर करीब से देखा जाए, तो यह साफ हो जाता है कि उनकी समस्याएं केवल गरीबी और संसाधनों की कमी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह असमानता, भेदभाव, पलायन और सामाजिक एवं राजनीतिक उपेक्षा की गहरी जड़ों से भी जुड़ी हुई हैं। ऐसी स्थिति में, साल 2025 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 'तेजी से कार्रवाई करें' की थीम के साथ हमें याद दिलाता है कि महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है।

इन तमाम मुश्किलों के बावजूद, इन बस्तियों की महिलाएं हार नहीं मानतीं। वे अपने अधिकारों के लिए लड़ रही हैं, सामूहिक रूप से आवाज उठा रही हैं और बदलाव की उम्मीद को जिंदा रख रही हैं। महिला दिवस सिर्फ एक दिन के लिए महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि यह दिन उन अनगिनत महिलाओं की आवाज उठाने का अवसर होना चाहिए जो हर दिन संघर्ष कर रही हैं।

शहरी बस्तियों की अधिकांश आबादी ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन करके आती है। छोटे शहरों एवं राज्यों की राजधानियों की कमोबेश यही स्थिति है। महानगरों में पलायन गांवों के साथ-साथ छोटे शहरों से भी होता है। पिछले कुछ दशकों में ग्रामीण एवं छोटे शहरों में रोजगार के अभाव ने पलायन को तेज किया है। गांवों में आज भी छुआछूत है, जिसकी वजह से दलित समुदाय पलायन कर शहरी बस्तियों में आ रहा है। इसलिए बस्तियों की कुल आबादी में एक बड़ा हिस्सा दलित एवं आदिवासी समुदायों का होता है। कुछ परिवार अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए शहरों का रुख करते हैं। यह सिलसिला दशकों से चल रहा है, जिसकी वजह से शहरी बस्तियों में रहने वाले परिवार पीढ़ी दर पीढ़ी के साथ-साथ हाल के वर्षों में आए परिवार भी हैं। इन बस्तियों में रह रहे बहुत कम परिवार हैं, जो अपनी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को बेहतर कर कॉलोनियों की तरफ चले गए। अधिकांश परिवार इन्हीं बस्तियों में स्थायी रूप से रहने लगे हैं। इन बस्तियों में पानी की किल्लत, शौचालयों की कमी, सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों का अभाव, स्वास्थ्य एवं शिक्षा का अभाव जैसे कई गंभीर मुद्दे हैं। महिलाएं इन समस्याओं से सबसे ज्यादा जूझ रही हैं। इनकी वजह से उनके जीवन पर नकारात्मक असर पड़ता है।

शहरी बस्तियों में हाल ही में पलायन करके आए परिवारों और वर्षों से रहने वाले परिवारों के बीच भी अक्सर सामाजिक और सांस्कृतिक संघर्ष देखने को मिलता है। विभिन्न राज्यों और भाषाई पृष्ठभूमियों से आने वाले परिवारों के बीच संसाधनों को लेकर टकराव, परंपराओं और जीवनशैली में मतभेद की वजह से अक्सर असहमति और तनाव उत्पन्न होते हैं। इस संघर्ष का सबसे अधिक बोझ महिलाओं को उठाना पड़ता है, क्योंकि उन्हें ही पारिवारिक समायोजन और सामाजिक मेलजोल को बनाए रखने की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। कई बार नई बस्तियों में हाल ही में आई महिलाएं स्थानीय भाषा न जानने के कारण सरकारी योजनाओं और समुदाय आधारित सहायता समूहों तक नहीं पहुंच पातीं, जिससे वे और भी ज्यादा हाशिए पर चली जाती हैं।

आर्थिक संकटों से जूझ रहे इन परिवारों की महिलाएं घरेलू कामगार, सफाई कर्मचारी, छोटे-मोटे कारीगर या असंगठित क्षेत्र की मजदूर होती हैं, जो घर एवं बाहर दोनों ही जगहों पर समस्याओं से जूझ रही हैं। कई महिलाएं घर से दूर काम करने जाती हैं, लेकिन उनके लिए सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा एक बड़ी चिंता का विषय बनी रहती है। कार्यस्थल पर महिलाओं को अक्सर असभ्य व्यवहार का सामना करना पड़ता है। रात के समय इन बस्तियों की गलियां अंधेरे में डूबी रहती हैं, जिससे महिलाओं के लिए घर लौटना खतरे से खाली नहीं होता। शहरी विस्थापन के कारण शहर से दूर फेंक दिए जाने के कारण यह संकट और गहरा हो जाता है। महिलाओं के लिए सरकारी एवं गैर सरकारी स्तर पर रोजगार से जुड़े कई प्रशिक्षण दिए जाते हैं, लेकिन उसका कोई फायदा उन्हें नहीं मिल पाता। एक तो बस्ती में स्वरोजगार के अवसर सीमित हैं, दूसरी बात यह कि वे कहीं अन्य जगह जाकर स्वरोजगार कर पाने में असमर्थ होती हैं।

बस्ती की ज्यादातर महिलाएं अक्सर अपने स्वास्थ्य और पोषण की अनदेखी कर देती हैं। अधिकांश बस्तियों में सुबह चार बजे उठकर पानी भरने के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना महिलाओं की दिनचर्या का हिस्सा है। उनके पास इतना समय ही नहीं बचता कि वे अपने लिए कुछ सोच सकें। बस्ती में स्वास्थ्य सुविधाएं सीमित हैं, और जब कभी वे बीमार पड़ती हैं, तो सरकारी अस्पतालों की भीड़ और लापरवाही उनके लिए एक नई समस्या बन जाती है। शहरी बस्तियों में महिलाओं के लिए शिक्षा भी एक बड़ी चुनौती है। कई लड़कियां किशोरावस्था में ही स्कूल छोड़ देती हैं क्योंकि उनके घरवालों को लगता है कि पढ़ाई की बजाय घर का काम करना और छोटे भाई-बहनों की देखभाल करना ज्यादा जरूरी है। इसके साथ ही बालिकाओं की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई बालिकाएं घर की आर्थिक स्थिति को देखते हुए कम उम्र से ही मां के साथ काम पर जाने लगती हैं।

इसके अलावा, घरेलू हिंसा इन बस्तियों की महिलाओं के लिए एक और गंभीर समस्या है। पुलिस में शिकायत दर्ज कराना आसान नहीं होता और अगर कोई महिला हिम्मत करके शिकायत कर भी देती है, तो समाज और परिवार का दबाव उसे वापस उसी प्रताड़ना भरी जिंदगी में धकेल देता है। कई महिलाओं को यह भी नहीं पता होता कि उनके लिए कानूनी मदद और सहायता समूह उपलब्ध हैं। इन बस्तियों के पुरुषों में शराब एवं जुए की लत एक आम समस्या है, जिसकी वजह से महिलाओं को घर चलाने के लिए कमाना भी पड़ता है, घर का काम भी करना पड़ता है और पति की प्रताड़ना भी झेलनी पड़ती है।

सुरक्षित सामुदायिक शौचालयों की कमी भी महिलाओं की समस्याओं को बढ़ा देती है। कॉलोनी की कई महिलाओं को खुले में शौच जाने को मजबूर होना पड़ता है, जिससे वे कई बार यौन हिंसा की शिकार भी हो जाती हैं। कई बार शौचालयों की दूरी इतनी होती है कि महिलाएं रातभर खुद को रोकने की कोशिश करती हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है।

इन तमाम मुश्किलों के बावजूद, इन बस्तियों की महिलाएं हार नहीं मानतीं। वे अपने अधिकारों के लिए लड़ रही हैं, सामूहिक रूप से आवाज उठा रही हैं और बदलाव की उम्मीद को जिंदा रख रही हैं। महिला दिवस सिर्फ एक दिन के लिए महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि यह दिन उन अनगिनत महिलाओं की आवाज उठाने का अवसर होना चाहिए जो हर दिन संघर्ष कर रही हैं। 2025 की थीम हमें यह याद दिलाती है कि अब समय तेजी से कदम उठाने का है, ताकि प्रत्येक महिला को वह अधिकार, सुरक्षा और अवसर मिल सके, जिसकी वह हकदार है।

बुच के जाते ही सेबी में सफाई अभियान शुरू हो

तीन वर्ष के कार्यकाल की समाप्ति के बाद माधबी पुरी बुच को सेबी से बाहर निकलने की अनुमति दी गयी है। यह स्वागत योग्य निर्णय है। तीन साल पूर्ण होने के बाद कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है और ऐसा अक्सर हुआ है लेकिन बुच के मामले में समस्याओं के पिटारे पर ढक्कन लगाने का यह एक शालीन तरीका था। यह अलग बात है कि बुच की विदाई का मामला शेयर लिस्टिंग में कथित निष्क्रियता तथा मिलीभगत के एक और विवाद में उलझा हुआ था जो उनके कार्यभार संभालने से पहले का था। उस विवाद से विचलित हुए बिना यह कहा जा सकता है कि भारत की प्रतिभूति बाजार पर निगरानी रखने वाली संस्था की पहली महिला प्रमुख विवाद के बादलों में घिरे होने के साथ सेवानिवृत्त हो रही हैं, जिन्होंने सेबी के भीतर से आलोचना को आमंत्रित किया और जिनके नेतृत्व वाली संस्था की विश्वसनीयता एवं प्रतिष्ठा के बारे में बहुत सारे सवाल छोड़ गईं। सेबी तभी काम कर सकता है जब उसे स्वतंत्रता और ईमानदारी के साथ काम करने दिया जाए। इस भरोसे के बिना भारत के प्रतिभूति बाजारों के गर्म और अक्सर अस्थिर स्थान को नियंत्रित करने के इसके प्रयासों में दृढ़ विश्वास नहीं हो सकता। इस भरोसे का यह नुकसान इस कार्यकाल की सबसे बड़ी छाप बना रहेगा।

जगदीश रत्तनानी

इस जटिल मामले में कुछ मुद्दे सामने नहीं आते हैं। पहला यह है कि तकनीकी अनुपालन का निम्न मार्ग सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी के उच्च मार्ग से बहुत अलग है। भले ही बुच के मामले में बचाव को वैध माना जाए लेकिन बुच-अदानी के उलझाव को भूलकर उनका बचाव सबसे अच्छा यह रहा है कि तकनीकी अनुपालन कैसे हासिल किया गया।

जब पहली बार हिंडनबर्ग के आरोपों का झटका सेबी और बुच को लगा तो इस तूफान में फंसी माधबी और उनके पति धवल बुच ने अपनी शैक्षणिक योग्यता दिखाकर औपचारिक स्पष्टीकरण जारी किया था। इसमें बताया गया था कि माधबी आईआईएम अहमदाबाद की पूर्व छात्रा हैं जबकि धवल आईआईटी दिल्ली से स्नातक हैं। जिन आरोपों के बारे में उक्त स्पष्टीकरण जारी किया गया, उन आरोपों के संदर्भ में बुच दम्पति की पढ़ाई-लिखाई को जनता कितना प्रतिष्ठापूर्ण मानती है, यह एक महत्वपूर्ण बात है। हालांकि इसे देखने के कई तरीके हैं। स्पष्ट रूप से हाईलाइट की गई डिग्री जनता से यह पूछने के लिए है कि बताइये कि हमारे जैसे उच्च विद्या विभूषित व्यक्ति को देखने के बाद आपको क्योंकर लगता है कि हमने कुछ गलत किया है? क्या आप जानते हैं कि हम किस वर्ग से आते हैं?... वगैरह।

भारत में कई किस्से-कहानियों व्हाट्सएप के जरिए बेचा जाता है।

हाल के वर्षों में इस बात का बाजार किया गया है कि हमारी अर्थव्यवस्था इस समय राजनीतिक व्यवस्था के शीर्ष पर निर्मित कई रंगों, स्वादों और संस्करणों के लिए गर्जना कर रही है, और कुछ कृपापात्र हैं जो एक जैसे सामानों का व्यापार करते हैं। इनमें से कोई भी बुच के बारे में निर्णय पारित करने के लिए नहीं है लेकिन यह एक अंतर्निहित विश्वास प्रतीत होता है कि जो जनता को आकर्षक रैपर में लपेटी हुई वस्तु खरीदने के लिए प्रेरित करने और यहां तक कि जश्न मनाने के लिए भी है।

इस जटिल मामले में कुछ मुद्दे सामने नहीं आते हैं। पहला यह है कि तकनीकी अनुपालन का निम्न मार्ग सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी के उच्च मार्ग से बहुत अलग है। भले ही बुच के मामले में बचाव को वैध माना जाए लेकिन बुच-अदानी के उलझाव को भूलकर उनका बचाव सबसे अच्छा यह रहा है कि तकनीकी अनुपालन कैसे हासिल किया गया और उपयुक्त बक्से को कैसे टिक किया गया। सच्चाई जानने के लिए नए सिरे से जांच की आवश्यकता है जैसे कि आईसीआईसीआई बैंक में बुच की पूर्व सहयोगी चंदा कोचर के मामले में वास्तव में जरूरी थी। चंदा कोचर को पहले कथित अनुपालन के आधार पर क्लीन चिट दी गई थी और फिर भारत के उस समय के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक में गड़बड़ी का खुलासा न्यायमूर्ति बीएन श्रीकृष्ण ने किया था जिसके बाद कोचर को बर्खास्त कर दिया गया था। बुच के मामले में इसी तरह की जांच के बिना, कैसे और क्यों रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट फंड को सेबी द्वारा आक्रामक रूप से बढ़ावा दिया गया, कैसे बुच के पति के नियोक्ता ब्लैकस्टोन ने इनसे लाभ कमाया और क्यों सेबी ने अदानी समूह की जांच नहीं की? यह सब अनुपालन की रिपोर्टों में दबकर रह जाएगा। इसका मतलब यह नहीं है कि बुच द्वारा प्रवर्तित आरईआईटी के माध्यम से आवास बाजारों के वित्तीयकरण की वांछनीयता और समझदारी पर अन्य प्रश्न पूछे जाएं तथा यह भी कि वे संपत्ति बाजार और आम नागरिकों को कैसे प्रभावित करते हैं। सरकार को उम्मीद हो सकती है कि बुच की सेवानिवृत्ति से ये सारे मामले शांत हो जाएंगे लेकिन इस मामले में किसी न किसी दिन पूरी जांच की आवश्यकता होगी।

दूसरा यह तर्क है कि निजी क्षेत्र के खिलाड़ी जिन्होंने उच्च वेतन, कर्मचारी स्टॉक स्वामित्व योजना (इम्प्लाई स्टॉक ओनरशिप प्लॉन- ईएसओपी के तहत कंपनी अपने कर्मचारियों को कंपनी के शेयर देती है। इससे कर्मचारियों को कंपनी में हिस्सेदारी मिलती है) और कंपनी से मिले बोनस पर जीवन व्यतीत किया है, निश्चित रूप से उच्च आय वाले व्यक्ति होंगे तथा उनके निवेश एवं होल्डिंग और जीवन शैली आवश्यक रूप) से उनकी सुपर-रिच स्थिति को प्रतिबिंबित करेंगे। यह सच है कि कुछ भत्ता दिया जाना चाहिए पर यह भी उतना ही सच है कि शक्ति और कनेक्शन नए अवसर बनाते हैं जो जानबूझ कर ओढ़े गए अंधेपन के साथ अच्छी तरह से काम करते हैं। इसके अलावा एक लोकतांत्रिक राष्ट्र को यह भी पूछना चाहिए कि ऐसी पृष्ठभूमि क्या विशिष्ट योग्यता या नियामक अनुभव लाती है? इस सवाल को भारत में बढ़ती प्रवृत्ति के खिलाफ तौलना होगा जो सत्ता के लीवर को अति-धनी और जुड़े हुए लोगों को सौंपने के लिए है, लगभग एक नियंत्रित क्लब गठित करता है जो एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। यह नए भारत में प्रतिभा के आधार पर काम करने वाली योग्यता (मेरिटॉक्रसी) के बजाय एक धनिकतंत्र (प्लूटोक्रेसी) है। इन तथाकथित स्टार कलाकारों की सही कीमत और उनके योगदान का वास्तविक मूल्यांकन अपने आप में एक अलग चर्चा का विषय है। दुनिया को उनकी स्व-घोषित प्रतिभा तथा अशिष्ट विचारों या उच्च उपलब्धि के उनके मार्करों को खरीदने की जरूरत नहीं है।

तीसरी बात यह है कि सेबी का कोई भी अध्यक्ष भारत की आज की वास्तविकता में अदानी जैसे शक्ति केंद्र के खिलाफ कार्रवाई करने की बात तो दूर उसके बारे में बात भी नहीं कर सकता। वास्तव में यह आज की राजनीतिक सचाई है और संस्थानों के अपमानों के रूप में इसका टोल भरा जा रहा है। लेकिन यहां तो चेयर पर ही यह खेल खेलने का आरोप लगाया जा रहा था। व्यावसायिकता की उच्च गुणवत्ता के बजाय यह कनेक्शन और कवर-अप के लिए उच्च अंक मांग रहा है। कुछ चुनिंदा लोगों के लिए नियामक और विनियमित के बीच की दूरी मिट गई है। सवाल उठता है कि वास्तव में ये नियुक्तियां कौन करता है व ये नियुक्तियां संस्थान को कैसे मजबूत करती हैं? ध्यान दें कि अध्यक्ष बनने से पहले जब बुच सेबी की पूर्णकालिक निदेशक थीं उस समय से निवेश पर कुछ चिंताएं और खुलासों के बारे में सवाल चर्चित हैं।

उपरोक्त सभी मुद्दे कुशासन को प्रोत्साहित करते हैं जो अन्य प्रकार के एक लाख कुशासन को बढ़ावा देते हैं जिसके बारे में सरकार आज परेशान नहीं है लेकिन ये छोटे-बड़े कुशासन एक साथ मिलकर संस्था को खा जाते हैं और इसे अंदर से खोखला कर देते हैं। यह सब अनदेखे नाटक हैं लेकिन प्रशासन को टाईट करने तथा नट-बोल्ट कसने की कहानियां बेची जाती हैं, क्षुद्र बातों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है जबकि मूल मुद्दों को नजरंदाज कर दिया जाता है और देश के साथ छल किया जाता है। जब सुधार के लिए कोई समर्पित इच्छा न हो तो भविष्य में कभी सुधार लाने की योजना क्रियान्वित नहीं हो सकती। इसके बाद होने वाली खींच-तान संस्था को नष्ट करने वाली हो सकती है। वे शासन के ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर देती हैं। तनाव के ऐसे ही कुछ हिस्से के कारण सेबी कर्मचारियों को बुच की मनमानी, उसके कनेक्शन एवं राजनीतिक कवर के कारण कथित अहंकार) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

सेबी को रिकवर होने में लंबा समय लगेगा। इस समयावधि को कम करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि जो कुछ भी हुआ है, उसकी न्यायिक जांच का आदेश दिया जाए। यह 'मजबूत नियामक ढांचे को प्रदर्शित करने का सबसे अच्छा तरीका होगा जो न केवल सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं के साथ संरेखित करता है बल्कि निवेशकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है'। बुच के खिलाफ हिंडनबर्ग आरोपों का मुकाबला करने के लिए जारी किए गए सेबी के बयान में यह बात उद्धृत की गयी थी। इस भावना की रक्षा की जानी चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं। सिंडीकेट : द बिलियन प्रेस)

अंगदान करने वाले मजदूर का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

इंदौर व जबलपुर के व्यक्तियों को दी गयी किडनी, दो ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया

जबलपुर, देशबन्धु। अंगदान करने वाले मजदूर का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। मजदूर की एक किडनी इंदौर तथा एक किडनी जबलपुर के व्यक्ति को लगाई गई है। किडनी को जबलपुर के निजी अस्पताल तथा इंदौर ले जाने के लिए डुमना विमानतल में खड़ी एयर एम्बुलेंस तक पहुँचाने के लिए दो ग्रीन कॉरिडोर बनाये गये थे।

गौरतलब है कि भेडाघाट निवासी पूरन चौधरी उम्र 56 को तीन दिन पूर्व उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती किया गया था। वृद्ध मजदूरी का कार्य करते थे और काम के दौरान गिर गये थे। जिसके कारण उसके सिर में गंभीर चोटें आई थी। डॉक्टरों ने जांच के दौरान पाया कि उनका ब्रेन डेड हो गया है। इसके बाद डॉक्टरों ने परिवार के सदस्यों को अंगदान के लिए प्रेरित किया और उन्होंने सहमति प्रदान कर दी। इसके बाद अंगदान के लिए डॉक्टरों के द्वारा वेबसाइट में लोड की गयी। जबलपुर के एक निजी अस्पताल तथा इंदौर स्थित बाम्बे अस्पताल में भर्ती मरीज के लिए किडनी की आवश्यकता थी।

सीएमएचओ डॉ संजय मिश्रा ने बताया कि किडनी पहुंचाने के लिए अस्पताल से डुमना एयरपोर्ट तथा दमोहनाका स्थित निजी अस्पताल तक दो ग्रीन कॉरिडोर जिला एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग से तैयार किये गये थे।ष्शुक्रवार की सुबह ऑपरेषल कर दो किडनी निकाली गयी। इसके बाद उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में एम्बुलेंस से भेजा गया। डुमना विमानतल से डॉक्टरों की निगरानी में एक किडनी इंदौर भेजी गयी है। इसके अलावा अंगदाता की आंखे व त्वचा को सुरक्षित रखा गया है।

बरगी सीएसपी सुनील नेमा ने बताया कि अंगदाता का अंतिम संस्कार पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ भेडाघाट स्थित सरस्वती घाट में किया गया। यह पहला अवसर है जब जिले में किसी अंगदाता का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया गया है।

गुलाब की पंखुड़ियां से बने कारपेट से किया गया ऑरगन का स्वागत– जबलपुर के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नया अध्याय जोडा गया। सुबह 7 बजे मेडिकल कॉलेज से बडेरिया मेट्रो हॉस्पिटल तक ग्रीन कोरिडोर का निर्माण किया गया। मेडिकल कॉलेज जबलपुर में 5 मार्च 2025 को एक्सीडेन्ट के कारण हेड इंजुरी होने से भर्ती 54 वर्षीय पूरन चौधरी निवासी आमाहिनौता, भेडाघाट जबलपुर को भर्ती कराया गया। अत्यंत गंभीर स्थिति में उनका उपचार चल रहा था और इलाज के दौरान उनका ब्रेन डेड हो गया। फिर मरीज के परिजनों ने अंगदान करने का फैसला लिया। इसके बाद आवश्यक प्रक्रिया अपनाते हुए एक किडनी इंदौर और दूसरी किडनी लखनादौन निवासी सुदामा बाई जिनकी दोनों किडनी खराब हो चुकी थी और पिछले तीन साल से किडनी खराब होने से बडेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल में डायलिसिस करा रही थी, को किडनी प्रात्यारोपित करने के लिए चिन्हित किया गया। सुबह 9 बजे मेडिकल कॉलेज जबलपुर से दमोहनाका स्थित बडेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल तक एक किडनी लेकर डॉक्टर्स की टीम पहुंची और सुदामा बाई को सफलता पूर्व किडनी प्रत्यारोपित की गई और प्रत्यारोपण के बाद किडनी ने काम करना शुरू कर दिया।

नया जीवन मिला– सुदामा बाई ने बीमारी से परेशान होकर जीने की आस ही छोड दी थी। परंतु भगवान पर अटूट आस्था रखने वाली सुदामा बाई ने अंत तक हार नहीं मानी और पूरनलाल चौधरी ने अपनी एक किडनी सुदामा बाई को देकर दूसरा जीवन दे गये। बडेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल द्वारा भी अंगदान की जागरूकता लाने के मकसद से आर्गन के स्वागत के लिए गुलाब की पंखुडियां बिछाई गई थीं और आर्गन लाने वाली टीम का सभी स्टाफ ने तालियों से जोरदार स्वागत किया। जबलपुर में पहली बार बडेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल में किसी ब्रेन डेड मरीज के आर्गन का सफल प्रत्यारोपण किया गया। इससे पहले ब्रेन डेड मरीजों के आर्गन शहर से बाहर भेजे गये हैं।

इसमें किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. विशाल वढेरा, डॉ. राजेश पटेल, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉक्टर विपिन रघुवंशी, डॉक्टर देवेश गुप्ता, ने किडनी का सफल प्रत्यारोपण किया। हॉस्पिटल के डायरेक्टर राजीव बड़ेरिया जी ने पूरी टीम को शुभकामनाएं भी दीं, डॉ. अभिषेक दुबे, अभिषेक शर्मा, अभिलाष त्रिपाठी, दिनेश पटेरिया आदि का भी सहयोग रहा।

पंजाब नेशनल बैंक द्वारा ऋण मुक्ति शिविर 2025 का सफल आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। पंजाब नेशनल बैंक, जबलपुर मंडल द्वारा ऋण मुक्ति शिविर 2025 का सफल आयोजन 7 मार्च 2025 को राइट टाउन स्टेडियम, जबलपुर में किया गया। इस विशेष शिविर का उद्देश्य एनपीए खाताधारकों को राहत प्रदान करना था, जिसके तहत वन टाइम सेटलमेंट की सुविधा उपलब्ध कराई गई। शिविर में बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में लगभग 100 खाताधारकों के एकमुश्त समझौते किए गए, जिससे ग्राहकों को अपने ऋ्हा निपटाने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर मंडल कार्यालय, जबलपुर के मंडल प्रमुख अशवनी कुमार और प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली से उप महाप्रबंधक रजनीश कुमार वासुदेव विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बैंक की इस पहल को ग्राहकों के लिए एक आर्थिक पुनर्वास का सुनहरा अवसर बताया और पात्र ग्राहकों को त्वरित ह्ळ्रूस अप्रूवल प्रदान किए।

अशवनी कुमार ने बताया कि पंजाब नेशनल बैंक आगे भी इस तरह के विशेष शिविर आयोजित करता रहेगा, जिससे अधिक से अधिक ग्राहकों को वित्तीय स्थिरता की ओर अग्रसर होने का अवसर मिल सके।

दि. जैन सोशल ग्रुप जबलपुर मेन को मिले 20 राष्ट्रीय अवार्ड

जबलपुर, देशबन्धु। फेडरेशन का राष्ट्रीय अधिवेशन, पुष्पगिरी में संपन्न हुआ, जिसमें अध्यक्ष मुल्कराज अंजली बादशाह के नेतृत्व में जबलपुर मेन ग्रुप के लगभग 50 सदस्यों की टीम ने पुष्पगिरी, उज्जैन में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में अपनी जोरदार सहभागिता की और बैनर प्रेजेंटेशन में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान हासिल किया। 350 से अधिक अंतरराष्ट्रीय ग्रुपों में सर्वश्रेष्ठ गुप,श्रेष्ठ बैनर प्रेजेंटेशन, श्रेष्ठ स्क्रैपबुक, सर्वश्रेष्ठ मानव सेवा गतिविधि, स्वास्थ्य सेवा गतिविधि, राष्ट्रीय अधिवेशन प्रायोजक ग्रु प, नवीन ग्रुप गठन कर्ता, विदेश यात्रा, खेल, दान, पर्यावरण गतिविधि, धार्मिक गतिविधि, ग्रुप के प्रदीप-ममता को लगातार दूसरी बार सर्वश्रेष्ठ रीजन अध्यक्ष, ग्रुप के विनय-अनीता को सर्वश्रेष्ठ अध्यक्षीय अवार्ड, स्वर सुधा कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका हेतु अवार्ड तथा मंच संचालन हेतु अवार्ड, प्रशांत-प्रियांशी को सर्वश्रेष्ठ अध्यक्षीय अवार्ड एवं ध्वजारोहण कर्ता अवार्ड, ग्रुप के विकास-शिखा को ध्वजारोहण कर्ता अवार्ड,भोजनशाला के उद्घाटनकर्ता प्रदीप ममता, महाकौशल रीजन के अध्यक्ष, की श्रीमती सारिका-संजय सिंघई को स्वर सुधा मंच से श्रेष्ठ सुरों में भक्ति करके समां बांधने हेतु विशेष अवार्ड दिए गए। सचिव सचिन कीर्ति जैन ने बताया कि इस महाआयोजन में संस्थापक अध्यक्ष आजाद सीमा, कोषाध्यक्ष प्रदीप, गोपाल अर्चना, देवेश, अजय, मयंक, संदीप आरती, सुदीप, आभा, नीरज, प्रशांत, अंजुल स्वाति, मनोज अनीता, संजय, राकेश गजल आदि ने अपना योगदान दिया।

आयुर्वेद कॉलेज के विद्यार्थियों ने निकाली रैली

जबलपुर, देशबन्धु। शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय जबलपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं रेड रिबन क्लब तथा नशा मुक्ति इकाई के द्वारा संयुक्त रूप से इकाई के द्वारा आयोजित विशेष शिविर में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मार्गदर्शन प्रधानाचार्य डॉक्टर एल एल अहीरवाल तथा संयोजन डॉ. गरिमा तिवारी, डॉ. संजय पुरिया तथा राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. पंकज मिश्रा तथा सह प्रभारी मोहम्मद राजा सिद्दीकी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में समस्त विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

महिला दिवस पर विशेष

इंसान की पहचान उसके कार्य से होती है

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर पदस्थ श्रीमती सोनाली दुबे का मानना है कि व्यक्ति की पहचान उसके कार्यों से होती है। व्यक्ति अपने कार्यों को जितना निपुण होता है उसे उतना अधिक महत्व व इज्जत मिलनी है। परिवार से व्यक्ति का पहचान मिलती है और कार्य से उसे सम्मान मिलता है। पुलिस अधिकारी व कर्मचारी की गलती का लाभ अभियुक्त को मिल सकता है।

श्रीमती सोनाली दुबे ने बताया कि वह 21 वर्ष से पुलिस विभाग के कार्यरत है। इस दौरान वह जिस भी क्षेत्र में पदस्थ रही किसी भी कोई भी आपराधिक प्रकरण को लंबित नहीं रहा। अपराध करने में आरोपी ने भले ही जितनी सावधानी बरती हो उसे गिरफ्तार किया। एक प्रकरण का उल्लेख करने हुए उन्होने बताया कि भतीजे ने अपने चाचा की हत्या कर दी थी। अंतिम संस्कार में भतीजा भी शामिल हुआ था। घटना के समय पहने हुए कपडे भतीजा बदल नहीं पाया था। कपड़ों में खून होने के कारण मक्खी मंडरा रही थी। जिसके कारण उस पर षंक हुआ और पूछताछ में उसने चाचा की हत्या करना स्वीकार कर लिया।

साइबर क्राइम भविष्य में बनेगा चुनौती

जबलपुर, देशबन्धु। साइबर क्राइम ब्रांच में पदस्थ टीआई संध्या चंदेल का मानना है कि भविष्य में साइबर क्राइम बड़ी चुनौती होगा। साइबर क्राइम करने वाला व्यक्ति अनजाना होता है। वह अपनी गलती का फायदा उठाकर खातों से रकम उडा लेता है। इसके रोकने का एकमात्र उपाय जागरूकता है।

उन्होंने बताया कि हाल में भी साइबर क्राइम कराने वाले एक गिरोह के 18 सदस्यों ने उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों से गिरफ्तार किया है। गिरोह के सदस्य बेरोजगार व अशिक्षित लोगों के बैंक खाते का उपयोग कर साइबर क्राईम करते थे। गिरोह के सदस्यों ने सैकड़ों बैंक खातों का उपयोग करते हुए कई करोड़ रूपये की ठगी की।

ईशिता भार्गव बनी हवाई जहाज उड़ाकर महिलाओं के लिये प्रेरणास्त्रोत

जबलपुर, देशबन्धु। संस्कारधानी की बेटी ईशिता भार्गव को देश में पहला इलेक्ट्रानिक्स पायलट लायसेंस मिला है। उन्हें यह अवाड विगत दिनो देश के नागरिक उड्डयन मंत्री किंजारापु राममोहन रेड्डी ने दिया है। दुनिया में इस तरह का पायलट लायसेंस देने वाला भारत दूसरा देश है और पहला चीन है।

ईशिता ने कड़े परिश्रम एवं लगन के साथ कठिन परीक्षा और प्रशिक्षण के बाद हवाई जहाज उड़ाने के सपने को पूरा किया है। वे इस क्षेत्र में आने वाली दूसरी महिलाओं के लिये प्रेरणा स्त्रोत हैं। उन्होंने बताया कि स्कूल में अध्यन के दौरान ही उन्होंने इरादा बना लिया था कि वे एक दिन आसमान में हवाई जहाज उडायेंगी।

देश के एक मात्र शासकीय इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान एकादमी में प्रशिक्षण लेने के बाद करीब तीन साल बाद वे हवाई जहाज उड़ाने वाली महिला पायलट बन गई हैं। उन्होंने कहा कि जो लड़कियां हवाई जहाज उड़ाने का सपना रखती हैं उन्हें स्कूल की पढ़ाई के समय से ही विशेष रूप से साइंस विषय जिसमें गणित, फिजिक्स और अंग्रेजी पर ध्यान देते हुये बारहवी अच्छे नंबरों से पास करना चाहिये। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा होती है। जिसमें कम से कम सत्तर फीसदी अंक प्राप्त करने पर पायलट बनने के लिये संस्थान में प्रवेश संभव है। ईशिता भार्गव ने करीब दो सौ घंटे का प्रशिक्षण हवाई जहाज उड़ाने का लिया है।

इसमें दो चरण होता है, एक में प्रशिक्षण देने वाले सीनियर पायलट के साथ एवं दूसरे चरण में

जब पूरी तरह आत्मविश्वास मजबूत होने के साथ जरूरी जानकारी अर्जित करने पर अकेले हवाई जहाज उड़ाने का काम किया। इसमें सौ घंटे ईशिता भार्गव ने अकेले हवाई जहाज उड़ाया। प्रशिक्षण के दौरान सुबह चार बजे रात दस बजे तक कड़ी मेहनत करते हुये ईशिता भार्गव ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। इसमें उन्हें अपनी माता जी श्रीमती स्मृति भार्गव और पिता रजत भार्गव जी का हर कदम पर साथ मिला है जिसके परिणाम स्वरूप ही वे आज महिला पायलट के मुकाम पर पहुंच सकी हैं। गौरतलब है कि देश में अभी पुरूष 24 हजार और महिला पायलट केवल 1800 हैं।

आज से दोनों समय बुझेगी रांझी की प्यास

जबलपुर, देशबन्धु। जल विभाग के अमले की दिन रात की मेहनत रंग लाई और रांझी में अचानक आए इस जल संकट से निजात मिलनी शुरू हो गई है, अभी जो सप्लाई एक समय शुरू हुई थी, आज से वो दोनों समय शुरू होने की संभावना जताई जा रही है, ये कहना है कार्यपालन यंत्री कमलेश श्रीवास्तव का। ये निगम के कर्मचारियों के अथक प्रयासों का नतीज़ा ही है कि इस गंभीर संकट से क्षेत्रीय नागरिकों को इतनी जल्दी राहत मिल गई।

लेकिन मूल मुद्दा यही है, कि इस संकट से फौरी राहत तो क्षेत्र के नागरिकों को मिल गई लेकिन अब आवश्यकता इस बात की है की, स्थाई समाधान व्यवस्थित रूप से मिले ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं ना हो, इस घटना का बेहतर पटाक्षेप ये होगा की इस बात की सही जांच हो कि इस घटना के पीछे किसकी लापरवाही थी, उस पर उचित कार्यवाही हो। चूंकि ये समस्या जल जैसे बेहद अहम मुद्दे से जुड़ी है और सब जानते हैं कि, बिन पानी सब सून।

पश्चिम मध्य रेलवे से गुजरेगी होली एवं ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेनें

जबलपुर, देशबन्धु। रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा होली एवं ग्रीष्मकाल के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर होली एवं ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेलवे के स्टेशनों से होकर गुजरेगी।

इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है- ट्रेन संख्या 09075 मुंबई सेंट्रल-काठगोदाम सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक बुधवार को मुंबई सेंट्रल से 11.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14.30 बजे काठगोदाम पहुंचेगी। यह ट्रेन 12 मार्च से 25 जून, तक चलेगी।

इसी तरह, ट्रेन संख्या 09076 काठगोदाम-मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को काठगोदाम से 17.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20.55 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 13 मार्च से 26 जून 2025 तक चलेगी।

मौसम का मिजाज नरम-गरम, शाम ढलते ही ठंड का एहसास बढ़ा

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर में मौसम का रूख अपना असर दिखा रहा है। अभी दिन में हल्की गर्मी तो शाम ढलते ही ठंडक शुरू हो जाती है। उत्तर से पश्चिम की तरफ हवाएं चल रही हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि आने वाले कुछ दिनों तक इसी तरह मौसम का मिजाज बना रह सकता है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार गुरूवार को अधिकतम तापमान 31.9 और 9.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते साल 29.8 एवं 13.5 डिग्री सेल्सियस आंका गया था।

इस बार मौसम का मिजाज बार-बार बदल रहा है। अभी कुछ दिनों तक एकाएक गर्मी और धूप बढ़ गई थी। इसके बाद फिर से मौसम में ठंडक महसूस की जाने लगी है। उत्तर भारत के जिलों में बर्फबारी होने से मौसम में परिवर्तन हुआ है। रात के समय ठंडी हवाएं तेजी से चलने लगती हैं। जिससे वे लोग ज्यादा परेशान हैं जिन्हें किसी काम के चलते बाहर देर तक काम करना पड़ता है।

इधर जैसे ही मौसम का मिजाज बदलता है उसका सबसे ज्यादा असर नगर से लगे ग्रामीण अंचलों में देखा जाता है। अब भी इसी तरह की स्थिति है।

बिलहरी, करमेता, महाराजपुर, खमरिया, आदि क्षेत्रों में रात के समय ठंडक बनी हुई है। कहा जा रहा है कि होलिका दहन के बाद रात में भी गर्माहट शुरू हो सकती है, जिसका सभी को इंतजार है।

हिन्दी माध्यम के विद्यार्थी को थमाया अंग्रेजी पर्चा

जबलपुर, देशबन्धु। जब एमबीबीएस और इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम से लेकर अध्ययन हिन्दी विषय में कराने की बात सरकार द्वारा कही जा रही हैं तभी रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (रादुविवि) प्रबंधन उन विद्यार्थियों को भी अंग्रेजी माध्यम के पर्चे थमा रहा हैं जिन विद्यार्थियों ने हिन्दी माध्यम लेकर अध्ययन किया हैं। मप्र छात्र संगठन (एमपीएसयू) ने यह आरोप लगाते हुए बताया कि रादुविवि से संबद्ध ग्यानायतन कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट में एमबीए का विद्यार्थी का माध्यम हिन्दी हैं। विद्यार्थी का गत दिवस प्रथम सेमेस्टर का प्रिंसिपल एंड प्रेक्टिसेस ऑफ मैनेजमेंट का पर्चा था जो उसे हिन्दी के बजाए अंग्रजी माध्यम का थमा दिया गया। पर्चे में न तो प्रश्नों का हिन्दी अनुवाद था न हीं परीक्षा कक्ष में यह पर्चा हिन्दी भाषा में उपलब्ध था। जैसे तैसे परीक्षार्थियों ने पर्चा हल किया। यह स्थिति लगभग सभी हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की रही। एमपीएसयू के अध्यक्ष अभिषेक पाण्डे ने आरोप लगाया कि रादुविवि प्रबंधन की लापरवाही के चलते विद्यार्थियों को इस स्थिति से गुजरना पड़ रही हैं। संगठन ने दो टूक कहा कि यदि जल्द ही हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों को हिन्दी में पर्चे न उपलब्ध कराए गए तो संगठन आंदोलन का रास्ता अपनाऐगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी रादुविवि प्रबंधन की होगी।

काचीगुड़ा-मदार होली स्पेशल ट्रेन का संचालन

जबलपुर, देशबन्धु। होली त्यौहार के अवसर पर यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त यात्री भीड़ को क्लीयर करने के उद्देश्य से रेल प्रशासन द्वारा गाड़ी संख्या 07701/07702 काचीगुड़ा-मदार जंक्शन-काचीगुड़ा होली स्पेशल ट्रेन दो-दो ट्रिप के लिए चलाई जा रही है। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के रानी कमलापति स्टेशन से होकर गुजरेगी।

गाड़ी संख्या 07701 काचीगुड़ा-अजमेर स्पेशल ट्रेन 11 एवं 16 मार्च को काचीगुड़ा स्टेशन से रात 23: 30 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन रात्रि 22: 45 बजे रानी कमलापति और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन दोपहर 12:50 बजे मदार जंक्शन स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 07702 मदार जंक्शन-काचीगुड़ा स्पेशल ट्रेन दिनांक 13 एवं 18 मार्च 2025 को मदार जंक्शन स्टेशन से सायं 16:05 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन प्रात: 05:00 बजे रानी कमलापति और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन भोर 04: 00 बजे काचीगुड़ा पहुंचेगी।

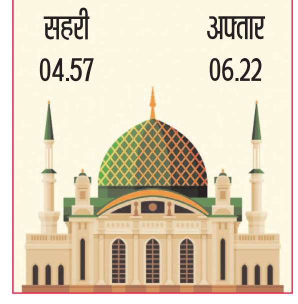

J.B.F.A
जबलपुर ब्रॉयलर फार्मस् एसोसियेशन
मुर्गा छोटा - रु. 124
मुर्गा मीडियम - रु. 112
मुर्गा बड़ा - रु. 92
मुर्गा जम्बो - रु. 92
मो.-9039925000, 9425800409

सोनू पोल्ट्री
बड़ा ब्रॉयलर - रु. 88
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 108
छोटा ब्रॉयलर - रु. 120
मो.- 9039925999

नृत्य ने भरा युवाओं में उत्साह, गोंधल मंचन ने किया रोमांचित

जबलपुर, देशबन्धु। मराठी नृत्य में प्रतिभागियों ने जहां लावणी प्रस्तुत की, वहीं मां अम्बे के लिए स्तुति भी नृत्य के जरिए की गई। कला, संस्कृति और हुनर का संगम एक ही मंच पर नजर आया। शुक्रवार को पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस महाकोशल में वार्षिक स्नेह सम्मेलन और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि युवाओं कहा कि स्टूडेंट्स लाइफ में ही कॅरियर की नींव तय करनी होगी, साथ ही डिग्री के साथ-साथ कौशल कला से जुड़कर भी रोजगार को नई दिशा देना चाहिए।

सम्मान ने बढ़ाया हौसला- कार्यक्रम के प्रथम चरण में पुरस्कार वितरण हुआ। इसमें सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी का पुरस्कार अर्णव शर्मा को दिया गया। इसी कड़ी में ंस्कृतिक, साहित्यिक एवं क्रीड़ा और भारतीय ज्ञान परम्परा के पुरस्कार दिए गए। मुख्य अतिथि विधायक अशोक रोहाणी थे। प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि क्रीड़ा भारती के संयोजक अनंत डिके, सीए अखिलेश जैन, जनभागीदारी अध्यक्ष आशीष राव थे।

नृत्य, गायन व कविता पाठ- समारोह के द्वितीय चरण में प्रतिभागियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का रंग जमाया। सजीले परिधान, आकर्षक साज-सज्जा में युवाओं ने राई, बधाई, बुंदेली और आदिवासी नृत्यों की प्रस्तुति दी। इसके साथ ही एकल नृत्य, गायन, कविता पाठ, मिमिक्री, सामूहिक नृत्य की प्रस्तुतियां खास रहीं।

अन्नपूर्णादास काठिया की स्मृति में श्रद्धांजली सभा

जबलपुर, देशबन्धु। ग्वारीघाट स्थित कल्याणेश्वर महादेव मंदिर आश्रम नर्मदा तट के दरोगाघाट काठिया आश्रम में आश्रम के संस्थापक गौ-लोकवासी अन्नापूर्णादास काठिया के स्मृति दिवस के अवसर पर आज जबलपुर साधु मण्डल के सभी संतगणों एवं महंत तथा जगदगुरूओं की उपस्थिति में प्रथम दृष्टया श्रद्धांजलि एवं पुष्प सुमन अर्पित किये गये। तत्पश्चात आश्रम की परम सेविका व सबकी स्नेही नर्मदेश्वरी दास काठिया को सभी संत व महंत व जबलपुर साधु मंडल की उपस्थिति में शाल, कंठी व माला पहनाकर उनको आश्रम का नवनियुक्त महंत नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर जगदगुरू नरसिंहदास जी महाराज, दंडीस्वामी कालकानंद जी महाराज, श्री जगदगुरू राधेचैतन्य जी महाराज, महंत जगदीश महाराज, महंत रामनारायण दास महाराज, महंत देवेन्द्रदास महाराज, महंत प्रहलाद दास जी महाराज, रामदास कोरवाल, महंत रामशरण दास जी महाराज, महंत कालीनंद जी महाराज, महंत प्रकाशानंद, महंत राम भारती जी, महंत राजेश्वरनंद महाराज, महंत राजेश दास, संजय दास काठिया, आचार्य प्रसाद जी महाराज, राजेश खिच्ची इंदौर काठिया आश्रम, आचार्य तुलसी महाराज जी पुजारी सभी उपस्थित रहे।

नागरिक एसोसिएशन की मासिक बैठक

जबलपुर, देशबन्धु। वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन जबलपुर की मासिक बैठक हरिशंकर परसाई भवन में 8 मार्च संध्या 5 बजे आयोजित की जायेगी, बैठक में सी.जी.एच.एस. से संबंधित जेनेरिक दवाओं पर चर्चा, इसके अतिरिक्त होली मिलन समारोह पर भी चर्चा की जायेगी बैठक में अध्यक्ष टी.के. रायघटक, महामंत्री डी.के.सिंह, एस.के. श्रीवास्तव, हरजीवन विश्वकर्मा, एच.एल. जागड़े, दिनेश चौरे, आर.बी.शाह, आर.आर.दुबे, विनायक राव सोरते, नंदलाल कोष्टा, हरिसिंह, महेन्द्र नामदेव, रमाकांत कटियार, शंकर लाल विनोदिया, नारायण दाहिया, प्रीतम यादव ने उपस्थिति का आग्रह किया है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विशेष

नारी शक्ति है सशक्त समाज की नींव

- सुश्री निर्मला भूरिया

भोपाल, देशबन्धु। नारी शक्ति केवल शब्द नहीं बल्कि समाज की आधारशिला है। जब एक महिला सशक्त होती है तो न केवल परिवार, बल्कि संपूर्ण समाज प्रगति की ओर बढ़ता है। मध्यप्रदेश सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिए संकल्पबद्ध है। मेरा मानना है कि महिलाओं के सशक्तिकरण के सही मायने महिलाओं को उनके अधिकार, अवसर और समानता देना है ताकि वे स्वतंत्र रूप से निर्णय ले सकें, समाज परिवार में अपनी पूर्ण क्षमता से भागीदारी दिखा सकें। महिलाओं का सशक्तिकरण, उनकी शिक्षा, उनके स्वास्थ्य, राजनीतिक व आर्थिक अवसरों, समानताओं और उनकी सामाजिक स्वतंत्रता से जुड़ा हुआ है।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रगति- 2025 में, जब हम महिलाओं के विकास और सशक्तिकरण की दिशा में किए गए कार्यों की समीक्षा करते हैं, तो हम पाएंगे कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश-प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक और महत्वपूर्ण प्रयास किए गए हैं। महिलाएं अपनी पूरी क्षमता को समझ कर उसका उपयोग कर सके, महिलाओं को विभिन्न संस्थागत व्यवस्थाओं जैसे स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कैरियर एवं व्यावसायिक परामर्श / प्रशिक्षण, वित्तीय समावेशन, उद्यमिता आदि से जोडने, उन्हें मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिये विभिन्न प्रयास किये जा रहे हैं। महिलाएं आज हर क्षेत्र में अग्रणी और महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिलाएं ऐसे-ऐसे कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं जिनकी कुछ वर्ष पूर्व कल्पना भी नहीं की जा सकती थी।। आज की महिलाएं जागृत हैं और अनेक क्षेत्रों में नेतृत्व भी कर रही है। महिलाओं के विचारों और उनके जीवन मूल्यों से सुखी परिवार, आदर्श समाज और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है।

महिलाओं की हितैषी मध्यप्रदेश सरकार - प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की Women Led Government की अवधारणा के अनुरुप ही मध्यप्रदेश में महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने, उनकी सहभागिता बढ़ाने के निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण के हर संकल्प को पूर्ण करने शिद्दत से कार्य कर रही है। मध्यप्रदेश में किशोरी बालिकाओं, महिलाओं के सर्वांगीण विकास, संरक्षण, सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण, बेहतर स्वास्थ्य, पोषण के लिये विभिन्न योजनाएं और कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य उन्हें हर क्षेत्र में सशक्त बनाना है। इनमें मिशन शक्ति अंतर्गत हब, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, वन स्टॉप सेन्टर, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, महिला हेल्पलाईन 181, सखी निवास, के साथ ही मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना-2023 और मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना आदि योजनाएं प्रमुख है।

इसी अनुक्रम में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की मंशा अनुसार प्रदेश में बालिकाओं और महिलाओं की उन्नति में चुनौतियों और बाधाओं के समाधान व समग्र सशक्तिकरण हेतु नारी सशक्तिकरण मिशन आरंभ किया जा रहा है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं व बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आर्थिक विकास व सुरक्षा के साथ ही विभिन्न सरकारी सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। मिशन के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक स्वावलम्बन व समाज में आर्थिक भागीदारी बढाने हेतु प्रयास किये जावेंगे। विभिन्न विभागों के द्वारा संचालित योजनाओं से सम्बंधित विभागों के समन्वय से मिशन गतिविधि का संचालन होगा।

प्रदेश में आंगनवाडी सेवाओं और स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता के बारे में जागरूक किया गया है, जिससे कुपोषण दर में भी कमी आई है। राज्य सरकार ने गर्भस्थ महिलाओं और शिशुओं की सुरक्षा के लिए वित्तीय संसाधनों की कोई कमी बाकी नहीं रखी। आंगनबाड़ी केन्द्रों का उन्नयन, रखरखाव एवं संचालन मध्यप्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में हमेशा से रहा है। इस दिशा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद ने प्रदेश की 12 हजार 670 मिनी आंगनवाडी केन्द्रों को पूर्ण आंगनवाडी केन्द्र के रूप में उन्नयन किए जाने का निर्णय लिया है। इसके लिये पर्यवक्षको के 476 नवीन पद. 12 हजार 670 आंगनवाड़ी सहायिका सहित कुल 13 हजार 146 नवीन पद स्वीकृत किए गए है। गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य-पोषण लिए संचालित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश को योजना प्रारंभ से वर्ष 2022-2023 तक लगातार 5 साल राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

बेटियों, महिलाओं की सुरक्षा मध्यप्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है और इसके लिए राज्य सरकार ने कई कदम उठाए हैं। वन स्टॉप सेन्टर, महिला हेल्पलाईन 181 इसी उद्देश्य को लेकर कार्यरत हैं। प्रदेश के समस्त जिलों में संकट ग्रस्त महिलाओं की सहायता हेतु जिलों में 57 वन स्टॉप सेंटर संचालित हैं, जिनके माध्यम से लगभग 1 लाख से अधिक महिलाओं को निःशुल्क सहायता उपलब्ध कराई गई है। महिला हेल्पलाइन नंबर 181 जैसी योजनाओं के जरिए महिलाएं अपनी समस्याओं का समाधान तुरंत पा रही है। महिला अपराधों को रोकने तथा उसे प्रभावी बनाने के उद्देश्य से शौर्य दल बनाए गए हैं। प्रदेश में ग्राम/वार्ड स्तर की प्रत्येक आंगनवाड़ी क्षेत्र में कुल 22.52 लाख से अधिक बालिकायें / महिलायें शौर्या दल की सदस्य है। मासूम बच्चियों के साथ दुष्कर्म करने वालों को मृत्यु दंड देने वाला देश का पहला राज्य मध्यप्रदेश है।

प्रदेश में मुख्यमंत्री लाडली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना 2023 जैसी योजनाएं महिलाओं के सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता एवं विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित हुई हैं। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से प्रदेश में लगभग 1.27 करोड़ महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। योजना अंतर्गत प्राप्त सहायता राशि से वे आर्थिक रूप से सशक्त होते हुए परिवार के निर्णयों में अपनी भागीदारी बढ़ा रही हैं। लाड़ली लक्ष्मी योजना में बालिकाओं को रूपये 1,43,000/- का आश्वासन प्रमाण पत्र दिया जाता है। इस योजना ने बालिका शिक्षा को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित किया है। बेटियों को स्कूल जाने के लिए साइकिल और कॉलेज के लिए स्कूटी वितरण का कार्य किया जा रहा है जिससे उनकी शिक्षा की सुविधा में कोई कठिनाई न आए।

राज्य सरकार ने बेटियों को डॉक्टर, इंजीनियर, जेईई, जज, सीए आदि परीक्षाओं की तैयारी का खर्च उठाने का जिम्मा स्वयं ले रखा है ताकि माता-पिता को इसके बोझ तले ना दबना पड़े। लाडली बालिकाओं को कक्षा 12वीं के स्नातक अथवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में (पाठ्यक्रम अवधि न्यूनतम दो वर्ष) प्रवेश लेने पर राशि रूपये 25,000/- की प्रोत्साहन राशि, दो समान किश्तों में (पाठ्यक्रम अवधि के प्रथम एवं अंतिम वर्ष मे) दिए जाने का प्रावधान किया गया है। राज्य सरकार की यही मंशा रही है कि प्रदेश की हर बेटी अपने सपने पूरा कर सके। इसी परिप्रेक्ष्य में मध्यप्रदेश में महिलाओं को निकाय चुनाव एवं शिक्षक भर्ती में 50 प्रतिशत, पुलिस भर्ती में 33 प्रतिशत और अन्य भर्तियों में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है।

बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ राज्य सरकार का ध्येय मंत्र है। मध्यप्रदेश में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ वर्ष 2015-2016 में प्रदेश के न्यूनतम शिशु लिंगानुपात वाले 06 छः जिलों से प्रारंभ होकर अब प्रदेश के समस्त जिलों में संचालित हैं। इन योजनाओं के प्रभाव से प्रदेश के आंकड़ों में सकारात्मक सुधार हुआ है। बाल विवाह की संख्या में कमी आई है। NFHS-4 (वर्ष 2015-2016) के 32.4 प्रतिशत से घटकर NFHS-5 (2020-2021) में 23.01 प्रतिशत रह गया है। प्रदेश में जन्म के समय लिंगानुपात NFHS-4 (वर्ष 2015-2016) अनुसार 927 था जो NFHS-5 (2020-2021) के अनुसार बढ़कर 957 हो गया है। यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। महिला सशक्तिकरण केवल एक नारा नहीं, बल्कि समाज के विकास की अनिवार्य शर्त है। मध्यप्रदेश सरकार महिलाओं के सर्वांगीण उत्थान के लिए निरंतर प्रयासरत है। आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में और अधिक प्रभावी कदम उठाऐंगे।

(लेखिका म.प्र. की महिला एवं बाल विकास मंत्री हैं)

दैनिक राशिफल

शनिवार 08 मार्च 2025 का पंचांग विक्रम संवत् 2081, शक संवत 1946 हिजरी 1445। फाल्गुन शुक्ल पक्ष की नवमीं। नक्षत्र- आर्दा।

मेष – आज वाणी पक संयम रखें। स्नेहीजनों के साथ किसी बात पर विवाद हो सकता है। आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहेगा।

वृषभ – आज का दिन लाभ का बना हुआ है। व्यापार में आपको लाभ होगा। संतान के साथ संबंध अच्छे बने रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन – आज का दिन लाभदायी है। नौकरीमें अधिकारी आपके काम से खुश रह सकते हैं। व्यापार में भी आय बढ़ने की आशा है। `क-

कर्क – अधिकारियों के साथ वाणी और व्यवहार में संभलकर चलें। शारीरिक रूप से अस्वस्थता और मानसिक चिंता बनी रहेगी। व्यापार में विघ्न आ सकता है।

सिंह – आज क्रोध और वाणी पर संयम बरतने की सलाह आपको दी जाती है। स्वास्थ्य के मामले में संभलकर चलना होगा। मानसिक रूप से व्यग्रता बनी रहेगी।

कन्या – आज का दिन सुख और शांतिपूर्वक गुजार सकेंगे। दैनिक कामों में कुछ ज्यादा ही व्यस्त रह सकते हैं। आप मनोरंजन का सहारा लेंगे।

तुला – आज आप व्यवसाय बढ़ाने का प्रयास करेंगे। रोजाना की आय बढ़ाने के आपके प्रयास सार्थक हो सकते हैं।

वृश्चिक – साहित्यिक गतिविधियों के लिए आज का दिन शुभ फलदायक है। कहानी-कविता लिखने के लिए योजना बना सकते हैं।

धनु – आज आप हर मामलों में सावधान रहें। माता के स्वास्थ्य में हो रहा परिवर्तन आपके विचारों को नेगेटिव कर सकता है। इससे आपका मन किसी काम में नहीं लगेगा।

मकर – जीवनसाथी से आपका व्यवहार अधिक मधुरतापूर्ण होगा। मित्रों के साथ पर्यटन पर जाने का कार्यक्रम बना पाएंगे। विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी।

कुंभ – अपने खर्च पर आपको संयम रखना होगा। क्रोध और वाणी पर नियंत्रण किसी से वाद-विवाद होने से बचाएगा।

मीन – आज का आप का दिन शुभ फलदायी है। आज आप उत्साही बने रहेंगे। नए काम की शुरुआत करने के लिए समय अच्छा है।

म.

कायस्थ प्रतिभाओं का सम्मान आज

जबलपुर, देशबन्धु। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कायस्थ महिला विभूतियों का अभिनंदन समारोह 8 मार्च दिन शनिवार को संध्या 5 बजे से एपीएन शैक्षणिक परिसर केन्ट सदर में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमति मनीषा अशोक रोहाणी उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मीना चमन श्रीवास्तव करेंगी, जबकि कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमति प्रीति विनय सक्सेना, योमिनी जगत बहादुर सिंह, अन्नू श्रीमति सुनीता शैलेन्द्र सिंह, एड. स्मृति सिन्हा, डॉ. रमा श्रीवास्तव उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम में उपस्थिति का आग्रह प्रदेश अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव, महिला प्रदेश अध्यक्ष श्रीमति दीप्ति श्रीवास्तव, महिला जिला अध्यक्ष डॉ. रेनू श्रीवास्तव, युवा जिला अध्यक्ष विवेक खरे, एड. भानू श्रीवास्तव, इंजी. देवेन्द्र श्रीवास्तव, ममता श्रीवास्तव, डॉ.धमेन्द्र खरे, संतोष श्रीवास्तव, नीलेश भटनागर, प्रियंका श्रीवास्तव, नीना श्रीवास्तव, स्मृति श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव, प्रियांश श्रीवास्तव आदि ने उपस्थिति का आग्रह किया है।

इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। विगत दिवस, विज्ञान, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासकीय मो.ह. गृह विज्ञान एवं विज्ञान महिला महाविद्यालय, जबलपुर के इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं को अनुसंधान व नवाचार में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गयाद्य डॉ राजेंद्र पांडे के द्वारा छात्राओं को विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं की सशक्त भूमिका के बारे में जानकारी दी गई, छात्राओं मैं मॉडल की प्रस्तुति की जिसमें जिज्ञासा जैन, अनन्या केशरवानी, स्वाति पटेल, आरती चौरसिया इनकी सराहनीय भूमिका रही। कार्यक्रम में आइक्यूएसी प्रभारी डॉ बी के सिंह, श्रीमती विभा श्रीपाल, डॉ प्रियंका विश्वकर्मा, डॉ रोहिणी शर्मा आदि प्राध्यापकों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.समीर शुक्ल के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में आयोजित किया गयाद्य कार्यक्रम का संचालन डॉ गीता चौबे, नोडल अधिकारी इनक्यूबेशन सेंटर के द्वारा किया गया।

परमानंद भाई पटेल स्मृति क्रिकेट स्पर्धा के फायनल मैच में रोमांचक मुकाबला

जबलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में स्थानीय नीमखेड़ा ग्राउंड पर खेली जा रही ग्यारहवीं परमानंद भाई पटेल अंडर 22 क्रिकेट ट्रॉफी के फाइनल मैच में जबलपुर ने अपने कल के स्कोर 6 विकेट पर 296 रनों से आगे खेलना शुरू किया और उसकी पूरी पारी 345 रनों पर समाप्त हो गई। जबलपुर की ओर से अंचित ठाकुर 6 रनों से अपना शतक चूक गए उन्होंने 94 रन बनाए वही यश चिनपुरिया ने 84 कप्तान वरुण तिवारी ने 51 तथा वंदित जोशी ने 47 रनों का योगदान दिया।

नर्मदा पुरम की ओर से प्रशांत कासदे ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट पुलकित एवं हर्षित ने दो-दो विकेट तथा आर्य देशमुख ने एक विकेट प्राप्त किया

। इसके जवाब में नर्मदा पुरम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 258 रन बनाए हैं और उसके आठ खिलाड़ी पवेलियन वापस जा चुके हैं। नर्मदा पुरम की ओर से अखिल यादव ने 69 अथर्व महाजन ने 61 रन बनाए तथा सागर यादव 58 रन बनाकर नाबाद हैं। चौथे विकेट के लिए नर्मदा पुरम के बल्लेबाज अखिल और अथर्व के बीच 118 रनों की साझेदारी हुई। जबलपुर की ओर से अमित राजपूत और आदित्य मिश्रा ने तीन-तीन विकेट तथा मयंकेश ने दो विकेट प्राप्त किए हैं। कल मैच का तीसरा दिन है जहां एक और जबलपुर पहली पारी में बढ़त लेने के लिए गेंदबाजी करेगी वहीं नर्मदा पुरम भी अपने आखिरी दो विकेट के साथ जबलपुर के स्कोर से आगे निकलने का प्रयास करेगी। तीसरे दिन मैच 9.30 बजे से प्रारंभ होगा।

शहरी गरीबों के लिए संचालित योजनाओं पर परिचर्चा

जबलपुर, देशबन्धु। नागरिक अधिकार मंच के तत्वाधान में मदन महल स्थित सभागार में शहरी गरीबी के मुददे पर परिचर्चा का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में श्रम विभाग, महिला एवं बाल विकास केन्द्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारियों को चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया था अधिकारियों के द्वारा शहरी गरीबों के हितार्थ संचालित योजनाओं की जानकारी व उनकी जिज्ञासा का समाधान प्रदान करें। कार्यक्रम परियोजना अधिकारी मीना शर्मा द्वारा महिला एवं बाल विकास केन्द्र की योजनाओं की जानकारी प्रदान की। श्रम निरीक्षक संकेत पहाड़े श्रम विभाग की शहरी गरीबों के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्री जगदीश प्रसाद पटेल- टेलीग्राफ गेट नं. 4 साईं मंदिर के पास निवासी श्री बलराम एवं प्रदीप पटेल के भ्राता तथा यशवंत पटेल के पिता श्री जगदीश प्रसाद पटेल (66) का निधन हो गया। अंतिम यात्रा आज सुबह 9.30 बजे गौरीघाट मुक्तिधाम की ओर प्रस्थान करेगी।

श्री दलजीत सिंह बग्गा- यश रेसीडेंसी शारदा चौक मदनमहल रोड निवासी श्री दलजीत सिंह बग्गा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री संतोष कुमार सराफ- यादव कॉलोनी दयानगर निवासी श्री संतोष कुमार सराफ (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विनोद बनाफर- कछियाना द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री जगदीश बनाफर के पुत्र श्री विनोद बनाफर (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

श्री अजय श्रीवास- पोलीपाथर निवासी श्री अजय श्रीवास (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती गोमती- हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी श्री मोहन लाल की धर्मपत्नी श्रीमती गोमती (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री दुलीचंद विनोदिया- बस्ती नं. 2 अमखेरा गोहलपुर निवासी श्री दुलीचंद विनोदिया (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

पवन कोरी- खाई मोहल्ला हनुमानताल निवासी श्री सुरेंद्र कोरी के पुत्र पवन कोरी (14) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

श्रीमती पार्वती बाई नामदेव- पानदरीबा खोवा मंडी के पास निवासी श्री तुलसीराम नामदेव की धर्मपत्नी श्रीमती पार्वती बाई नामदेव (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती निशा सोनी- कांचघर दुर्गा मंदिर के पीछे निवासी श्री विजय शंकर सोनी की धर्मपत्नी श्रीमती निशा सोनी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

श्रीमती लीलावती आचार्य- नेहरू नगर पुल नं. 2 के पास केंट निवासी श्री मंजूनाथ आचार्य की धर्मपत्नी श्रीमती लीलावती आचार्य (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शशांक पासी- गोरखपुर अनगढ़ महावीर मंदिर के पास निवासी श्री कल्लू पासी के पुत्र श्री शशांक पासी (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

आईजी बंगले के समीप एक घर में बदमाशों का उत्पात,एक की मौत

जबलपुर,देशबन्धु। सिविल लाइन थाना अंतर्गत स्थित पुलिस महानिरीक्षक के बंगले से महज 50 मीटर की दूरी पर स्थित विष्णु रजक के मकान पर देर रात कुछ हथियारबंद युवकों ने हमला कर जमकर उत्पात मचाया। यह पूरा घटनाक्रम 10 से 15 मिनट तक चलता रहा हमलावरों ने जी भरकर पथराव किया, दरवाजा तोडकर घर के अंदर घुसे और वहां खड़े दो पहिया वाहनों में जमकर तोडफोड़ की। फिर वाहनों में आगजनी करने की भी प्रयास किया। इतना सब कुछ होते हुए भी पुलिस की पेट्रोलिंग टीम या डायल 100 के गश्ती वाहन वहां नहीं पहुँचे। इस हमले में विष्णु रजक की मृत्यु हो गई। हालांकि चर्चा है कि विष्णु की मौत हार्ट अटैक से हुई है, जिसके बाद परिजनों ने शव रखकर थाने के सामने प्रदर्शन किया।

परिजनों ने सिविल लाईन थाने के सामने शव रखकर किया प्रदर्शन

रजक समाज के युवा नेता विजय रजक और उनके परिजनों ने यह आरोप लगाया है कि जब हमलावरों ने घर में जबरदस्ती घुसकर तोड़फ़ोड़ शुरू की और जमकर पथराव किया इस दौरान हमलावरों को रोक रहे विष्णु रजक की गिर जाने के कारण मौत हो गई है। पुलिस द्वारा अभी तक आरोपियों के खिलाफ इस संगीन अपराध करने के बाद भी किसी प्रकार का कोई अपराध दर्ज नहीं किया गया इस घटना से नाराज रजक समाज के लोगों ने और परिजनों ने दोपहर बाद मृतक का शव सिविल लाइन थाने के समक्ष रख प्रदर्शन शुरू कर दिया था। सिविल लाइन थाने में कानून व्यवस्था कितनी बुरी स्थिति में है इस बात का अंदाजा भी इस बात से लगाया जा सकता है कि पुलिस महानिदेशक के बंगले के बाजू में देर रात में लगभग 10 मिनट तक अपराधियों ने एक परिवार पर घर में घुसकर हमला करके उत्पात मचाते रहे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियों में साफ दिख रहा है कि हमलावरों ने बड़े इतमिनान से पहले घर पर पथराव किया फिर घर का मुख्य दरवाजा तोड़कर यह घर में घुसे और अंदर रखी मोटरसाइकिल वह अन्य वाहनों में तोड़फ़ोड़ शुरू कर दी। जबकि जिस जगह वारदात हुई वहा सैन्य सेवा के बड़े-बड़े कार्यालय और पुलिस के मुख्य अधिकारी महानिदेशक के बंगले और कार्यालय होने के कारण अति संवेदनशील है। जिससे उक्त क्षेत्र में पुलिस की पेट्रोलिंग की भी पोल खुल गई।

19 हजार नवनामांकित अधिवक्ताओं को शासन की राशि का इंतजार

एसबीसी पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर शीघ्र राशि की मांग

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद के चेयरमेन राधेलाल गुप्ता व वाईस चेयरमेन आरके सिंह सैनी ने नवनामांकित करीब उन्नीस हजार अधिवक्ताओं को अब तक शासन की राशि न मिलने पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने इस संबंध में प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर शीघ्र अतिशीघ्र नवनामांकित अधिवक्ता को मिलने वाली बारह हजार रुपये की राशि प्रदान किये जाने पर बल दिया है। एसबीसी के वाईस चेयरमेन आरके सिंह सैनी ने बताया कि परिषद में नवनामांकित अधिवक्तागणों को अधिवक्ता कल्याण योजना 2012 के अंतर्गत अखिल भारतीय बार परीक्षा (एआईबीई) उत्तीर्ण करने पर शासन की 12 हजार की राशि वकालत व्यवसाय प्रारंभ किये जाने हेतु प्रदाय की जाती है। लेकिन परिषद को एआईबीई के 14 वें एग्जाम तक का ही पैसा प्राप्त हुआ है।

मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद को 15, 16, 17 व 18 वें एआईबीई एग्जाम में उत्तीर्ण उत्तीर्ण कुल 18988 अधिवक्तागणों की राशि प्राप्त नहीं हुई है। जो कि कुल देय राशि 22 करोड़ 78 लाख 56 हजार है। श्री सैनी ने बताया कि विधि और विधायी कार्य विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल 22 फरवरी 2025 को अधिसूचना जारी की गई है। जिसमें कि पंद्रहवें एग्जाम में उत्तीर्ण 4595 अधिवक्ताओं में से 3700 अधिवक्ताओं हेतु राशि स्वीकृत की गई है, लेकिन उक्त राशि आज दिनांक तक परिषद को प्राप्त नहीं हुई। पत्र में कहा गया है कि नवनामांकित अधिवक्तागणों को शुरूआती दौर पर अत्यंत आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है जिस हेतु 18988 अधिवक्तागणों की राशि 12 हजार रूपये की राशि शीघ्र अतिशीघ्र प्रदाय की जाये।

लोक शिक्षण संचनालय आयुक्त शिल्पा गुप्ता के खिलाफ वारंट

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने पूर्व आदेश का पालन न होने के मामले को सख्ती से लिया। जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने मामले में लोक शिक्षण संचनालय कमिश्नर शिल्पा गुप्ता के खिलाफ दस हजार रुपये का जमानती वारंट जारी किया है। युगलपीठ ने उन्हें कम्पलाईज रिपोर्ट के साथ 23 मार्च को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने के निर्देश दिये है। दरअसल यह मामले में हरिओम यादव सहित करीब पचास अभ्यार्थियों की ओर से

दायर किये गये है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता रामेश्वर पी सिंह व शिवांशु कोल ने पक्ष रखा। जिन्होंने बताया कि आवेदक सहित पचास से अधिक शिक्षकों को मेरिट के आधार पर अनारक्षित वर्ग में ट्रायबल वेलफेयर स्कूल में की गई पदस्थपना को अवैधानिक मानते हुए उनकी पहली पसंद के अनुसार याचिकार्ताओ के वर्ग में डीपीआई के स्कूल में चार सप्ताह के भीतर पदस्थापना करने हेतु कमिश्नर डीपीआई को निर्देशित किया गया था। निर्धारित समयावधि बीत जाने के बाद भी न्यायालय के आदेश को तवज्जों नहीं दी गई, जिस पर कई अभ्यार्थियों की ओर से अवमानना याचिकाएं दायर की गई। याचिकाकर्ता की ओर से दायर मामले में न्यायालय ने 10 फरवरी 2025 को डीपीआई आयुक्त शिल्पा गुप्ता को नोटिस जारी कर 3 मार्च के पूर्व जवाब तलब किया था। आवेदक की ओर से दलील दी गई कि नोटिस की तामीली के बावजूद भी अनावेदक की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया है और न ही महाधिवक्ता कार्यालय से संपर्क किया। इतना ही नहीं आवेदक की ओर से कहा गया कि अनावेदक के खिलाफ कई अवमानना याचिकाएं लंबित है, लेकिन किसी भी प्रकरण में उनकी ओर से कोई रिस्पांस नहीं दिया जाता। मामले को गंभीरता से लेते हुए न्यायालय ने आयुक्त शिल्पा गुप्ता के खिलाफ जमानतीं वारंट जारी कर उन्हें 23 मार्च को उपस्थित रहने के निर्देश दिये है।

मंडला एसपी व जांच अधिकारी को उपस्थिति के निर्देश

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने फर्जी तरीके से लोन स्वीकृत कराने के मामले में पुलिस अधीक्षक मंडला से पूछा है कि इस मामले में बैंक अधिकारी को आरोपी क्यों नहीं बनाया गया। जस्टिस संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने मामले में कहा है कि उक्त मामले में सही तरीके से जांच नहीं की गई है। एकलपीठ ने एसपी और जांच अधिकारी को अगली सुनवाई के दौरान उपस्थित होने के निर्देश दिये है। मंडला निवासी खगेश झारिया की ओर से अधिवक्ता परितोष त्रिवेदी ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता महिलाल धुर्वे ने एक आवेदन घुघरी थाने में दिया कि एक्सिस बैंक का कर्मचारी खगेश झारिया ने उसे लोन दिलाने का प्रलोभन देकर दस्तावेजों और कोरे चेक में दस्खत करा लिये। महिलाल ने लोन स्वीकृत करवाकर राशि का उपयोग स्वयं ही कर लिया। शिकायतकर्ता का यह कहना था कि वह कभी बैंक गया ही नहीं। दलील दी गई कि खगेश आउट सोर्सेज कंपनी का कर्मचारी है और वह ग्राहक लाकर बैंक को देता है। लोन स्वीकृत करना बैंक अधिकारियों का काम है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने पाया कि जब शिकायतकर्ता बैंक गया ही नहीं तो बिना वेरिफिकेशन के लोन किस बैंक अधिकारी ने स्वीकृत कर दिया। जिसके बाद न्यायालय ने आवेदक को जमानत का लाभ प्रदान करते हुए उक्त निर्देश दिये है।

विद्युत वितरण कंपनी के सीजीएम को हाजिर होने के निर्देश

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने पूर्व आदेश की अवहेलना पर कड़ी नाराजगी जताई है। जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के चीफ जनरल मैनेजर जबलपुर को अगली सुनवाई के दौरान व्यक्तिगत रूप से हाजिर होकर यह स्पष्टीकरण देने कहा है कि पूर्व आदेश का पालन क्यों नहीं किया गया। कोर्ट ने सीजीएम से पूछा है कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाए। मामले पर अगली सुनवाई 10 मार्च को होगी। वहीं हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता सीधी संभाग में कार्यपालन यंत्री के पद पर पदस्थ मुकेश सिंह के विरुद्ध विभागीय जांच पर भी रोक लगा दी। याचिकाकर्ता मुकेश सिंह की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता केसी घिल्डियाल ने पक्ष रखा। जिन्होंने बताया कि कंपनी ने 13 सितंबर 2024 को याचिकाकर्ता को कार्यपालन यंत्री से सागर स्थानांतरण कर दिया। जिसके बाद हाईकोर्ट ने तबादला आदेश निरस्त कर दिया। इसके बाद याचिकाकर्ता को कार्यपालन यंत्री के स्थान पर कार्यपालन यंत्री (स्थापना) के पद पर पदस्थ कर दिया गया। इतना ही नहीं उसे निलंबित भी कर दिया गया। निलंबन आदेश भी विचाराधीन है। याचिकाकर्ता ने कंपनी के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की। इस याचिका के लंबित रहने के दौरान याचिकाकर्ता के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी। हाईकोर्ट ने पाया कि कंपनी ने पूर्व आदेश की अवहेलना की है। याचिकाकर्ता को उस पद पर पोस्टिंग नहीं दी जिससे उसका पहला तबादला किया गया था। न्यायालय ने पाया कि आदेश पालन की बजाय कंपनी ने याचिकाकर्ता के खिलाफ इस बाधार पर विभागीय जांच शुरू कर दी कि वह स्थापना में ज्वाइन नहीं कर रहा है। जिसे घोर अवमानना मानते हुए न्यालालय ने उक्त आदेश दिये।

नाम सुधार

मैं दुर्जन सिंह पिता कुंवर सिंह उम्र 45 वर्ष ग्राम खाम्हा पो. ईमलई जबलपुर म.प्र. पिन 482001 का स्थाई निवासी हूँ। मेरे सभी दस्तावेज आधारकार्ड, बैंक पासबुक, पेनकार्ड, मार्कशीट अन्य दस्तावेज में मेरा नाम दुर्जन सिंह दर्ज है लेकिन मेरा नाम भविष्य निधि फण्ड आफिस रिकार्ड में यू.ए.एन.नं. 100215020702 में महेश सिंह कर दिया गया है यह मेरा घरेलू नाम है और लिखापढ़ी बाला नाम दुर्जन सिंह है। दोनों एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे नाम है में पी एफ खाता में अपना नाम संलग्न दस्तावेजों अनुसार दुर्जन सिंह कराना चाहता हूँ समस्त जानकारी सत्य है जानकारी एवं दस्तावेज असत्य पाये जाने पर में स्वत: जिम्मेदार रहूंगा।

दुर्जन सिंह पिता कुंवर सिंह खाम्हा
पो. इमलई जबलपुर (म.प्र.)

र.नं. 3308

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क्र./1845/1633/अ-6/2024-2025

जबलपुर, दिनांक 06/03/2025

आम इश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक बीना ठाकुर पिता स्व. बैजनाथ ठाकुर अन्य निवासी हिनौतिया रानीताल के द्वारा मौजा हिनौतिया ब्लॉक नं. ... प्लॉट नं. ... स्थित भूमि खसरा नंबर 52, 53, 54, 55, 56 अन्य में से रकवा 5.62 व.फु. भूमि जो राजस्व रिकार्ड में रामनाथ यादव / जानकी यादव के नाम से दर्ज है। आवेदक के द्वारा अपना नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 21/03/2025 तक इस न्यायालय में स्वंय या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक-06/03/2025
पेशी दिनांक-21/03/2025

र.नं. 3307

तहसीलदार
अधारताल जबलपुर

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार के द्वारा विक्रेतागण शरद कुमार रजक, सचिन कुमार रजक दोनों के पिता ओम प्रकाश रजक, निवासी- ए/3, गोपालपुरम, आकांक्षा परिसर बिलहरी जबलपुर वालों से उनके स्वामित्व की संपत्ति मौजा कजरवारा, प.ह.नं. 27 नया 10, न.बं. 505, खसरा नं. 372/1 रकवा 30×75 = 2250 वर्गफुट संपत्ति को क्रय करने का सौदा पक्का किया है जिसकी निकट भविष्य में बैनामा निष्पादित होना है। यदि किसी व्यक्ति फर्म, संस्था को उक्त सौदे से कोई आपत्ति हो तो वह एक सप्ताह के भीतर अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है। अन्यथा आपत्ति मान्य नहीं होगी और वह स्वयं जिम्मेदार व जवाबदार होगा।

जबलपुर
दिनांक-07/03/2025

भवदीय
गोविंद कुमार धनवानी
कार्यालय/निवासी-प्लाट नं. 96, म. नं. 595/1, पुरानी जगदम्बा कॉलोनी, जानकी नगर के पास, जिला जबलपुर म.प्र.
मो.नं. 8839188984

र.नं. 3306

बका लेकर घूमने वाले को एक साल की सजा

जबलपुर,देशबन्धु। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अदालत ने बका लेकर घूमने वाले आरोपी अभिषेक जयसवाल को एक साल की सजा व दो सौ रुपये का अर्थदंड लगाया है। अदालत को एडीपीओं विशाल सिंह ने बताया कि अधारताल पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर करौंदा वायपास के पास स्थित पेट्रोल पंप के पास से आरोपी अभिषेक जयसवाल को बका लेकर घूमते हुए गिरफ्तार किया था। जिसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई थी।

नाम परिवर्तन सूचना

I, Army No JC-584125H Rank NB SUB NAME PREM SINGH GURUNG of Presently residing at Vill TURGOLI, P/O- PATET, TEH- DIDIHAT, DISTT-PITHORAGARH (UK) PIN 262552 शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मेरे सर्विस रिकार्ड में पुत्री का नाम ANCHAL GURUNG दर्ज है जो कि गलत है मेरी पुत्री का सही एवं वास्तविक नाम AANCHAL GURUNG है जो कि मेरी पुत्री के आधार कार्ड स्कूल सर्टिफिकेट एवं अन्य कागजातों में दर्ज है एवं मेरी पुत्री के इस नाम को पढा व सुना एवं मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे। द्वारा शपथ पत्र नं 33AA 622587 दिनांक 07/03/2025 नोटरी जबलपुर म प्र।

गलत नाम- ANCHAL GURUNG
सही नाम- AANCHAL GURUNG

कृति

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, ARMY NO 2701638X L/HAV MOHAN SINGH RANA UNIT- 3 GRENADIERS R/O VILLAGE- ARAINPURA, POST- ARAINPURA,TEH- GHARAUNDA, DISTT- KARNAL, STATE-HARYANA, PIN-132114 शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरे पुत्र का नाम NIRBHAY PRATAP SINGH दर्ज है जो कि गलत है मेरे पुत्र का सही नाम NIRBHAY PARTAP SINGH है जो कि उनके आधार कार्ड एवं अन्य कागजातों में दर्ज है मेरे पुत्र के सही नाम NIRBHAY PARTAP SINGH को पढ़ा व सुना एवं मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे।

गलत नाम-
NIRBHAY PRATAP SINGH
सही नाम-
NIRBHAY PARTAP SINGH

कृति

ई-रिक्शा चुरा ले गये चोर

जबलपुर,देशबन्धु। सिविल लाइन थाना क्षेत्रांतर्गत रेलवे स्टेशन मेट्रो बस स्टॉप के पास बरेला जमुनिया निवासी कुंवर सिंह मरावी बीती रात अपने ई-रिक्शा को खड़ा कर सवारी ढूढ़ रहा था। उसी समय अज्ञात चोरों ने उसका ई-रिक्शा क्रमांक एमपी 20 जेडई-3820 को पार कर दिया। जिसके बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज करायी।

छात्र पर फायरिंग, पैर में धंसी गोली

सिविल लाईन पुराना आरटीओ के पास वारदात

जबलपुर,देशबन्धु। सिविल लाइन थाना अंतर्गत पुराना आरटीओ सिंघई पैलेस के पास बीती रात कार सवार बदमाशों ने एक युवक पर फायरिंग कर दी। जिससे गोली छात्र के पैर की जांघ में जा धंसी, जिसे उपचार के लिये निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरु कर दिये है। पुलिस ने बताया कि घमापुर चौक निवासी 26 वर्षीय अभिषेक श्रीवास्तव सेंट अलॉयसिस कालेज में बीए की पढ़ाई करता है। जो कि बीती रात अपने दोस्त पुराना आरटीओ के समीप रहने वाले अभिषेक पाल के घर गया था। जहां से वह रात्रि करीब बारह बजे अपनी एक्सिस से घर लौटने के लिये निकला और सिंघई पैलेस के पीछे वाले गेट के पास कुछ देर के लिए खड़ा हो गया, उसी समय एक ब्लैक कलर की कार आई, जिसके चालक ने अभिषेक के पास आकर कार रोक दी। कार के कांच खुले थे, जिसमें वेद रजक, बल्लू उर्फ कृष्णा रजक, मोनू व आशुतोष ने गाली गलौज शुरु कर दी। अभिषेक ने विरोध किया तो वेद रजक ने उसकी हत्या करने की नियत से उस पर गोली दाग दी, जो कि उसके पैर की जांघ में जा लगी, इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गये। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरु कर दिये है।

कार्यालय, संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- सभा. अधि./13/मुख्यालय 2024-25/एम/280 दिनांक 07.03.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विनीता तिवारी पुत्री श्री राम भरोसे दुबे ने मकान नं. 762/36 एफ 28 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती द्वितीय तल 775 व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक- 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

र.नं. 3304

राजस्व निरीक्षक
संभागीय अधिकारी, संभाग क्रं.-13
मुख्यालय नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- सभा. अधि./13/मुख्यालय 2024-25/एम/276 दिनांक 07.03.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती उज़्मा अहमद पति श्री मेराज़ अहमद ने मकान नं. 1520 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती क्षेत्रफल 535 व.फु. भूतल 380 व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक- 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

र.नं. 3304

राजस्व निरीक्षक
संभागीय अधिकारी, संभाग क्रं.-13
मुख्यालय नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- सभा. अधि./13/मुख्यालय 2024-25/एम/278 दिनांक 07.03.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 1. शिवेन्द्र कुमार परिहार 2. श्री मितेन्द्र परिहार दोनों के पिता श्री गोविन्द प्रसाद परिहार ने मकान नं. 2891/1ए/2886/ए से 2890/ए का भाग वार्ड पं. भवानी प्रसाद तिवारी भूतल 139 व.फु. मैजनाइन-124 व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक- 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

र.नं. 3300

राजस्व निरीक्षक
संभागीय अधिकारी, संभाग क्रं.-13
मुख्यालय नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- सं.क्र.11/19-20/

दिनांक 07/03/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राजमणि कुशवाहा पिता स्व. श्री रामाधीन कुशवाहा ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई वार्ड के भवन क्रमांक 3350/3 कुडरिया गांव गौर नदी जमतरा रोड सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000382665, पर निर्मित भूतल 800 व.फु. कच्चा पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र दान पत्र के आधार पर निगम में दर्ज हरी भटनागर पिता श्री इन्द्रनारायण भटनागर का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

र.नं. 3296

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.-11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- सं.क्र.11/19-20/

दिनांक 07/03/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राकेश परिहार पिता स्व. श्री देशराज सिंह परिहार ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाष चन्द बैनर्जी वार्ड के भवन क्रमांक फ्लेट नं. 309 आशित अपार्टमेंट सिविल लाइन सम्पत्ति के पिन क्रमांक 4502759, 1000398321 पर प्रथम तल 700 व.फु. आरसीसी पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज ज्ञानेश दुबे-श्रीमती संध्या दुबे पत्नी श्री ज्ञानेश दुबे का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

र.नं. 3299

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.-11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र.11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- सं. क्र.11/19-20/.. दि.07/03/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती भारती कुशवाहा पत्नी अम्बिका प्रसाद कुशवाहा ने वार्ड क्रमांक 43 वार्ड का नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड के भवन क्रमांक 170/1 कस्तूरबा पोस्ट ऑफिस के पास सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1004579892 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 566 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती नेहा धूपर पति दुर्गेश धूपर का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

र.नं. 3299

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.-11 नगर निगम, जबलपुर

आईजी बंगले के समीप एक युवक और वृद्ध सट्टा-पट्टी सहित दबोचे गये

जबलपुर,देशबन्धु। रांझी पुलिस ने एक युवक को तो कुंडम पुलिस ने एक 68 वर्षीय वृद्ध को सट्टा पट्टी लिखते हुए रंगे हाथ दबोचा है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से सट्टा पट्टी व इक्कीस हजार नब्बे रुपये की नकदी जप्त की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ सट्टा एक्ट के तहत कार्यवाही की है। रांझी पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर गोकलपुर सामुदायिक भवन के पास दबिश दी गई। जहां से घमापुर छुई मोहल्ला निवासी 26 वर्षीय शुभम मराठा को सट्टा पट्टी लिखते हुए दबोचा गया। पुलिस ने आरोपी के पास से 4 नग सट्टा पट्टी, एक पेन, एक केलकुलेटर, एक ओप्पो कंपनी का मोबाइल तथा नगदी 16 हजार 30 रूपये जप्त किये है। इसी प्रकार कुंडम पुलिस ने इमलई रोड ग्राम खंदिया में दबिश दी। जहां से पुलिस ने खंदिया निवासी 68 वर्षीय गरीबा चक्रवती को हिरासत में लिया। जिसके पास से तीन सट्टा पट्टी व पांच हजार 60 रुपये की नकदी जप्त की। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह दो सौ रुपये दिहाड़ी पर रांझी जबलपुर निवासी सचिन शर्मा के लिए सट्टा पट्टी लिखने का काम करता है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए सचिन शर्मा की गिरफ्तारी के प्रयास शुरु कर दिये है।

बैंड व डीजे संचालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज

जबलपुर,देशबन्धु। संजीवनी नगर पुलिस ने जबाली पैलेस में आयोजित एक विवाह समारोह में बगैर अनुमति तेज ध्वनि में बैंड व डीजे का संचालन करने वाले लक्ष्मी बैंड संचालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि बीती रात कंट्रोल रूम को सूचना मिली थी। जिस पर जबाली पैलेस पर दबिश दी गई, लेकिन तब तक बैंड व डीजे संचालक बॉक्स लेकर जा चुका था। पुलिस ने पतासाजी करते हुए लक्ष्मी बैंड धनवंतरी नगर के संचालक के खिलाफ मप्र कोलाहल अधिनियम के तहत कार्यवाही की है।

पिकअप वाहन ने मारी टक्कर

जबलपुर,देशबन्धु। रांझी थाने में कुम्हार मोहल्ला रिछाई निवासी 53 वर्षीय सुमेर चंद्र चक्रवती ने शिकायत दर्ज करायी। जिसमें उसने बताया कि वह शाम को दौलत किराना से पैदल अपने घर जा रहा था। मड़ई सरस्वती स्कूल के पास इंडियन गैस वितरण करने वाले पिकअप क्रमांक एमपी 20 एलबी-0460 के चालक शंकर कुशवाहा ने लापरवाही पूर्वक वाहन को रिवर्स करते हुए उसे धक्का मार दिया, जिससे वह गिर गया और उसे चोट आ गई।र में बदमाशों का उत्पात, एक व्यक्ति की मौत हो गई।

नाम सुधार सूचना

मैं सुनील कुमार साहू पिता श्री बालाराम साहू उम्र 39 वर्ष सा. ग्राम भिडारीकला तह. पनागर जिला जबलपुर का निवासी हूं। मेरे पुत्र हर्षवर्धन साहू का जन्म 27 जनवरी 2023 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पनागर में हुआ था भूलवश मेरा नाम सुनील साहू लिख गया था जबकि मेरा नाम सुनील कुमार साहू ही सही है दोनों नाम एक ही व्यक्ति के अर्थात मेरे ही हैं। मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र का नाम सुधारकर सुनील कुमार साहू किया जावे। किसी प्रकार की असत्य जानकारी एवं कथन का मैं स्वयं जिम्मेदार रहूंगा।

सुनील साहू
पिता-बालाराम साहू
भिडारीकला तह. पनागर
जिला-जबलपुर म.प्र.

र.नं.- 3308

नाम सुधार सूचना

मैं संजय लोधी पिता श्री गिरानी लाल उम्र 43 साकिन ग्राम पड़रिया तह. पनागर जिला जबलपुर म.प्र. शपथपूर्वक कहता हूं कि मैं उपरोक्त पते का स्थाई निवासी हूं मेरे पुत्र शिवम लोधी (SHIVAM LODHI) का जन्म 3 मार्च 2020 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पनागर में हुआ था जिनकी माता का नाम सरिता बाई लोधी (SARITA BAI LODHI) है। एवं पिता का नाम संजय लोधी है। जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र के नाम माता एवं पिता के नाम के साथ पटेल जुड़ा है। जबकि हम लोगों का नाम के आगे पटेल नहीं लिखा जाता। अत: इसमें सुधार कर पटेल शब्द अलग किया जावे इसके सुधार हेतु आवेदन दिया है असत्य कथन का जिम्मेदार मैं स्वयं रहूंगा।

संजय लोधी
पिता गिरानी लाल उम्र 43 वर्ष
ग्राम पड़रिया तहसील पनागर
जिला-जबलपुर म.प्र.

र.नं.- 3308

नाम सुधार सूचना

मैं प्रदीप गांगुली, असिस्टेंट रजिस्ट्रार, उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश मुख्यपीठ जबलपुर, शपथ पूर्वक यह कथन करता हूं कि मेरे सर्विस रिकार्ड/सेवा अभिलेख में मेरा नाम प्रदीप कुमार गांगुली आत्मज स्व. अमल कुमार गांगुली (Pradeep Kumar Ganguly) लिखा जा रहा है, जो कि गलत है। मेरा सही व वास्तविक नाम प्रदीप गांगुली (Pradip Ganguly) आत्मज स्व. श्री अमल कुमार गांगुली है जो कि अन्य शासकीय अभिलेखों यथा आधार कार्ड, पेन कार्ड, समग्र आईडी एवं पासपोर्ट में दर्ज है। अतएव मुझे मेरे सही एव वास्तविक नाम प्रदीप गांगुली (Pradip Ganguly) आत्मज स्व. श्री अमल कुमार गांगुली से जाना एवं पहचाना जावे तथा मेरी सेवापुस्तिका एवं शासकीय अभिलेखों में दर्ज किया जावे।

गलत नाम- प्रदीप कुमार गांगुली
(Pradeep Kumar Ganguly)
सही नाम- प्रदीप गांगुली
(Pradip Ganguly)

र.नं.- 3287

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर

रा.प्र.क्रं/0612/अ-6/2024-2025

आम इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/ आवेदिका मंजीत सिंह व अन्य पिता/पति स्व. मदन सिंग सग्गू निवासी- 994 सुभाष नगर मानेगांव द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र क्रं. .... दिनांक..../वसीयतनामा/बंटवारा नामा/ हस्तांतरण पत्र/ हकत्याग पत्र/ दान पत्र/ दस्तवरदारी/ तबादलानामा के माध्यम से मौजा मानेगांव नं.बं.... प.ह.नं. 57 खसरा नं. 61/2/1 प्लाट नं.... रकवा 3115 व.फु. हेक्टे./वर्गफुट पर विक्रेता/ वसीयतकर्ता म.प्र. शासन पिता/पति.... निवासी..... से क्रय की गई भूमि पर अपना नाम दर्ज कराने पंजीकृत विक्रय पत्र/ फ्री होल्ड विलेख/ वसीयतनामा/ बटवारा नामा/ हस्तांतरण पत्र/हकत्याग पत्र/ दान पत्र/ दस्तवरदारी/ तबादलानामा/ मुख्त्यार आम एवं खसरा की छायाप्रति/ सत्यापित प्रति संलग्न कर नामांतरण/ फौती नामांतरण/ बटवारा/ नक्शा बटांकन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उपरोक्त नामांतरण स्वीकृत किये जाने में यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति न्यायालय में पेशी दिनांक 24/03/25 तक उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 07/03/25 को इश्तहार जारी किया गया।

र.नं.- 3298

नायब तहसीलदार
रांझी, जबलपुर

(विक्रय-पत्र)

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क्रं/3149/अ-6/2023-24

जबलपुर, दिनांक 07/03/2025

आम इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री देशराज सिंघई पिता डॉ. श्रीपाल राज जैन निवासी- संगम कालोनी जबलपुर के द्वारा मौजा लक्ष्मीपुर ब्लॉक नं. ....प्लॉट नं. ... स्थित भूमि खसरा नंबर 327/1/2/1 में से रकवा 0012 भाग 1/3 रकवा 0.0360 हे. भूमि जो आवेदक के द्वारा विक्रेता श्रीमती मृदुला शर्मा पत्नी राजेश प्रकाश शर्मा से रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 31/05/97 से क्रय किया जाना लेख किया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 22/02/2025 तक इस न्यायालय में स्वंय या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा / आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक-07/03/2025
पेशी दिनांक-22/03/2025

कृति

तहसीलदार
अधारताल जबलपुर

(विक्रय-पत्र)

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क्रं/3157/अ-6/2023-24

जबलपुर, दिनांक 03/03/2025

आम इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री देशराज सिंघई पिता श्रीपाल राज जैन निवासी- जबलपुर के द्वारा मौजा सुभाषनगर ब्लॉक नं. ....डायवर्सजन शीट नं. 102 प्लॉट नं. 102 स्थित भूमि खसरा नंबर 73/1 में से रकवा 1540 व.फु. भूमि जो आवेदक के द्वारा विक्रेता श्रीमती बीना वाधवा पत्नी जोगेन्द्र कुमार वाधवा से रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 14/02/94 से क्रय किया जाना लेख किया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 18/03/2025 तक इस न्यायालय में स्वंय या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा / आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक-03/03/2025
पेशी दिनांक-18/03/2025

कृति

तहसीलदार
अधारताल जबलपुर

शासकीय अस्पताल में नहीं हो पा रहे हैं एक्स-रे

मरीज होते हैं परेशान जिम्मेदार बेखबर

बरेला, देशबन्धु। शासकीय अस्पतालों में जहां एक और प्रशासन सभी सभी सुविधाएं उपलब्ध होने का दावा करता है तथा यह प्रचारित किया जाता है कि अस्पताल में लोगों को सभी सुविधा निशुल्क मुहैया कराई जा रही हैं किंतु नगर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरेला में विगत एक महीने से एक्स रे फिल्म ना होने के कारण यहां के गरीब मरीजों को एक्स-रे की सुविधा नहीं मिल पा रही है। इसके कारण गरीब लोगों को मजबूरी बस महंगे दाम पर निजी अस्पताल में एक्स-रे कराना पड़ रहा है।

विदित हो कि यहां पर क्षेत्रीय विधायक द्वारा भगत कुछ साल पहले डिजिटल एक्स-रे की सुविधा भी प्रदान की गई थी यह सुविधा कुछ दिनों तक तो ठीक चली किंतु उसके बाद वह भी सरकारी हिलावली का हिस्सा बनकर रह गई। आस पास देहाती क्षेत्र होने के कारण यहां पर एक्स-रे कराने के लिए मरीज बड़ी दूर-दूर से यहां आते हैं, किंतु अस्पताल में एक्स रे ना होने के कारण उन्हें मायूस होना लौटना पड़ रहा है। बताया जाता है कि कि अस्पताल में एक्स रे मशीन में लगने वाली फिल्म ही विगत एक महीने से उपलब्ध नहीं है। यह फिल्म जिला से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध कराई जाती थी किंतु जिले से भेजी गई फिल्म यहां पर एक्स रे मशीन में नहीं लग रही है।जिसके कारण यहां के लोगों को डिजिटल एक्स रे कीसुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही है। यहां अस्पताल में जवाब देह अधिकारियों द्वारा इस संबंध में भीकोई कार्यवाही नहीं की जा रही है इसका खामियाजा गरीब लोगों को भुगतना पड़ रहा है। बताया जाता है कि यहां पर पदस्थ बी एम ओभी हफ्ते में एकाद दिन ही आती है। उन्हें यहां पर होने वाली समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है। यह अस्पताल वर्तमान में भगवान भरोसे ही चल रहा है जिसका परिणाम है कि यहां पर सुविधाएं न के बराबर है।

अस्पताल में एक्स रे फिल्म ना होने की जानकारी बीएमओ से लेकर जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी तक है किंतु इसके बावजूद भी यहां पर एक्स-रे के लिए फिल्म उपलब्ध कराने की कोई कवायतनहीं की जा रही है तथा गरीब आदमी को भटकने के लिए छोड़ दिया गया है। एक्स रे फिल्म उपलब्ध न होने की स्थिति में स्थानिय प्रशासन द्वारा रोगी कल्याण समिति से भी फिल्म क्रय की जा सकती है किंतु जवाब देह कर्ण धारों ने केवल इस संबंध में भी महीने बीत जाने के बाद भी कोई प्रक्रिया नहीं अपनाई गई है ।अब देखना यह है कि इस अस्पताल में कितने दिन तक कितने महीना में उपलब्ध हो पाती है क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा भी इस अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण नहीं किया जाता है इसके कारण यहां पर समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। इनका कहना है बीएमओ डॉक्टर रश्मि भटनागर जिले से आई हुई एक्स-रे फिल्म को वापस कर शीघ्र ही रोगी कल्याण समिति से क्रय करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

80 करोड़ की लागत से करौंदा से कुशनेर सड़क का होगा चौड़ीकरण

परियट सेतु पुल का भी होगा निर्माण, लोकनिर्माण मंत्री सहित विधायकों ने किया भूमि पूजन

पनागर, देशबन्धु। विधानसभा पनागर क्षेत्र अंतर्गत पुराने नेशनल हाईवे क्रमांक 7 पर करौदा से कुशनेर की रोड का चौड़ीकरण एवं परियट पुल के निर्माण लागत 80 करोड़ का भूमि पूजन लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के मुख्य अतिथि में एवं विधायक सुशील तिवारी एव संतोष बरकड़े जिला पंचायत अध्यक्ष आशा गोटिया की वरिष्ठता में संपन्न हुआ, साथ ही सिहोरा विधानसभा क्षेत्र के गांधीग्राम में अपूर्ण हिस्से का चौड़ीकरण लगभग 8 करोड़ की लागत से होगा कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा की बहुप्रतीक्षित यह मांग जो क्षेत्र वासियों की थी इसका भूमि पूजन कर कार्य प्रारंभ किया जिससे पनागर के आसपास से जुड़े क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति प्रदान होगी(

विधायक सुशील तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह बाईपास एवं पुल का निर्माण क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर सुविधाएं एवं सुगम यातायात प्रदान करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में जिला ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल हर्ष तिवारी राजमणि बघेल नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप पटेल आनंद जैन सुभाष तिवारी रिंकू जैन शैलेंद्र साहू लखन देवानी विजय ठाकुर मोनू खरे अंकुर जैन कांति सैनी सर्वेश मिश्रा रामनिवास गौतम पदम मोदी शीतल पटेल लोक निर्माण अभियंता शैलेंद्र वर्मा अनुविभागीय अधिकारी अभिषेक सिंह उपस्थित रहे।

सार-समाचार

माँ रेवा वेयरहाउस के मालिक नितेश पटैल को मिली राहत

सिहोरा सत्र न्यायाधीश ने दिया जमानत का लाभ

सिहोरा, देशबन्धु। विगत दिनों मझौली थाना अंतर्गत माँ रेवा वेयर हाउस मझौली के संचालक नितेश पटेल के विरुद्ध एम एस पी पर धान की खरीद के दौरान 6068 क्विंटल से अधिक धान जिसका मूल्य 1 करोड़ 39 लाख 57 हजार 757 रुपये था की अफरा तफरी कर शासन व किसानों के साथ धोखाधड़ी करने के मामले में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुरेश कुमार राय के द्वारा मझौली थाने में लिखित आवेदन पत्र देकर मझौली पुलिस से आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था जिस पर मझौली पुलिस ने माँ रेवा वेयरहाउस संचालक के के खिलाफ अप क्रमांक 87/2025 धारा 316(5),318(2), 61(1)(ड्ड) के तहत प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था शुक्रवार को माँ रेवा वेयरहाउस मझौली के संचालक ने जमानत याचिका दायर की उक्त मामले में अधिवक्ता आनंद मणि त्रिपाठी को पैरवी करने के लिए नियुक्त किया गया।

न्यायाधीश सैफी दाऊदी ने उक्त प्रकरण में वेयर हाउस मालिक की तरफ से पैरवी कर रहे अधिवक्ता आंनद मणि ने माननीय न्यायालय के समक्ष दस्तावेज प्रस्तुत किये और वेयरहाउस संचालक नीतेश पटैल पर लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी के आरोपों को गलत बताते हुए माँ रेवा वेयरहाउस मझौली के संचालक की जमानत याचिका पर स्वीकृति देने का आग्रह किया जिस पर माननीय न्यायाधीश श्री सैफी दाऊदी ने नीतेश पटैल की जमानत याचिका स्वीकार कर रिहा करने के आदेश जारी किए।

भाजपा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल का गर्मजोशी से स्वागत

गांधीग्राम, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त यशस्वी जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल का गांधीग्राम बुढ़ागर में, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष राजमणि सिंह बघेल के नेतृत्व में आत्मीय अभिनंदन किया, इस अवसर पर सिहोरा विधानसभा के लोकप्रिय विधायक श्री संतोष बरकड़े का पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। भाजपा जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल और सिहोरा विधायक संतोष बरकड़े को भाजयुमो जिला अध्यक्ष राजमणि सिंह बघेल ने सिर पर रंगीन पगड़ी पहनाकर उन्हें अयोध्या के श्रीराम मंदिर में विराजे रामलला की फोटो भेंट दी। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा की। भाजयुमो जिला अध्यक्ष राजमणि सिंह बघेल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि नवनियुक्त भाजपा जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल की यह जिम्मेदारी सभी कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ताओं के लिए गर्व का विषय है। कार्यकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। उनके नेतृत्व से पार्टी को नई ऊंचाइयां मिलेगी।

इस अवसर पर इसअवसर पर गजराज सिंह बघेल , हर्ष तिवारी, राहुल त्रिपाठी, प्रिंस पटेल, महेश सेन, कृष्ण पाल सिंह, आलोक सिंह, आकाश पटेल, मनीष, लक्ष्मण काछी ,भागचंद साहू , बसंत तिवारी, दिनेश पांडे बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी गण ,युवा साथी एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

ब्राइट फ्यूचर मुंबई ने एसएसए कॉलेज में कॅरियर मार्गदर्शन का किया आयोजन

सिहोरा, देशबन्धु। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आज नेशनल हाईवे प्राधिकरण संगठन के सहयोग से ब्राइट फ्यूचर संस्था मुंबई द्वारा 148 छात्र छात्राओं की काउंसलिंग की गई । विद्यार्थियों के 50 प्रश्नों के टेस्ट के पश्चात ब्राइट फ्यूचर द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रमाण पत्र प्राचार्य प्रो.एमके श्रीवास्तव द्वारा विद्यार्थियों को प्रदाय किए गए। ब्राइट फ्यूचर भारत में 11-25 वर्ष की आयु के एक गैर-लाभकारी वंचित युवा है, जिसमें 21वीं सदी के कौशल, करियर विकास, सलाह और रोजगार का अवसर प्रदान करता है। संगठन माता-पिता, शिक्षकों और नियोक्ताओं को एक ऐसा वातावरण बनाने के लिए भी संलग्न करता है ,जो सूचित कैरियर निर्णयों का समर्थन करता है।

मंत्री प्रहलाद पटेल का पनागर ब्लॉक कांग्रेस ने किया पुतला दहन

पनागर, देशबन्धु। पनागर ब्लॉक कांग्रेस से जारी विज्ञप्ति में पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल की व्यान बाजी और जनता की मांगों को भीख बताने पर पनागर ब्लाक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश शासन के मंत्री प्रहलाद पटेल का पुतला दहन किया गया।

इसमें कांग्रेस नेत्री विनीता यादव ब्लाक अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव संगीता सिंह सांसद प्रतिनिधि विमल जैन नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप पटेल तुलसी कुशवाहा बेड़ी लाल कुशवाहा प्रमोद पटेल राजेश पटेल प्रदीप पटेल जनपद सदस्य सुशील केवट गोलू यादव संतोष प्रजापति मनोज पहलवान जम्मन श्रीपाल रामदास पटेल धर्मेंद्र राय कुंदन सिंह ठाकुर नरेश रजक रामू मिश्रा अनारी कोरी वीरेंद्र उपाध्याय रवि ठाकुर श्याम कोरी आनंद यादव सुभाष प्रजापति अर्जुन कुशवाहा आदि कांग्रेस जनो ने पनागर कमानिया गेट में पुतला दहन का नारेबाजी की एवं पुलिस प्रशासन से कांग्रेसियो की झड़प हुई एवम प्रशासन द्वारा पानी डालकर आग पर काबू किया गया।

जामा मस्जिद शहपुरा जुमा की नमाज अदा

शहपुरा, देशबन्धु। नगर में मुस्लिम समाज के पवित्र माह रमजान का त्यौहार पर जुमा जामा मस्जिद शहपुरा में पहला रोजा अदा किया। ईमाम मौलाना अजीमुश्शान बरकाती साहब ने नमाज़ अदा कराई। मुस्लिम समुदाय में खुशी के मौके पर सभी लोग रोजा रखकर अल्लाह का शक्र अदा करते हैं। पूरे माह तरहवी पढ़ते हैं। शहपुरा हसनी हुसैनी सोसायटी (मानव सेवा समिति) हर साल की तरह इस साल भी 26वें रोजे को आम सेहरी का आयोजन करती है। समस्त मुस्लिम समाज व रोजदार भाई शिरकत करें।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पर आरोप लगाते हुए जलाया पुतला

पनागर, देशबन्धु। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का विरोध करते हुए पनागर बस स्टैंड में पुतला दहन करते हुए जनपद अध्यक्ष शैलेन्द्र पटेल ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा एक निजी सामाजिक कार्यक्रम के भाषण को कांग्रेस द्वारा तोड़ मरोड़कर जनता के बीच प्रस्तुत करना निंदनीय है जिसको लेकर पनागर बस स्टैंड में नारेबाजी के साथ पुतला जलाया गया जिसमें जनपद अध्यक्ष शैलेन्द्र पटेल अतुल पटेल रवि पटेल राज दुबे अमित दुबे अभिषेक पटेल भारत पटेल रवि चरण पटेल धनेश पटेल पहलाद पटेल मोंटी सोलंकी आयुष मिश्रा साहिल सूर्यवंशी विवेक पटेल सहित अनेक लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

हुडदंगियों पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर

शांति समिति की बैठक आयोजित

गोसलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश शासन पुलिस विभाग के द्वारा प्राप्त दिशा निर्देशों के परिपालन में शुक्रवार को पुलिस थाना प्रांगण गोसलपुर में थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह मर्सकोले एवं नगर के गणमान्य नागरिकों जन प्रतिनिधियों की मौजूदगी में आगामी होली रमजान चैत्र नवरात्र पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। थाना प्रभारी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्राप्त दिशा निर्देशों से सभी को अवगत कराया एवं सभी से आपसी भाईचारे व सौहार्दपूर्ण ढंग से त्योहार मनाने की अपील की थाना प्रभारी ने बताया की होली के मद्देनजर विशेष पेट्रोलिंग दल गठित कर शराबियों हुड़दंगियों समाज में अशांति फैलाने वाले लोगों को किसी सूरत में नहीं बक्शा जायेगा।

बैठक में प्रमुख रूप से जनपद सदस्य धर्मेंद्र सिंह राजपूत, हेमचंद असाटी, अनिल चौधरी, रवि सिंह, महेंद्र सिंह, अजीत मिश्रा, मनीष पटेल, दिलीप पटेल, अर्पित चौबे, कमल पटेल, लायक खान, महेश सेन, विज्ञान सिंह, नरेश पटेल, अमित सिंह परिहार, अजीम खान, अजय कोरी, बहादुर सिंह, अनूप सोनी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

जिला स्तरीय सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र का किया भ्रमण

पनागर, देशबन्धु। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जबलपुर ने शुक्रवार को राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित जिला स्तरीय सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र पनागर का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान सी ई ओ महोदय द्वारा 04 दिवसीय लोकोस ट्रांजेक्शन विषय पर चल रहे प्रशिक्षण का निरीक्षण किया, जिसमे प्रशिक्षण प्राप्त कर रही दीदियो से लोकोस विषय पर विस्तार से जानकारी प्राप्त की ।

तदोपरांत दीदियो से लोकोस संबंधित विभिन्न प्रश्न जैसे लोकोस क्या है, इस ऐप के क्या फायदे है, इस ऐप पर कौन-कौन सी जानकारी अपलोड की जाती है। दीदियो के द्वारा समस्त प्रश्नो के प्रति उत्तर मे लोकोस ऐप स्वयं सहायता समूह की समस्त जानकारिया डिजिटल रूप से संधारित करने, समूह द्वारा किए जा रहे लेन-देन को संधारित करने का आनलाइन प्लेटफार्म है। सी ई ओ महोदय द्वारा प्रशिक्षण के दौरान लोकोस ऐप मे लाईव प्रविष्ट को देखा गया! अंत मे महोदय द्वारा प्रशिक्षण समाप्ति पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र दिया गया और भविष्य मे बेहतर काम करने के लिए शुभकामनाएं दी गई। इस भ्रमण में जिला पंचायत से मनोज सिंह अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जनपद पंचायत पनागर के सीईओ सैयद मजहर अली जिला परियोजना प्रबंधक डीपी तिवारी जिला प्रबंधक एमएण्डई सीमा सरोज, जिला प्रबंधक एमएफ रवि परस्ते ब्लॉक से अरविंद शर्मा आशुतोष तिवारी ,रिशा पांडे ,अर्चना श्रीवास्तव ,नीतू तिवारी एवं जनशक्ति संकुल स्तरीय संगठन के अध्यक्ष सोनू कुशवाह आरती पटेल सुहासिनी जयंती एवं सरिता रेकवार (प्रशिक्षक) व स्व सहायता समूह की दीदीया उपस्थित रहीं।

77 हजार रुपये का वसूला जुर्माना, अनियमितता पर थमाया नोटिस

खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच

गुरुड़ दल ने नगर के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का किया औचक निरीक्षण

पाटन, देशबन्धु। नगर के व्यवसायिक प्रतिष्ठानों, निजी स्कूलों, प्राइवेट क्लीनिक एवं दवा दुकानों से नियामक नियमों का पालन कराने कलेक्टर दीपक सक्सेना के द्वारा अनुविभागवार गठित गरुड़ दलों में से अनुविभागीय दण्डाधिकारी पाटन मानवेन्द्र सिंह राजपूत के नेतृत्व में गठित राजस्व विभाग, नगर परिषद, खाद्य सुरक्षा प्रशासन, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग,नाप-तौल विभाग, कृषि विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त दल ने पाटन नगर के कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जहाँ विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से 77 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। प्रतिष्ठानों को निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को शोकॉज नोटिस भी जारी किया गया। खाद्य सामग्री के विक्रेताओं से परीक्षण हेतु खाद्य सामग्री के नमूने भी निरीक्षण करने लिये गये तथा तीन घरेलू रसोई गैस सिलेंडरों को जप्त किया गया।

गरुड़ दल की कार्यवाही में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा सिविल कोर्ट चौराहा स्थित मदन मिष्ठान भंडार से खोवा, मिठाई मोतीचूर के लड्डू, चौधरी मोहल्ला स्थित मां खेरमाई डेयरी से क्रीम एवं दही, ठाकुर भोजनालय से आटा एवं चावल तथा चौधरी मोहल्ला स्थित जय लक्ष्मी स्वसहायता समूह से कढ़ी के नमूने संग्रहित किये सभी नमूने राज्य खाद्य परीक्षा प्रयोगशाला भोपाल जांच के लिए भेजे जा रहे हैं।

प्रयोगशाला जांच में खाद्य सामग्री के नमूने अमानक पाए जाने पर दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई के लिए प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। गरुड़ दल की कार्यवाही में नाप-तौल विभाग की टीम द्वारा नेमा मिष्ठान भंडार,अशोक किराना स्टोर्स, कार्तिक दुबे किराना स्टोर,मां खेरमाई डेयरी,महाकाल हार्डवेयर एंड इलेक्ट्रिकल्स का निरीक्षण किया गया। नेमा मिष्ठान भंडार में रखे अंशुल नमकीन के पैकेट की जांच की गई। जांच के दौरान पैकेट यूएसपी अप्रदर्शित पाये जाने पर पैकेज कमोडिटी रूल्स नियम 2011 पीसीआर के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। अशोक किराना स्टोर्स में रखें

रिलीफ धमाका टी पैकेट की जांच की गई जांच के दौरान यूएसपी अप्रदर्शित पाए जाने पर पैकेज्ड कमोडिटी रूल्स नियम 2011 पीसीआर के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। कार्तिक दुबे किराना स्टोर में रखें तौल-कांटे की जांच की तथा असत्यापित पाये जाने पर प्रकरण दर्ज किया गया।

कार्यवाही में शामिल शिक्षा विभाग की टीम ने तीन अशासकीय विद्यालय जिनमें मिस्पा मिशन हायर सेकेंडरी विद्यालय,किड्स जोन एवं विवेकानंद हायर सेकेंडरी स्कूल का निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाया गया कि मिस्पा मिशन स्कूल द्वारा संचालित बस के ड्राइवर और कंडक्टर का पुलिस वेरिफिकेशन सितम्बर 2024 के बाद अद्यतन नहीं करवाया गया। जिन्हें तत्काल अद्यतन करवाने हेतु निर्देशित किया गया। विद्यालय परिसर में कुछ एक जगह बिजली के तार अव्यवस्थित पाए गए। इसी प्रकार विवेकानंद हायर सेकेंडरी विद्यालय में स्टाफ के पुलिस वेरिफिकेशन में कमी पाई गई,साथ ही भवन में छत की सलाखें अव्यवस्थित पाई गए जिससे भविष्य में बच्चों की असुरक्षा को देखते हुए तत्काल सुधार हेतु निर्देश दिए गए। खाद्य विभाग की टीम द्वारा सिविल कोर्ट चौराहा स्थित मदन मिष्ठान भंडार से भारत पेट्रोलियम के 2 घरेलू रसोई गैस सिलेंडर एवं ठाकुर भोजनालय से भारत पेट्रोलियम का एक घरेलू रसोई गैस सिलेंडर जप्त किया गया। खाद्य विभाग की टीम द्वारा नुनसर स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान का भी निरीक्षण कर फरवरी माह के खाद्यान्न का वितरण,ई-केवाईसी रिपोर्ट तथा स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया। गरुड़ दल में शामिल कृषि विभाग की टीम द्वारा गणेश फर्टिलाइजर पाटन,श्रीराम फर्टिलाइजर एवं शुभ कृषि धान कृषि केंद्र का निरीक्षण किया गया। शुभ कृषि धान कृषि केंद्र एवं श्रीराम फर्टिलाइजर पाटन को रिकार्ड संधारण न करने हेतु कारण बताओ नोटिस कर तीन दिन के भीतर इसका जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। गरुण दल द्वारा की गई औचक निरीक्षण की कार्यवाही के दौरान नगर परिषद के अमले द्वारा नगर के विभिन्न दुकानों में ट्रेड लाइसेंस नहीं होने पर चालानी कार्यवाही की गई।

पाक-अफगान तोरखम सीमा पर तनाव, बॉर्डर नहीं खुलने से बढ़ सकती है काबुल की परेशानी

काबुल, (आईएएनएस)। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने चेतावनी दी कि तोरखम सीमा के बंद रहने से, आने वाले हफ्तों में अफगानिस्तान में खाद्य पदार्थों की कीमत बढ़ने की संभावना है, जिससे व्यापार प्रवाह बाधित हो सकता है और आर्थिक कठिनाइयां बढ़ सकती हैं। अमू टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक डब्ल्यूएफपी ने एक बयान में कहा कि निर्माण गतिविधियों को लेकर विवाद की वजह से बॉर्डर 22 फरवरी से बंद है जिसके कारण जरूरी चीजों, विशेष रूप से खाद्य आपूर्ति की आवाजाही रुक गई है और 5,000 मालवाहक ट्रक फंस गए हैं। डब्ल्यूएफपी के नवीनतम बाजार विश्लेषण के अनुसार, पिछले सप्ताह अफगानिस्तान में खाद्य पदार्थों की कीमतों में मामूली उतार-चढ़ाव देखा गया। चावल और चीनी की कीमतों में मामूली वृद्धि हुई है, जबकि अन्य खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट आई है, जिसका मुख्य कारण अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अफगानी मुद्रा में 0.8 प्रतिशत की वृद्धि है।

चंद्रमा पर कहां गायब हो गया अमेरिका का एथेना लैंडर? टेंशन में वैज्ञानिक, नासा ने रोका टेलिकास्ट

अमेरिका की प्राइवेट कंपनी इंट्यूएटिव मशीन्स का एथेना लैंडर गुरुवार को चांद पर उतरा था। इसकी पुष्टि नासा ने भी की थी। हालांकि अब कहा जा रहा है कि इसकी स्थिति की जानकारी नहीं मिल रही है। वहीं नासा ने लाइव टेलिकास्ट भी बंद कर दिया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह पता नहीं चल पा रहा कि लैंडर चांद की सतह पर सीधा खड़ा है या नहीं। जानकारी के मुताबिक मिशन की पुष्टि को लेकर समय लग सकता है।

मिशन के डायरेक्टर और कंपनी के टिम क्रेन भी स्पष्ट नहीं कर पाए कि मिशन चंद्रमा पर उतरा है या नहीं। उन्होंने कहा कि लैंडर की स्थिति का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

अधिकारियों का कहना है कि सतह पर उतरने के बाद भी लैंडर से संपर्क साधा गया था। पिछली बार जब 'इंट्यूटिव मशीन्स' नामक इस कंपनी ने एक वर्ष पहले चंद्रमा पर अंतरिक्ष यान उतारा था, तो वह तिरछा होकर गिर गया था। कंपनी का सबसे नया 'एथेना लैंडर' योजना के अनुसार चंद्रमा की कक्षा से बाहर निकल गया। उसमें एक 'आइस ड्रिल', एक ड्रोन और दो रोवर लगे हैं। एक घंटे तक ऐसा लगा कि यह 'लैंडर' अच्छी तरह उतर रहा है लेकिन 'मिशन कंट्रोल' को उसके उतरने की पुष्टि करने में थोड़ा समय लगा। उन्होंने कहा, 'हम यह मूल्यांकन करने का काम कर रहे हैं कि सतह पर हमारा झुकाव कितना है।' अधिकारियों ने बताया कि 'एथेना' नियंत्रकों (कंट्रोलर) से संपर्क कर रहा था और सौर ऊर्जा पैदा कर रहा था, लेकिन 'लैंडिंग' के 20 मिनट बाद भी क्रेन यह पुष्टि करने में असमर्थ थे कि लैंडर के साथ सब कुछ ठीक है या नहीं। नासा और इंट्यूटिव मशीन्स ने इस लैंडिंग का सीधा प्रसारण अचानक समाप्त करते हुए कहा कि बाद में वे और जानकारियां साझा करेंगे गौरतलब है कि पिछले साल, इंटुएटिव मशीन्स ने इतिहास रचा जब इसके पहले चंद्र लैंडर ओडीसियस ने चंद्र सतह पर एक नरम टचडाउन किया, जो 50 से अधिक वर्षों में चंद्र सतह पर उतरने वाला पहला अमेरिकी अंतरिक्ष यान था।

नासा के अनुसार, लैंडर वैज्ञानिक उपकरणों से भरा हुआ है और चंद्रमा के पर्यावरण को और समझने के लिए नासा की विज्ञान जांच और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों को ले जायेगा और चंद्रमा की सतह पर भविष्य के मानव मिशनों की तैयारी में मदद करेगा। आईएम-2 चंद्र गतिशीलता, संसाधन

पूर्वेक्षण और उप-सतह सामग्री से अस्थिर पदार्थों के विश्लेषण को प्रदर्शित करने के लिए तैयार है, जो पृथ्वी से परे जल स्रोतों को उजागर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत से टक्कर लेने निकले थे शहबाज, नहीं सम्भल रहा देश

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बीते दिनों विकास के पैमाने पर भारत से मुकाबला करने की बात करते सुने गए थे। हालांकि हाल ही में आई एक रिपोर्ट उन का सपना चकनाचूर कर सकती है। पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद सूचकांक यानी ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2025 में आतंकवाद से प्रभावित देशों की लिस्ट में विश्वभर में दूसरे नंबर पर पहुंच गया है। इस लिस्ट में पाकिस्तान से आगे सिर्फ बुर्किना फासो है। वहीं तीसरे नंबर पर सीरिया का नाम शामिल है। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स सिडनी स्थित इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस द्वारा हर साल जारी किया जाता है। 2025 में आई रिपोर्ट में यह बताया गया है कि पाकिस्तान के अंदर बीते सालों में आतंकवादी घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट में इससे जुड़े कुछ आंकड़े भी सामने आए हैं। इसके मुताबिक पाक में 2023 में 517 आतंकी हमलों की संख्या 2024 में दोगुनी होकर 1,099 तक पहुंच गई है।

टीटीपी बना काल- पाक की हालत का सबसे बड़ा जिम्मेदार तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और कुछ दूसरे आतंकवादी समूहों के बढ़ते प्रभाव को बताया गया है। यह आतंकवादी समूह लगातार दूसरे साल पाकिस्तान का सबसे खतरनाक आतंकवादी संगठन बनकर उभरा है। 2024 में टीपीपी ने इस साल देश में 482 हमले किए हैं, जिनमें 558 लोगों की मौत हो गई। वहीं 2023 में इन हमलों में 293 लोग मारे गए थे। खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान के प्रांत सबसे अधिक आप्रभावित क्षेत्र बने हुए हैं, जहाँ देश में 90 प्रतिशत आतंकवादी घटनाएं और मौतें होती हैं।

अमेरिका में रहने वाले लाखों यूक्रेनी नागरिकों की होगी घर वापसी ! डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान

वाशिंगटन, (आईएएनएस)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वह इस बात पर विचार कर रहे हैं कि युद्ध की वजह से अमेरिका में रह रहे लाखों यूक्रेनी नागरिकों की अस्थायी संरक्षित स्थिति को रद्द किया जाए या नहीं, हालांकि इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक ट्रंप ने ओवल ऑफिस में मीडिया कहा, हम किसी को चोट पहुंचाना नहीं चाहते, मैं इस पर विचार कर रहा हूं, और कुछ लोग सोचते हैं कि यह उचित है, कुछ लोग नहीं सोचते हैं, और मैं जल्द ही इस पर निर्णय लूंगा।

ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन के लोगों को 'बहुत कुछ सहना पड़ा है

अमेरिकी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई जब मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि ट्रंप प्रशासन ने लगभग 2,40,000 यूक्रेन के लोगों की सुरक्षा रद्द करने की योजना बनाई है। ये लोग फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद अमेरिका आ गए थे। अगर यूक्रेनी लोगों की सुरक्षा रद्द की जाती है तो यह कदम उन व्यक्तियों को निर्वासित करने के लिए आधार तैयार करेगा। हालांकि व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस रिपोर्ट को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि कोई फैसला नहीं लिया गया है। बाइडेन प्रशासन ने घोषणा की थी कि वह यूक्रेन के लोगों को यूनाइटिंग फॉर यूक्रेन के माध्यम से देश में प्रवेश की अनुमति देगा। प्रवासियों को दो साल के लिए देश में पैरोल पर रहने की अनुमति दी जाएगी। बशर्ते वे अमेरिका स्थित प्रायोजक को सुरक्षित करने में सक्षम हों। बाइडेन प्रसाशन की तरफ से अपने कार्यकाल के आखिरी महीने में यह ऐलान भी किया गया कि वह यूक्रेनवासियों के लिए अस्थायी संरक्षित स्थिति (टीपीएस) को अक्टूबर 2026 तक बढ़ा रहा है। ट्रंप प्रशासन ने इसी तरह के अन्य प्रोग्राम को भी निशाना बनाया है जो हैती, क्यूबा, निकारागुआ और वेनेजुएला के नागरिकों को देश में प्रवेश की अनुमति देते हैं।

बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री पर क्यों मचा बवाल, लंदन मुख्यालय के बाहर भारी विरोध, जमकर हुई नारेबाजी

बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री गाजा हाउ टू सर्वाइव अ वॉरजोन में गाजा में युद्ध के दौरान बच्चों की स्थिति दिखाई गई थी, लेकिन इसमें शामिल लोगों की पृष्ठभूमि को लेकर सवाल उठने के बाद बीबीसी ने इसे अपने प्लेटफॉर्म से हटा दिया।

बीबीसी के गाजा पर बनाए गए एक डॉक्यूमेंट्री को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। लंदन स्थित बीबीसी मुख्यालय के बाहर इस पर भारी विरोध प्रदर्शन हुआ, जहां प्रदर्शनकारियों ने बीबीसी पर हमास से जुड़े लोगों को मंच देने का आरोप लगाया। इस दौरान नारेबाजी हुई, झंडे लहराए गए और मशहूर अभिनेत्री डेम मोरीन लिपमैन समेत कई हस्तियों ने भाषण दिए। यह विवाद तब भड़क उठा जब यह सामने आया कि इस डॉक्यूमेंट्री का बाल-प्रस्तावक अब्दुल्लाह, हमास के एक वरिष्ठ सदस्य अयमान अलयाजौरी का बेटा है।

दरअसल, बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री गाजा हाउ टू सर्वाइव अ वॉरजोन में गाजा में युद्ध के दौरान बच्चों की स्थिति दिखाई गई थी, लेकिन इसमें शामिल लोगों की पृष्ठभूमि को लेकर सवाल उठने के बाद बीबीसी ने इसे

अपने प्लेटफॉर्म से हटा दिया। बीबीसी ने अपनी गलती स्वीकारते हुए पहले एक शुरुआती समीक्षा की और अब एक गहरी आंतरिक जांच शुरू कर दी है।

अमेरिकी सेना में चीन ने लगा दी सेंध

खुफिया जानकारी बेचते पकड़े गए कई सैनिक

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना में चीन की सेंध का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। गुरुवार को अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी के नेतृत्व में यूएस आर्मी के दो सक्रिय सैनिकों और एक पूर्व सैनिक को गिरफ्तार किया है।

इन पर सरकारी संपत्ति की चोरी और रिश्वतखोरी की साजिश में शामिल होने का आरोप है। यहां चौंकाने वाली बात ये है कि इन अमेरिकी सैनिकों ने चीन के हाथों कई खुफिया जानकारी बेची हैं।

कौन हैं गिरफ्तार किए गए सैनिक?- गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान जियान झाओ, ली तियान और रुओयु दुआन के रूप में हुई है। जियान झाओ और ली तियान जॉइंट बेस लुईस-मककॉर्ड में तैनात सक्रिय सैनिक हैं जबकि रुओयु दुआन पूर्व सैनिक है। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, तियान और दुआन पर ओरेगन जिला में रिश्वतखोरी और सरकारी संपत्ति की चोरी की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। वहीं, झाओ पर वाशिंगटन के पश्चिमी जिला में राष्ट्रीय रक्षा जानकारी को अनधिकृत व्यक्तियों तक पहुंचाने की साजिश, रिश्वतखोरी और सरकारी संपत्ति की चोरी के आरोप हैं।

संवेदनशील हार्ड ड्राइव चीन को बेचने का आरोप- चार्जशीट में कहा गया है कि जुलाई 2024 से लेकर गिरफ्तारी तक, झाओ ने कई संवेदनशील हार्ड ड्राइव को कलेक्ट और चीन में स्थित व्यक्तियों को बेचने की साजिश रची। इन हार्ड ड्राइव पर सीक्रेट और टॉप सीक्रेट का निशान लगा था, फिर भी इस सैनिक ने इन्हें बेचा। इन हार्ड ड्राइव के बदले में झाओ को कम से कम 10,000 डॉलर प्राप्त हुए। इसके अलावा, झाओ पर अमेरिकी सरकार से चुराए गए एक एन्क्रिप्शन-सक्षम कंप्यूटर को बेचने का भी आरोप है। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पामेला जे. बॉन्डी ने कहा, आज गिरफ्तार किए गए आरोपी हमारे देश के साथ विश्वासघात करने, अमेरिका की रक्षा क्षमताओं को कमजोर करने और चीन जैसे हमारे विरोधियों को सशक्त करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे थे। उन्हें त्वरित, कठोर न्याय का सामना करना पड़ेगा।

ऐक्शन में एफबीआई चीफ काश पटेल- एफबीआई निदेशक काश पटेल ने इस घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा, रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के तहत फल-फूल सकता है, लेकिन हमारे सैनिकों में इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। वे खुद संवेदनशील सैन्य जानकारी के संरक्षक हैं। एफबीआई और हमारे सहयोगी अमेरिकी सैन्य जानकारी चुराने की कोशिशों को उजागर करने और सभी जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने के लिए काम करते रहेंगे।

इस मामले की जांच एफबीआई के पोर्टलैंड और सिएटल फील्ड कार्यालयों और अमेरिकी सेना काउंटरइंटेलिजेंस कमांड द्वारा की गई, जिसमें सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (सीबीपी), डाक निरीक्षण सेवा और नौसेना आपराधिक जांच सेवा ने सहायता प्रदान की। सेना काउंटरइंटेलिजेंस कमांड के कमांडिंग जनरल ब्रिगेडियर जनरल रेट आर. कॉक्स ने कहा, ये गिरफ्तारियां हमारी सेना और राष्ट्र के सामने बढ़ते विदेशी खुफिया खतरे को रेखांकित करती हैं। हम उन लोगों को जवाबदेह ठहराने के लिए अथक प्रयास जारी रखेंगे जो सेना के मूल्यों को छोड़कर व्यक्तिगत लाभ के लिए काम करते हैं।

कनाडा में जस्टिन ट्रूडो राज का अंत नजदीक! खुद प्रधानमंत्री ने ही दिए संकेत

कनाडा में अब प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो का राज खत्म होने जा रहा है। ट्रूडो ने संकेत दिए हैं कि वह सप्ताह भर में पद छोड़ने जा रहे हैं। खबर है कि रविवार को लिबरल नेताओं की बैठक में पार्टी प्रमुख को चुना जा सकता है।

साथ ही संभावनाएं जताई जा रही हैं कि अगले सप्ताह के अंत तक कनाडा को नया पीएम मिल सकता है। खास बात है कि ट्रूडो का यह फैसला ऐसे समय पर आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उनके पीएम पद के तार टैरिफ वॉर से जोड़ रहे थे। ट्रूडो ने संकेत दिए हैं कि वह एक हफ्ते के अंदर पद छोड़ देंगे, ताकि उनके उत्तराधिकारी कमान संभाल सकें।

साथ ही उन्होंने कनाडा का कार्यवाहक पीएम बनने से भी इनकार कर दिया है. ओंटारियों में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने यह फैसला सुनाया है।

उन्होंने कहा, मैं आने वाले दिनों में अपने निर्वाचित उत्तराधिकारी के पद संभालने का इंतजार करूंगा। कनाडाई मीडिया के अनुसार, अगले सप्ताह के अंत तक नए लिबरल नेता पीएम पद की शपथ ले सकते हैं। रविवार को नए लिबरल नेता का चुनाव किया जाएगा।

मौसम *दो हफ्तों से कश्मीर में हो रही भारी बर्फबारी*

पहले सूखे और अब हिमस्खलन की घटनाओं से जूझ रहा कश्मीर

जम्मू, (देशबन्धु)। इस बार भयानक सर्दियों के बावजूद कश्मीर सूखे से जूझता रहा है और अब जब मार्च के शुरू में बर्फबारी हो रही है तो कश्मीरियों को हिमस्खलन की घटनाओं से जूझना पड़ रहा है। यह सच है कि दिसंबर और जनवरी में शुष्क मौसम के साथ अब अनुकूल सर्दी का मौसम आ गया है, जिसमें पहले फरवरी के आखिरी सप्ताह में और अब मार्च के पहले सप्ताह में भारी बर्फबारी हुई है।

लेकिन, जैसे-जैसे सूरज फिर से चमकने लगा है, हिमस्खलन का खतरा भी कई गुना बढ़ गया है। खासकर उत्तरी और मध्य कश्मीर के गुरेज, बांडीपोरा, कुपवाड़ा, बारामुल्ला और गंदरबल जिलों के इलाकों में हिमस्खलन का खतरा मंडरा रहा है।

पिछले दो हफ्तों से कश्मीर में भारी बर्फबारी हो रही है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ते तापमान के साथ इतनी भारी मात्रा में बर्फबारी से बर्फ की परतें पिघल जाती हैं, जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर हिमस्खलन होता है, जिससे पहाड़ों

■ **गुरेज, बांडीपोरा, कुपवाड़ा, बारामुल्ला और गंदरबल जिलों के इलाकों में हिमस्खलन का खतरा मंडरा रहा**

से बहुत ज्यादा बर्फ तेजी से नीचे गिरती है और रास्ते में सब कुछ नष्ट हो जाता है। 28 फरवरी को, शुक्रवार दोपहर को विश्व प्रसिद्ध स्की रिसार्ट गुलमर्ग के कंगडोरी में अफरावत चोटी पर एक बड़े हिमस्खलन की घटना कैमरे में कैद हो चुकी है। अफरावत चोटी पर कंगडोरी में भारी हिमस्खलन के बाद बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया गया, क्योंकि वहां पर्यटकों और स्कीयरों की भीड़ थी। मौसम विभाग ने भी सप्ताहांत के लिए बहुत अच्छा मौसम पूर्वानुमान नहीं दिया है, क्योंकि 9 से 12 मार्च के बीच जम्मू कश्मीर और लद्दाख में और अधिक बर्फबारी होने की उम्मीद है। जम्मू कश्मीर के आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि गंदरबल, बारामुल्ला, पुंछ, राजौरी, रियासी में 2500 मीटर से ऊपर मध्यम खतरे के स्तर का हिमस्खलन होने की संभावना है वहीं सोमवार को गंदरबल जिले के सोनमर्ग इलाके में जीरो पाइंट और जोजिला दर्रे के बीच भी एक छोटा हिमस्खलन हुआ।

सौभाग्य से हिमस्खलन शून्य आबादी वाले क्षेत्र में हुआ और बर्फबारी के कारण लोगों की आवाजाही नहीं हो रही थी और किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है। मंगलवार को मामूली हिमस्खलन के बाद अधिकारियों ने अगले 24 घंटों में गंदरबल में 2300 मीटर से ऊपर मध्यम खतरे के स्तर के हिमस्खलन की संभावना के बारे में फिर से चेतावनी दी थी और कल सोनमर्ग के सरबल गांव में श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर एक बड़ा हिमस्खलन हुआ, जहां फोर-लेनिंग परियोजना और जोजिला सुरंग परियोजना पर काम कर रहे निर्माण श्रमिक बर्फ की चपेट में आ गए।

आज का इतिहास

1650- महाराष्ट्र के प्रसिद्ध संत, संत तुकाराम महाराज का निधन।
1534- गुजरात के बहादुर शाह ने चित्तौढ़गढ़ को लूटा।
1706- कैटालोनिया की रियासत ने अपनी लघु संसद बनाई और स्पेन के राजा कार्लोस तृतीय ने अध्यक्षता की।
1838- न्यू ऑरलियन्स में अमेरिकी टकसाल ऑपरेशन शुरू किया गया।
1875- उर्दू के मरसिया कहने वाले प्रसिद्ध शायर मिर्ज़ा सलामत अली दबीर का निधन।
1908 -अमेरिका में महिला मजदूर आंदोलन से महिला दिवस मनाने की शुरुआत हुई।
1911- यूरोप में पहली बार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।
1921- प्रसिद्ध फिल्म गीतकार साहिर लुधियानवी का जन्म।
1921- स्पेन की राजधानी मैड्रिड में पार्लियामेंट से बाहर निकलते वक्त राष्ट्रपति एडवर्डो दातो की हत्या।
1924- अमेरिका के कैसल गेट शहर के यूटा में 172 कोयला खनिजों की मौत।
1930- महात्मा गांधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया।

सुडोकू 6847

9					1		2	
	5		3	9		1		
3						6		
5			2	4				
	7						8	
				7	6			5
		9						4
		1		8	4		3	
	8		7					6

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6847

१		२		■	■	३		४	
	■		■	५			■		■
६					■	७			८
	■	■	■	९			■	■	
■	१०		११		■	■	१२		
■		■		■	१३			■	
१४		१५		■		■	१६	१७	
	■		■	१८		१९	■		■
२०			■		■	२१			२२
	■	२३					■	■	

बायें से दायें:-

१. राज्याभिषेक, राजतिलक(उर्दू)
३. एक वाद्य यंत्र
५. पाप, धर्मविरुद्ध
६. नौ सैनिक, जल सेना का सिपाही
७. संबंधी, परिजन (उर्दू)
९. किसी की स्मृति में बना भवन आदि
१०. शायद
१२. चटनी, अवलेह (उर्दू)
१३. चौकीदार,प्रहरी
१४. प्रशंसित
१६. धक्का, दबाव, रगड़ा, संकट की चपत, तमाचा
१८. दुख, कष्ट, उदासी, चिड़चिड़ापन
२०. तीव्र इच्छा
२१. रसीला
२३. सृजनात्मक

ऊपर से नीचे:-

१. दो वस्तुओं के परस्पर घट-बढ़ होने का भाव
२. तालाब
३. लज्जाजनक (उर्दू)
४. प्राचीनकालीन एक विश्वविद्यालय
५. अचानक, सहसा
८. होंठ
१०. भैंस का नर बच्चा
११. जिस पर निशान लगा हो
१२. रामायण में उल्लेखित एक मायावी
१३. पूरा किया हुआ, समृद्ध, धनी
१४. मिलना, सभा, जलसा
१५. उपयोगी, लाभप्रद
१७. जटिल, घुमावदार(उर्दू)
१८. कली का विकसित होना, फूलना
१९. नक्षत्र, आंख की पुतली
२२. किरण

वर्ग पहेली-6846

१ वृ	था	२ क	था	■	■	३ वि	ष	४ पा	न
द्धा	■	न	■	५ स	र्व	दा	■	व	■
६ व	र्द्ध	क	■	मा	■	७ र	हा	स	८ हा
स्था	■	म	■	९ धा	त्वि	क	■	■	मी
■	१० नि	य	११ म	न	■	■	१२ दु	र्ल	भ
■	र्बा	■	ला	■	१३ का	फि	ला	■	र
१४ व	ध	१५ स्थ	ल	■	नू	■	१६ र	१७ च	ना
श	■	गि	■	१८ अ	नी	१९ ति	■	क	■
२० व	र्जि	त	■	न्य	■	२१ मि	थ्या	वा	२२ दी
र्ती	■	■	२३ क	था	सा	र	■	■	प

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

खेल जगत

मैट हेनरी की फिटनेस पर संशय, चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल से हो सकते हैं बाहर

दुबई। दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए सेमीफाइनल मैच के दौरान मैट हेनरी को कंधे में चोट लगी थी। इस चोट के कारण अब वह न्यूजीलैंड और भारत के बीच होने वाले चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल से बाहर हो सकते हैं। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हेनरी को फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी, लेकिन उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले के आखिरी ओवरों में दो ओवर गेंदबाजी की थी। चोट के बाद मैदान में वापसी के बाद उन्हें डाइव लगाते हुए भी देखा गया था। बुधवार को मुकाबले के बाद कप्तान मिचेल सैंटनर ने हेनरी की उपलब्धता को लेकर आशावादी रुख दिखाया था, लेकिन अब मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा है कि फाइनल से लगभग 48 घंटे पहले भी हेनरी की फिटनेस पर संशय बना हुआ है।

भारतीय क्रिकेट टीम के संतुलन की अहम कड़ी हैं फिनिशर हार्दिक पांड्या

भारत को हार्दिक से फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच का प्रदर्शन दोहराने की आस

○ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 7 मार्च (देशबन्धु)। हार्दिक पांड्या बतौर ऑलराउंडर बल्लेबाजी और गेंदबाजी में भारतीय क्रिकेट की अहम कड़ी है। भारतीय क्रिकेट में उनका रोल वही है जो कि हॉकी मे जो आक्रामक सेंटर हाफ का होता है। हॉकी में टीम पर हमले के वक्त सेंटर हाफ का काम अपने किले का बचाव और हमला बोलते समय स्ट्राइकरों के लिए बराबर आगे गेंद बढ़ाना होता है।

हार्दिक अब नई गेंद से मोहम्मद शमी के साथ गेंदबाजी का आगाज प्रतिद्वंद्वी टीम के शीर्ष क्रम को बिखेरने और निचले मध्यक्रम में बल्लेबाजी के लिए उतर कर बल्ले से दे दनादन कर भारतीय क्रिकेट को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के संतुलन की अहम कड़ी हैं फिनिशर हार्दिक पांडया। हार्दिक पांडया भारत के लिए बल्ले से फिनिशर की भूमिका निभा रहे हैं। अब आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भी भारत के

■ हार्दिक पांड्या ने अभावों से गुजर खुद के लिए भारत की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मे अलग मुकाम हासिल किया।

नजरिए रविवार को जीत खिताब जिताने में भी हार्दिक पांड्या की भूमिका बेहद अहम रहने वाली है। भारत को हार्दिक से फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच का प्रदर्शन दोहराने की आस है। हार्दिक पांड्या की टीम में मौजूदगी से भारत अपनी एकादश में मैच और पिच के मिजाज के मुताबिक चार स्पिनर और दो उन सहित दो तेज गेंदबाज या तीन स्पिनर और तीन तेज गेंदबाज उतार पा रहा है भारत अपने घर में 2023 में आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप में अपने लगातार दस मैच जीतने के बाद फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से अहमदाबाद में छह विकेट से हार इसलिए खिताब जीतने से चूक गया था क्योंकि चेन्ने में पहले मैच में खेलने वाले हार्दिक पांड्या चोट के चलते तब फाइनल से पहले ही बाहर हो गए थे। अपनी दूसरी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी खेल रहे हार्दिक पांड्या ने अब तक इसमें दो संस्करणों में कुल 11 विकेट लिए हैं और 76 के सर्वोच्च स्कोर के साथ एक अर्द्धशतक सहित कुल 186 रन बनाए हैं। हार्दिक पांडया को मौजूदा संस्करण में भारत को खिताब जिताने के लिए लीग मैच के अपने हरफनमौला प्रदर्शन को रविवार को फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ दोहराना होगा। हार्दिक ने सेमीफाइनल में विराट के 84 रन बनाने के बाद आउट होने के बाद 24गेदों में तीन छक्कों की मदद से 28 रन की पारी खेल भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।हार्दिक पांड्या ने अभावों से गुजर खुद के लिए भारत की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मे अलग मुकाम हासिल किया। हार्दिक गेंद से करीब 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से 'सुपरफास्ट' गेंदबाजी कर दुनिया के किसी भी शीर्ष क्रिकेटर को बराबर पैवेलियन की राह दिखाने की कूवत के साथ पारी के आखिर में 20 गेंदों में भारत को बड़े स्कोर तक पहुंचाने अथवा लक्ष्य का पीछा करने के कौशल से भारतीय क्रिकेट टीम की बेहद अहम कड़ी हैं।

शमी पर भारतीय मुसलमानों को गर्व : बदर काजमी

सहारनपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के चैंपियंस ट्राफी में आस्ट्रेलिया के साथ सेमीफाइनल मैच में मैदान पर एनर्जी ड्रिंक पीने को लेकर हो रही आलोचना को पब्लिसिटी स्टंट करार देते हुये देवबंद के इस्लामिक विद्वान और लेखक बदर काजमी ने कहा कि मोहम्मद शमी पर भारतीय मुसलमानों को गर्व है। वह चैंपियंस ट्राफी में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और उन्होंने अपने शानदार खेल से दुनिया के क्रिकेट प्रेमियों का मन मोह लिया है। बरेली मसलक के मौलाना शाहबुद्दीन रिजवी राष्ट्रीय अध्यक्ष आल इंडिया मुस्लिम जमात ने यह कहकर मोहम्मद शमी की आलोचना की है कि रमजान में रोजे ना रखना गुनाह है और मोहम्मद शमी शरियत की नजर में अपराधी हैं। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था। रिजवी ने कहा कि शमी को शरियत का पालन करते हुए रोजा रखना चाहिए था। मौलाना रजवी के बयान की निंदा करते हुए देवबंद के इस्लामिक विद्वान और लेखक बदर काजमी ने कहा कि खेल के दौरान रोजा रखना इस्लामिक ऐतबार से अनिवार्य नहीं था। सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए बरेली मौलवी ने शमी की गलत आलोचना की है।

शुभमन गिल आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड्स के लिए नामांकितों में शामिल

■ गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मुकाबलों में 87 और 60 रन का बड़ा योगदान दिया

दुबई, 7 मार्च (एजेंसियां)। शुभमन गिल, स्टीव स्मिथ और एनाबेल सदरलैंड फरवरी के लिए आईसीसी पुरुष और महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड्स के लिए नामांकितों में शामिल हैं। आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए, टूर्नामेंट के तीन सितारे आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नामांकित हैं। गिल ने टूर्नामेंट से पहले इंग्लैंड पर भारत की निर्णायक श्रृंखला जीत में शानदार प्रदर्शन करके सुर्खियां बटोरीं और बांग्लादेश पर अपनी शुरुआती जीत से पहले एकदिवसीय बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मुकाबलों में उन्होंने 87 और 60 रन का बड़ा योगदान दिया, इससे पहले अहमदाबाद में 112 रन की शानदार पारी ने श्रृंखला जीत ली। ब्लैककैप्स के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स ने आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए

शानदार तैयारी की, फरवरी में पाकिस्तान में त्रिकोणीय श्रृंखला को सील करने के लिए मध्य क्रम में बहुमूल्य रन प्रदान किए। 28 और 20 के नाबाद स्कोर के बाद लाहौर में त्रिकोणीय श्रृंखला में 74 गेंदों में शानदार 106 रन बनाए, जिसमें सात छक्के शामिल थे। फिर, जैसे ही टूर्नामेंट शुरू हुआ, फिलिप्स ने शानदार शुरुआत की, 39 गेंदों में समान रूप से तेज 61 रन बनाए और पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान को आउट करने के लिए एक शानदार कैच लिया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि ब्लैककैप्स ने कराची में 60 रनों की जीत में अपना लक्ष्य सुरक्षित रखा।

फरवरी के लिए आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नामित खिलाड़ी

ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख लेग स्पिनर अलाना किंग ने महिला एशेज सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया और मेलबर्न में खेले गए स्टैंडअलोन टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सीरीज में जीत दर्ज की। मध्यक्रम में साइवर-ब्रंट, डंकले और वायट-हॉज के महत्वपूर्ण विकेट तब आए, जब किंग ने पहली पारी में 45 रन देकर चार विकेट लिए, इसके बाद उन्होंने दूसरी पारी में 53 रन देकर पांच विकेट लेकर सबसे लंबे प्रारूप में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ वापसी करते हुए सम्मान बोर्ड पर अपना नाम दर्ज कराया। मई 2023 में पिछली विजेता, थाईलैंड की बाएं हाथ की गेंदबाज थिपाचा पुथावोंग फरवरी में फिर से उनकी सफलता के पीछे प्रेरक शक्ति थी, विकेट लेने की सूची में शीर्ष पर रही क्योंकि उनकी टीम ने नेपाल महिला त्रिकोणीय श्रृंखला को सील कर दिया।

ऐक्सिस बैंक लिमिटेड

गिरवी रखी गई परिसंपत्ति स्वर्ण आभूषणों की नीलामी हेतु सार्वजनिक सूचना

उधारकर्ता को विशेष और सामान्य रूप से जनता को यहां सूचित किया जाता है कि नीचे दिए गए खातों में सोने के गहनों की सार्वजनिक नीलामी एक्सिस बैंक द्वारा की निम्न शाखाओं में आयोजित की जानी है।

नीचे उल्लिखित उधारकर्ता ने सुरक्षा के प्रति बैंक के पक्ष में सोने के गहने (गोल्ड लोन सुविधा) की गिरवी के एवज एक्सिस बैंक लिमिटेड से क्रेडिट सुविधा का लाभ उठाया है। उधारकर्ताओं/गारंटरों को डिमांड नोटिस जारी किए गए हैं जो उधारकर्ताओं/गारंटरों को गोल्ड लोन सुविधा का लाभ उठाने के लिए उनकी बकाया राशि का भुगतान करने के लिए कहा है। जैसा कि उधारकर्ता/गारंटर बकाया ऋण राशि चुकाने में विफल रहे हैं, बैंक गिरवी आभूषणों की ई–नीलामी करने के लिए विवश है और **18-03-2025** को दोप. **12.30 बजे से 3.30 बजे,** जहां है जैसा है, जैसा है जितना है में गिरवी रखी गई स्वर्ण आभूषणों की नीलामी बिक्री का प्रस्ताव रखा गया है। उधारकर्ताओं और बकाया राशि का विवरण निम्नानुसार है।

उधारकर्ता का नाम	ऋण खाता क्रं.	बकाया राशि (₹)	पुन: सूचना दिनांक	कुल वजन	शुद्ध वजन
शाखा : अनुपपुर (म.प्र.)					
अजय गुप्ता	XXXXXXXXXXX7429	42813	28-11-2024	10.380	10.000
चमेली बाई राठौड	XXXXXXXXXXX2380	64426	28-11-2024	19.060	16.100
दीपक कुमार दहिया	XXXXXXXXXXX0253	86181	30-01-2025	22.500	19.800
रामजी साहू	XXXXXXXXXXX5288	134058	30-01-2025	29.120	28.700
शाखा : बारगवां कटनी (म.प्र.)					
रूद्र प्रताप गौतम	XXXXXXXXXXX6697	42165	30-01-2025	9.400	9.100
शाखा : ब्योहारी सी 0710 (म.प्र.)					
अमरदीप पटेल	XXXXXXXXXXX3787	77782	30-01-2025	23.000	20.500
धीरेन्द्र सिंह बघेल	XXXXXXXXXXX2920	309212	09-01-2025	81.200	75.000
गोपाल शरण पयासी	XXXXXXXXXXX2643	54297	30-01-2025	11.100	11.000
मार्तण्ड प्रसाद चतुवेर्दी	XXXXXXXXXXX8465	438177	09-01-2025	130.500	117.200
मोहसिन खान	XXXXXXXXXXX5020	41306	28-12-2023	10.500	10.000
सुशीला सिंह	XXXXXXXXXXX3221	114983	04-08-2024	49.100	29.000
शाखा : बिजुरी (म.प्र.)					
भूपेन्द्र कुमार तिवारी	XXXXXXXXXXX3242	146742	06-09-2024	41.200	35.900
दीपक कुमार शर्मा	XXXXXXXXXXX8839	36779	28-11-2024	7.950	7.850
ईश्वर प्रसाद पनिका	XXXXXXXXXXX6884	125298	30-01-2025	29.020	28.920
प्रतीक्षा सिंह	XXXXXXXXXXX1094	341390	09-01-2025	241.610	240.090
पुरूषोत्तम विश्वकर्मा	XXXXXXXXXXX0437	78180	06-01-2025	17.130	16.950
विनोद कुमार	XXXXXXXXXXX2284	112761	30-01-2025	27.420	27.310
शाखा : बुरहर (म.प्र.)					
अर्जुनदास बजाज	XXXXXXXXXXX0849	816200	08-09-2024	169.200	167.100
संजय कुमार चौधरी	XXXXXXXXXXX5950	47444	30-01-2025	15.600	11.100
शाखा : गाडरवारा (म.प्र.)					
आलोक गुप्ता	XXXXXXXXXXX3497	144574	04-11-2024	34.800	34.000
अंजू विश्वकर्मा	XXXXXXXXXXX9955	113404	30-01-2025	27.800	27.100
शाखा : जबलपुर (म.प्र.)					
उर्मिला कोल	XXXXXXXXXXX7956	93830	28-08-2024	24.600	23.700
शाखा : करेली सी 2841 (म.प्र.)					
शानू राजपूत	XXXXXXXXXXX6035	121151	28-11-2024	26.600	26.200
शाखा : कटनी (म.प्र.)					
नीलू मिश्रा	XXXXXXXXXXX8361	26204	04-08-2024	6.600	6.400
विवेक कुमार शर्मा	XXXXXXXXXXX5719	60054	30-01-2025	12.400	12.200
शाखा : कोतमा (म.प्र.)					
प्रकाश कुमार कोल	XXXXXXXXXXX6335	109487	30-01-2025	28.200	26.700
श्यामबती	XXXXXXXXXXX6140	100115	30-01-2025	24.500	24.300
शाखा : मदन महल जबलपुर (म.प्र.)					
अर्जुन पटेल	XXXXXXXXXXX1007	80887	30-01-2025	17.960	17.600
शाखा : मैहर (म.प्र.)					
अशोक कुमार मिश्र	XXXXXXXXXXX8538	40593	30-01-2025	10.300	9.700
चंदन कछवाहा	XXXXXXXXXXX9801	82462	27-09-2024	20.000	19.600
चंदन कछवाहा	XXXXXXXXXXX1627	53251	27-09-2024	12.200	12.000
गायत्री चौधरी	XXXXXXXXXXX1519	50435	30-01-2025	13.400	12.500
ओमप्रकाश द्विवेदी	XXXXXXXXXXX8581	212557	30-01-2025	50.400	50.000
शालनी पटेल	XXXXXXXXXXX2095	92199	28-11-2024	22.800	22.800
विकास तिवारी	XXXXXXXXXXX6318	61571	30-01-2025	13.900	13.800
विकास तिवारी	XXXXXXXXXXX5226	31913	30-01-2025	7.000	6.800
शाखा : मंडला (म.प्र.)					
आभा सिन्धिया	XXXXXXXXXXX3400	106507	07-06-2024	27.300	27.000
शाखा : मऊगंज (म.प्र.)					
आनंद कुमार पटेल	XXXXXXXXXXX2504	93546	27-09-2024	21.870	20.760
महेंद्र कुमार द्विवेदी	XXXXXXXXXXX3812	48359	30-01-2025	12.770	11.500
रवि कुमार पटेल	XXXXXXXXXXX2926	41919	30-01-2025	13.760	10.950
उषा तिवारी	XXXXXXXXXXX8412	66444	30-01-2025	17.390	16.100
शाखा : नागोद सी 3241 (म.प्र.)					
सियाशरण सियाशरण	XXXXXXXXXXX5759	55736	30-01-2025	13.500	12.500
विकाश कुमार सेन	XXXXXXXXXXX7069	96893	04-08-2024	25.990	24.990
शाखा : नरिंसहपुर (म.प्र.)					
जावेद हाशमी	XXXXXXXXXXX8168	162003	12-11-2024	36.500	35.600
नीतेश पटेल	XXXXXXXXXXX8611	116797	02-04-2024	29.500	29.000
प्रवेश मेहरा	XXXXXXXXXXX7307	124142	26-07-2024	30.500	30.000
शाखा : पन्ना (म.प्र.)					
देवेन्द्र सिंह	XXXXXXXXXXX6632	143906	04-08-2024	37.600	36.000
नरेंद्र कुमारी	XXXXXXXXXXX4394	127307	28-08-2024	33.300	32.000
शाखा : रीवा (म.प्र.)					
अतुल कुमार पांडे	XXXXXXXXXXX7282	93448	27-09-2024	21.000	20.500
अतुल कुमार पांडे	XXXXXXXXXXX5041	49499	27-09-2024	11.100	10.500
अतुल कुमार पांडे	XXXXXXXXXXX7848	48127	28-08-2024	10.100	10.000
अतुल कुमार पांडे	XXXXXXXXXXX8853	47244	08-05-2024	11.400	10.100
दिलीप कुमार कोल	XXXXXXXXXXX2037	36191	17-01-2024	9.600	9.400
नागेश्वर पटेल	XXXXXXXXXXX5463	35277	30-01-2025	9.600	9.000
पूजा रावत	XXXXXXXXXXX9627	43340	27-09-2024	14.100	9.500
रावेन्द्र कुमार मिश्र	XXXXXXXXXXX3751	68699	28-11-2024	15.800	15.500
ऋषि सक्सैना	XXXXXXXXXXX4533	198714	28-11-2024	58.900	43.400
ऋतुराज सिंह परिहार	XXXXXXXXXXX9922	103979	30-01-2025	26.100	23.300
शिवम पाठक	XXXXXXXXXXX1029	37145	08-05-2024	8.500	8.100
विनीत कुमार श्रीवास्तव	XXXXXXXXXXX0664	65589	20-11-2024	15.400	15.000
शाखा : समन तिराहा रीवा (म.प्र.)					
पवन कुमार कोल	XXXXXXXXXXX3746	48246	08-05-2024	12.720	10.550
पूजा पटेल	XXXXXXXXXXX8480	96072	30-01-2025	21.640	20.200
पूजा पटेल	XXXXXXXXXXX1550	73843	30-01-2025	18.020	17.500
शांति तोमर	XXXXXXXXXXX3033	80085	28-11-2024	20.200	20.000
शिवदास तिवारी	XXXXXXXXXXX3132	213915	08-05-2024	50.400	49.800
शिवेंद्र कुमार त्रिपाठी	XXXXXXXXXXX1645	166658	07-10-2024	40.860	39.300
शाखा : सतना बाजार सतना (म.प्र.)					
पारुल शुक्ला	XXXXXXXXXXX0475	52400	07-09-2024	12.700	12.400
रवि सोनी	XXXXXXXXXXX7034	40716	28-11-2024	9.200	9.000
रोशनी चौरसिया	XXXXXXXXXXX8445	126746	30-01-2025	31.800	31.000
शालिनी सिंह	XXXXXXXXXXX1438	70867	04-11-2024	42.060	20.000
श्याम नारायण मिश्र	XXXXXXXXXXX3415	63245	20-07-2024	17.400	17.000
वैभव पांडे	XXXXXXXXXXX3940	76628	30-01-2025	20.000	19.800
शाखा : सिवनी (म.प्र.)					
नरेंद्र	XXXXXXXXXXX7720	52749	28-08-2024	15.000	14.700
शाखा : शहडोल (म.प्र.)					
अनिल कुमार साहू	XXXXXXXXXXX0261	32481	20-11-2024	10.700	8.500
अंकिता शुक्ला	XXXXXXXXXXX4745	65737	07-06-2024	17.000	13.600
शाखा : शाहपुरा (म.प्र.)					
रमज़ान अली	XXXXXXXXXXX9744	133650	30-01-2025	31.500	30.000
शाखा : सीधी (म.प्र.)					
दिलीप कुमार गुप्ता	XXXXXXXXXXX5452	64474	27-09-2024	15.200	14.600
उर्मिला सिंह	XXXXXXXXXXX6258	115220	30-01-2025	28.400	27.400
शाखा : सिहोरा (म.प्र.)					
जितेन्द्र कुमार दुबे	XXXXXXXXXXX5102	239214	08-05-2024	56.800	56.100
निधि बर्मन	XXXXXXXXXXX3324	112443	04-11-2024	50.800	25.400
शाखा : सिंगरौली (म.प्र.)					
रमेश पांडे	XXXXXXXXXXX0420	232429	30-01-2025	65.300	59.500
विमलेश नामदेव	XXXXXXXXXXX7733	252523	30-01-2025	51.560	50.000
शाखा : वैढ़न (म.प्र.)					
आशा सिंह	XXXXXXXXXXX2641	127862	04-11-2024	29.840	28.500
जितेन्द्र कुमार साह	XXXXXXXXXXX5824	69517	28-11-2024	19.600	18.000
प्रिंस कुमार कुशवाहा	XXXXXXXXXXX8339	56790	27-09-2024	15.910	15.000
प्रिंस कुमार कुशवाहा	XXXXXXXXXXX5234	38134	28-11-2024	10.490	10.000
राजेश कुमार	XXXXXXXXXXX2210	67930	27-09-2024	18.880	16.900
संजना शाह	XXXXXXXXXXX8141	86798	30-01-2025	22.330	21.000
शाखा : वारा सिवनी (म.प्र.)					
रोहित उपवंशी	XXXXXXXXXXX8889	49234	30-01-2025	12.400	11.800
सैय्यद इम्तियाज अली	XXXXXXXXXXX4447	42357	04-11-2024	16.000	15.800
शाखा : बालाघाट (म.प्र.)					
अजय सोनी	XXXXXXXXXXX2866	527718	30-01-2025	141.500	134.400
कुंता अमूले	XXXXXXXXXXX4128	121502	04-08-2024	29.000	28.500
रेनू बनोटे	XXXXXXXXXXX3800	104836	04-11-2024	26.200	25.500

एक्सिस बैंक लिमिटेड के पास बिना किसी पूर्व सूचना के खाता हटाने/नीलामी की तारीख बदलने का अधिकार है। नीलामी ऑनलाइन माध्यम से वेबसाईट: **https://gold.samil.in** पर दोपहर 12:30 से 3:30 बजे के बीच आयोजित की जाएगी।

विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए दिये गई बेबसाईट : **https://gold.samil.in** पर लॉग इन करें।

स्थान: मध्यप्रदेश **प्राधिकृत अधिकारी– एक्सिस बैंक लिमिटेड**

श्रेयस अय्यर ने वर्षों से मध्यक्रम की जिम्मेदारी निभाई : सिद्धेश लाड

2023 विश्व कप में, 30 वर्षीय अय्यर ने शानदार प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत का मध्यक्रम वर्षों से चिंता का विषय रहा है, जब से न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 2019 विश्व कप का उनका अभियान समाप्त हो गया था। रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित अन्य ने भारत को शीर्ष पर मजबूती दी, लेकिन नंबर 4 का स्थान एक पहेली बना हुआ है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने एक महत्वपूर्ण टुकड़ा खोज लिया है जो पहेली को पूरा करता है–उनकी परेशानियों का एक भरोसेमंद समाधान। श्रेयस अय्यर उनकी प्रार्थनाओं का उत्तर बन गए हैं, एक बल्लेबाज जो न केवल सितारों से सजे शीर्ष क्रम का पूरक है, बल्कि विश्व क्रिकेट में सबसे सरल मध्यक्रम बल्लेबाजों में से एक बन गया है। 59, 44, 78, 15, 56, 79, 45 के स्कोर–ये सभी श्रेयस अय्यर ने अपनी पिछली सात पारियों में बनाए हैं, जो सभी मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए आए हैं। 2023 विश्व कप में, 30 वर्षीय अय्यर ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें 113 के स्ट्राइक रेट से दो शतकों सहित 530 रन बनाए। वह वनडे में काफी सुसंगत रहे हैं। 2022 से, अय्यर नंबर 4 पर 40 मैचों में दिखाई दिए हैं। चल रही चैंपियंस ट्रॉफी में, अय्यर ने चार पारियों में 48.75 औसत और 79 उच्चतम के साथ 195 रन दर्ज किए हैं। उन्होंने 2022 से अब तक नंबर 4 पर 40 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 1,773 रन बनाए हैं।

साक्षी का महिला दिवस पर 'निडर' संदेश

'किसी से डरने की जरूरत नहीं, अपना सर्वश्रेष्ठ दें'

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। जब दुनिया 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के लिए तैयार हो रही है, पूर्व पहलवान और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक ने महिलाओं के जीवन में होने वाले दैनिक संघर्षों पर प्रकाश डाला और हर दिन महिलाओं की ताकत और लचीलेपन को पहचानने की वकालत की, साथ ही महिलाओं द्वारा पार की जाने वाली रोजमर्रा की लड़ाइयों को स्वीकार करने का आग्रह किया। 2016 में, साक्षी ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनीं, जब उन्होंने रियो में 58 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता।

उन्होंने धारणाओं को बदल दिया है और महिला पहलवानों की भावी पीढ़ियों के लिए एक आदर्श बन गई हैं। साक्षी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अपने विचार साझा किए और कहा कि महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न सिर्फ एक दिन तक सीमित नहीं होना चाहिए, इसे हर दिन पहचाना और सम्मानित किया जाना चाहिए। साक्षी ने कहा कि महिलाओं के लिए सिर्फ एक दिन खास नहीं होना चाहिए, हर दिन महिला दिवस होना चाहिए, क्योंकि एक महिला को जीवन भर संघर्षों का सामना करना पड़ता है। मेरा उदाहरण लें- मैंने बहुत कम सुविधाओं के साथ कुश्ती शुरू की, कई संघर्षों से गुजरी और फिर कुछ हासिल किया। अब मैं एक मां हूं , रेलवे में नौकरी करते हुए अपने बच्चे को संभाल रही हूं। साक्षी का मानना है कि अगर एक महिला अपने लक्ष्यों के प्रति दृढ़ संकल्पित, केंद्रित और अनुशासित है, तो वह कुछ भी हासिल कर सकती है।

हर दिन होना चाहिए महिला दिवस : साक्षी मलिक

नई दिल्ली। भारत की प्रसिद्ध महिला पहलवान साक्षी मलिक ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान महिला दिवस के मौके पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने न केवल अपने व्यक्तिगत अनुभवों को उजागर किया, बल्कि समाज में बदलते परिवेश और महिलाओं की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। ओलंपिक मेडलिस्ट साक्षी मलिक का मानना है कि महिलाओं के संघर्ष और योगदान को केवल एक दिन तक सीमित नहीं करना चाहिए। साक्षी मलिक का कहना है कि महिलाओं को किसी एक खास दिन, जैसे 8 मार्च को मनाया जाने वाले अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए। उनके अनुसार, हर दिन महिला दिवस होना चाहिए। उन्होंने अपने जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि एक महिला अपने जीवन में कई तरह के संघर्षों का सामना करती है।

रोहित एंड कंपनी दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ इतिहास फिर से लिखने की कोशिश करेगी

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। अजेय भारत रविवार को दुबई में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में मजबूत न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। आठ टीमों के इस महाकुंभ को करीब आठ साल के लंबे इंतजार के बाद अपना नया विजेता मिलेगा। संयोग से, भारत 2017 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में पाकिस्तान से हार गया था और लगातार दूसरा खिताब जीतने से चूक गया था। इस बीच, यह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत की लगातार तीसरी यात्रा होगी, जिससे वह ऐसा करने वाली पहली टीम बन जाएगी।

भारत और न्यूजीलैंड को एक ही ग्रुप में रखा गया था और उनका पिछला मुकाबला भारत ने 44 रन से जीता था, जिससे भारत ने लगातार तीन जीत के साथ ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया

■ सेमीफाइनल में, न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 50 रनों से हराकर भारत के खिलाफ टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई

था। भारत ने सेमीफाइनल में वनडे विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड ने अपने अभियान की शुरुआत कराची में गत चैंपियन और मेजबान पाकिस्तान के खिलाफ जीत के साथ की, उसके बाद क्रमशः बांग्लादेश और भारत के खिलाफ जीत और हार का सामना किया। सेमीफाइनल में, ब्लैककैप्स ने दक्षिण अफ्रीका को 50 रनों से हराकर भारत के खिलाफ टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। जबकि दुनिया टूर्नामेंट के विजेता का इंतजार कर रही है, आईसीसी नॉकआउट चरणों में दोनों टीमों के बीच पिछले रिकॉर्ड सभी प्रारूपों में न्यूजीलैंड को स्पष्ट बढ़त देते हैं। आईसीसी नॉकआउट मैचों में भारत बनाम न्यूजीलैंड का रिकॉर्डभारत और न्यूजीलैंड आईसीसी नॉकआउट मैचों में चार बार भिड़ चुके हैं, जिसमें ब्लैककैप्स ने मैन इन ब्लू पर 3–1 की बढ़त हासिल की है। उनके मुकाबलों में 2000 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल, 2019 और 2023 विश्व कप सेमीफाइनल और 2021 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल शामिल हैं।

अर्थ जगत

महाराष्ट्र एफडीआई में सबसे आगे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में आर्थिक विकास को लेकर बड़ा उछाल देखा गया है, जहां प्रत्यक्ष विदेशी निवेश रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 के पहले 9 महीनों में राज्य को पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक वार्षिक एफडीआई प्राप्त हुआ है। फडणवीस ने दिसंबर 2024 के लिए केंद्र सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग की विदेशी निवेश रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि महाराष्ट्र ने इस अवधि में एफडीआई के मामले में ऐतिहासिक बढ़त दर्ज की है।

होली के पहले चीनी के दाम बढ़े

महाराष्ट्र में उत्पादन 20 प्रतिशत घटा

जबलपुर/नई दिल्ली। *देश के प्रमुख चीनी उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में गन्ना पेराई सत्र अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। चालू सीजन में अभी तक राज्य में 76 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका है जो पिछले सीजन से करीब 20 फीसदी कम है। उत्पादन घटने की खबरों से न सिर्फ थोक बाजार में चीनी के दाम बढ़ने लगे हैं बल्कि फुटकर में भी चीनी 1 से 2 रूपये किलो तक महंगी हो चुकी है। जबलपुर में चीनी के फुटकर भाव बढ़कर 43-44 रूपये पर पहुंच चुके हैं। महाराष्ट्र में गन्ना कम होने के कारण राज्य की 92 मिलों ने अपना परिचालन बंद कर दिया है।*

गन्ने की कमजोर फसल और एथेनॉल पर बढ़ते फोकस से चीनी उत्पादन घटा- गन्ने की कमजोर फसल, चीनी रिकवरी दर में गिरावट और एथेनॉल की तरफ झुकाव से राज्य के चीनी उत्पादन में भारी गिरावट होते दिख रही है। महाराष्ट्र चीनी आयुक्तालय के अनुसार तीन मार्च तक महाराष्ट्र में चालू 2024-25 सीजन के लिए चीनी उत्पादन 761.19 लाख क्विंटल (लगभग 76.11 लाख टन) हुआ जबकि पिछले सीजन की इसी अवधि के दौरान उत्पादित 951.79 लाख क्विंटल से 20.03 फीसदी कम है। 3 मार्च तक, राज्य भर की मिलों ने 812.17 लाख टन गन्ने की पेराई की है, जबकि पिछले सीजन की इसी अवधि के दौरान 947.78 लाख टन गन्ना की पेराई हुई थी।

देशभर में चीनी उत्पादन 15 प्रतिशत घटने का अनुमान

महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन कम होने का असर देश के कुल उत्पादन पर पड़ने वाला है। इस्मा के मुताबिक 2024-25 सीजन में चीनी उत्पादन 15 फीसदी कम होने की आशंका है। 2024-25 के लिए चीनी उत्पादन अनुमान 272 लाख टन है, जो 2023-24 में उत्पादित 320 लाख टन से लगभग 15 प्रतिशत कम है। भारत में सालाना करीब 280 लाख टन चीनी की खपत होती है। इससे अगले सीजन के लिए शुरुआती स्टॉक के तौर पर करीब 60 लाख टन उपलब्ध हो जाएगा। यानी उत्पादन कम होने के बावजूद देश में चीनी की कोई कमी नहीं रहने वाली है।

लौटी ठंड से इस साल गेहूं की फसल अच्छी रहने की उम्मीद

नई दिल्ली। *भारत में इस साल गेहूं का उत्पादन पिछले साल से बेहतर होने की उम्मीद है। उद्योग के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिनिधियों के मुताबिक, अगर अगले कुछ हफ्तों तक मौसम लगातार अनुकूल बना रहे तो ऐसा संभव हो सकता है। बीते महीने के आखिरी हफ्तों में अचानक गर्मी बढ़ गई थी मगर पिछले कुछ दिनों में मौसम में बदलाव आया है और मैदानी इलाकों में तेज हवाएं चलने से सर्दी का फिर से एहसास होने लगा है।*

भारतीय मौसम विभाग के हालिया अपडेट में कहा गया है कि अगले 24 घंटों के दौरान दिल्ली सहित उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे से लेकर 45 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के आसार हैं। मौसम विभाग ने कहा है कि नौ से 11 मार्च के बीच जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में हल्की बारिश अथवा बर्फबारी हो सकती है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा है, 'पहाड़ों पर होने वाली बर्फबारी का मैदानी इलाकों पर भी असर पड़ने की संभावना है।'

वैज्ञानिकों के मुताबिक, अगर पूरे दिन यानी 24 घंटे के दौरान कुल औसत तापमान 15 से 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है तो यह गेहूं की फसल के लिए फायदेमंद होगा। हरियाणा जैसे उत्तर भारत के कई राज्यों में बीते दिनों बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिसे कुछ इलाकों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा है। क्षति की सीमा का अभी आकलन किया जा रहा है। हरियाणा सरकार ने किसानों के लिए दावा और क्षति की जानकारी देने के वास्ते क्षति आकलन पोर्टल शुरू करने का निर्देश दिया है। इस हफ्ते की शुरुआत में एक सालाना कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे आटा मिल उद्योग के जानकारों का कहना था कि साल 2025-26 के विपणन वर्ष में गेहूं का उत्पादन 11 करोड़ टन के आसपास हो सकता है, जो पिछले साल के 10.6 करोड़ टन से अधिक है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात जैसे प्रमुख गेहूं उत्पादक राज्यों में फसल की स्थिति अब तक अच्छी है। कीमतें भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से ऊपर चल रही हैं। हालांकि, बीते कुछ दिनों में आवक बढ़ने के कारण कीमतों में थोड़ी नरमी आई है। एगमार्कनेट डॉट जीओवी डॉट इन के आंकड़ों से पता चलता है कि मध्य प्रदेश के इंदौर मंडी में आज गेहूं 2,700 रुपये प्रति क्विंटल बिक रहा था, जो इसके लिए तय 2,425 रुपये एमएसपी से अधिक था। लेकिन कुछ दिनों पहले कीमत

पैदावार बढ़कर 11 करोड़ टन होने के अनुमान

करीब 2,964 रुपये प्रति क्विंटल थी यानी भारी आवक के कारण कीमतों में थोड़ी नरमी आई है। प्रमुख रबी फसलों में शामिल चना भी करीब 5,601 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से बिक रहा था, जो इसके लिए तय 5,650 रुपये एमएसपी के आसपास ही है। मगर राजस्थान की कई मंडियों में सरसों का बीज 5,950 रुपये की एमएसपी से कम कीमत पर बिक रहा था, जो कि चिंता का विषय है। इसने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क फिर से बढ़ाने की मांग को तेज कर दिया है। पिछले साल सितंबर महीने में केंद्र ने क्रूड पाम, सोया और सूरजमुखी के तेल पर प्रभावी आयात शुल्क 12.5 फीसदी बढ़ाकर 32.5 फीसदी कर दिया था और रिफाइंड तेलों पर प्रभावी आयात शुल्क 13.75 फीसदी से बढ़ाकर 35.75 फीसदी कर दिया था।

सोना फिसला, 85,700 रुपये के करीब पहुंचा, चांदी भी हुई सस्ती

नई दिल्ली। *सोने चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में गिरावट देखने को मिल रही है। आज दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। खबर लिखे जाने के समय आज सोने के वायदा भाव 85,700 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 97,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने चांदी के वायदा भाव में गिरावट देखी जा रही है।*

सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट आज 294 रुपये की गिरावट के साथ 85,740 रुपये के भाव पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 300 रुपये की गिरावट के साथ 85,734 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 85,775 रुपये के भाव पर दिन का

उच्च और 85,720 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी सुस्त रही। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 249 रुपये की गिरावट के साथ 97,892 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 2,919.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,926.60 डॉलर प्रति औंस था।

कर्ज चुकाने में महिलाओं का बेहतर प्रदर्शन, पुरुषों से निकलीं आगे

नई दिल्ली। *अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पहले जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में एक्टवि लोन लेने वालों की संख्या में महिलाएं पुरुषों की तुलना में आगे रहीं। क्रेडिट सूचना कंपनी सीआरआईएफ हाई मार्क की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं ने न केवल लोन लेने में बढ़त बनाई बल्कि पुरुषों की तुलना में ऋण चुकाने में भी बेहतर प्रदर्शन किया।*

रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर 2024 तक सक्रिय महिला उधारकर्ताओं की संख्या 10.8 प्रतिशत बढ़कर 8.3 करोड़ हो गई, जबकि पुरुषों में यह वृद्धि केवल 6.5 प्रतिशत रही। महिलाएं बेहतर ऋण चुकाने वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि महिलाओं ने अधिकांश ऋण श्रेणियों में बेहतर भुगतान व्यवहार दिखाया है। गोल्ड लोन और टू-व्हीलर लोन को छोड़कर, महिलाओं का भुगतान प्रदर्शन पुरुषों से बेहतर रहा। 2024 में होम

महिलाओं को ऋण देने में सरकारी बैंकों की रुचि बढ़ी

लोन, बिजनेस लोन, एग्री और ट्रैक्टर लोन, प्रॉपर्टी लोन और एजुकेशन लोन में महिलाओं की भुगतान क्षमता में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। इसके अलावा, महिलाओं ने कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन के मामले में भी पुरुषों से बेहतर प्रदर्शन किया।

रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी बैंक 2024 में महिलाओं को ऋण देने में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। महिला उधारकर्ताओं का बकाया ऋण पोर्टफोलियो 18 प्रतिशत बढ़कर 36.5 लाख करोड़ रुपए हो गया है। हालांकि, कुल उधारकर्ताओं में महिलाओं की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि 35 वर्ष या उससे कम उम्र की महिलाएं सबसे अधिक ऋण लेने वाली उधारकर्ता बनी हुई हैं। हालांकि, कुल लोन में महिलाओं की हिस्सेदारी 2022 में 44.3 प्रतिशत से घटकर 2024 में 43.8 प्रतिशत हो गई। **महाराष्ट्र टॉप पर**- राज्यवार प्रदर्शन में महाराष्ट्र सबसे आगे रहा। महाराष्ट्र ने होम लोन, बिजनेस लोन, प्रॉपर्टी लोन, ऑटो लोन,क्रेडिट कार्ड और एजुकेशन लोन के मामले में शीर्ष स्थान हासिल किया।

मुद्रा बाजार

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	86. 87
एक यूरो	94. 42
एक ब्रिटिश पाउंड	112 . 81
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	54. 72
एक जापानी येन	0. 58

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.

864 मारुति शोरूम के सामने
फोन- 2412223,9329428085

जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 92 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 112 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-124 नेट प्रति किलो
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स -55 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 160 रु. प्रति किलो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

सतना बाजार भाव

सराफा बाजार

सोना 24 कैरेट	76,950 रु.	प्रति 10 ग्राम
जेवर	70,500 रु.	प्रति 10 ग्राम
चांदी	910 रु.	प्रति 10 ग्राम
चांदी	90,700 रु.	प्रति किलो

दाल- किराना भाव

-भाव प्रति किलो-

अरहर ऊंची 155-160, अरहर मीडियम 140-145, उड़द ऊंची 98-100, उड़द धुली 115-120, मूंग हरी 95-100, मूंग धुली 105-110, चना 90-100, मसूर 80-85

-भाव प्रतिकिलो -

धनियां खड़ी ऊंची 110-115, धनियां खड़ी मीडियम, 80-90, जीरा ऊंचा 350-400, जीरा मीडियम 270-300, ल्दी ऊंची 250-260, हल्दी मीडियम 180-190, मूंगफली ऊंची 120-125, मूंगफली मीडियम 90-100, लाल मिर्च ऊंचा 170-180, लाल मिर्च मीडियम 140-150, नारियल कालीकट झाल 2800-3000, नालियल मीडियम 2000-2500

लोहा वाला ट्रेडर्स

प्रो. हरिशंकर तिवारी मो.नं. 7049440762

- भाव प्रति किलो -

रायपुर- 8 एमएम 52, 10 एमएम 50.50, 12 एमएम 50, 16 एमएम 50
कामधेनू- 8 एमएम 57, 10 एमएम 55.50, 12 एमएम 55, 16 एमएम 55

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने एमटी ग्रेड में लेजेंडर 4 एक्स 4 पेश किया

बैंगलोर। *शानदार प्रदर्शन, रोमांचकारी और स्टाइलिश एसयूवी की बढ़ती मांग की पूर्ति के लिए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने टोयोटा लेजेंडर 4 एक्स 4 का मैनुअल ट्रांसमिशन (एमटी) वैरिएंट (रूपांतर) पेश किया। रोमांच चाहने वाले ड्राइविंग के उत्साहियों के लिए डिज़ाइन किया गया यह नया वैरिएंट पावर, लग्जरी और अत्याधुनिक तकनीक का एक बेहतरीन मिश्रण प्रदान करते हुए जुड़ाव और नियंत्रण को बेहतर करता है।*

किसी भी इलाके में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार, लेजेंडर ने 2021 में भारत में अपनी शुरुआत की, जिसमें उन्नत 4 एक्स 4 क्षमता हैं, जो इसे ऑफ-रोड रोमांच के लिए आदर्श साथी बनाती हैं। लेजेंडर 4 एक्स 4 एमटी के केंद्र में जाना-माना 2.8लीटर डीजल इंजन है, जिसे बेजोड़ पावर डिलीवरी के लिए इंजीनियर किया गया है। 204 पीएस की पावर और 420 एनएम का टॉर्क पैदा करने वाला यह पावरट्रेन उन लोगों के लिए बनाया गया

है जो अपनी ड्राइव पर पूर्ण नियंत्रण पसंद करते हैं।

6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन सुस्पष्टता बढ़ाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उत्साही लोग चुनौतीपूर्ण इलाकों में आसानी से नेविगेट कर सकते हैं और सहज गियर शिफ्ट के रोमांच का आनंद ले सकते हैं। टोयोटा की उन्नत 4 एक्स 4 तकनीक चालकों को विविध परिदृश्यों से निपटने के लिए और अधिक सशक्त बनाती है।

नथिंग का (3ए) और (3ए) प्रो फोन लॉन्च

नई दिल्ली। *नथिंग ने फ़ोन (3ए) सीरीज़ पेश की, जो एडवांस्ड फ़ीचर्स के साथ अपने मिड-रेंज लाइनअप को और बेहतर बनाती है।*

बहु-चर्चित फ़ोन (2ए) पर आधारित, इसमें है ऑप्टिकल ज़ूम के साथ एक एडवांस्ड ट्रिपल-कैमरा सिस्टम, एक दमदार प्रोसेसर, एक उज्ज्वल, ज़्यादा रिस्पॉन्सिव डिस्प्ले और एसलटन स्पेश जैसे नथिंग ओएस नवाचार — ये सब दो खास बेहतर डिज़ाइनों में आ रहे हैं। फ़ोन (3ए) और फ़ोन (3ए) प्रो दोनों में ही ज़्यादा सोफ़ेस्टिकेटेड लुक और फ़ील है, जिसमें अपग्रेडेड ग्लास बैक पैनल, इनटर्नल संरचना में बढ़ी हुई समरूपता और फ़िनिश में परिष्कृत विज़ुअल डिटेल्स और तत्व शामिल हैं। इसके अलावा, फ़ोन (3ए) सीरीज़ ने अपनी टिकाऊपन को भी आईपी 4 रेटिंग में अपग्रेड किया है। जब कैमरे की बात आती है, तो नथिंग ने फ़ोन (3ए) सीरीज़ में अब तक का सबसे एडवांस्ड कैमरा सिस्टम पेश किया है। फ़ोन (3ए) में पहली बार ऑप्टिकल ज़ूम के साथ एक अपग्रेडेड 50 एमपी मेन सेंसर और एक सन् 4 अल्ट्रा-वाइड सेंसर की सुविधा होगी। फ़ोन (3ए)

के टेलीफ़ोटो कैमरे में 50 मिमी समतुल्य फोकल लेन्थ पर विस्तृत शॉट्स के लिए तेज़ एफ/2.0 अपर्चर के साथ एक दमदार 50 एमपी सेंसर है। 2× ऑप्टिकल रीच एक बेहतरीन ज़ूम के लिए आधार तैयार करती है, जबकि हाई रिज़ॉल्यूशन 4× तक लॉसलेस इन-सेंसर ज़ूम को सक्षम बनाता है।

भारत का दूरसंचार क्षेत्र 2024 में नई ऊंचाइयों पर, 5 जी का और हुआ डिजिटल विस्तार

नई दिल्ली। *भारत के दूरसंचार क्षेत्र ने 2023 के अंत तक 936.16 मिलियन इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को जोड़ा, जबकि मार्च 2024 तक कुल टेलीफोन ग्राहकों की संख्या 1,199.28 मिलियन तक पहुंच गई। इस उपलब्धि के साथ भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टेलीकॉम बाजार बन गया है। टेलीकॉम क्षेत्र की प्रवेश दर 85.69 प्रतिशत दर्ज की गई, जिसमें वायरलेस और ब्रॉडबैंड कनेक्शन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।*

ग्रामीण भारत में डिजिटल क्रांति और वायरलेस सेगमेंट का दबदबा - टेलीकॉम उद्योग में 1,165.49 मिलियन वायरलेस सब्सक्राइबर और 904.54 मिलियन ब्रॉडबैंड उपयोगकर्ताओं के साथ मजबूत वृद्धि देखी गई। कुल टेलीफोन कनेक्शनों में वायरलेस सेगमेंट की हिस्सेदारी 97.2 प्रतिशत रही। मार्च 2024 तक ग्रामीण टेली-घनत्व 59.19 प्रतिशत पर पहुंच गया, जो ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल समावेशन की बढ़ती प्रवृत्ति को दर्शाता है।

5 जी और 6जी तकनीक की ओर भारत की तेज़ी- भारत में 5जी नेटवर्क का विस्तार तेजी से हो रहा है, और 2026 तक 330 मिलियन 5त्न ग्राहकों के जुड़ने की संभावना है। इसके साथ ही, भारत सरकार भारत जी एलाइंस के तहत यूरोपीय टेलीकॉम कंपनियों के साथ साझेदारी कर 6 प्रतिशत तकनीक विकसित करने की दिशा में कार्यरत है।

निवेश और सरकारी योजनाओं से सेक्टर को बढ़ावा- भारत सरकार के डिजिटल इंडिया और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना ने दूरसंचार उद्योग को मजबूती दी है। इस योजना का उद्देश्य घरेलू दूरसंचार उपकरण निर्माण और निर्यात को बढ़ावा देना है। भारत में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति दी गई है, जिसके परिणामस्वरूप अप्रैल 2000 से मार्च 2024 तक इस क्षेत्र में रु. 39.32 बिलियन का विदेशी निवेश आया है।

डाटा खपत में जबरदस्त उछाल- भारत में वायरलेस डेटा की खपत तेज़ी से बढ़ रही है। 2026 तक प्रति उपयोगकर्ता औसत डेटा खपत 40 जीबी प्रति माह तक पहुंचने की उम्मीद है, जो वित्त वर्ष 21 में 14.6 जीबी प्रति माह थी।

मोबाइल निर्माण और निर्यात में भारत की बढ़त- भारत का मोबाइल निर्माण उद्योग 2025-26 तक डॉलर 126 बिलियन के उपकरणों का उत्पादन करेगा। मोबाइल फोन निर्यात में वृद्धि के साथ, भारत वैश्विक स्तर पर इंटरनेट ट्रैफिक का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है।

टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 'न्याय महा अभियान'- भारत सरकार 24,000 करोड़ की लागत से अगले तीन वर्षों में टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए न्याय महा अभियान चला रही है।

बढ़ती इंटरनेट पहुंच और ब्रॉडबैंड विस्तार- 2025 तक भारत में 900 मिलियन से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता होने का अनुमान है, जिसमें वायरलेस ब्रॉडबैंड प्रमुख भूमिका निभाएगा। वर्तमान में रिलायंस जियो सबसे बड़ा सेवा प्रदाता है, इसके बाद एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल आते हैं।

देशबन्धु

ग्राहक सेवा

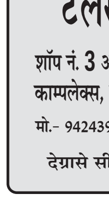

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट

टेलर्स वारिस

शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्पलेक्स, जबलपुर फोन: 2405596
मो.- 9424392281, 9425152707
देग्रासे सी 30/7/2022

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज

क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें

बिना ऑपरेशन

डॉ. विश्वास

राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे
मो: 9827042596

फ्लैट बेचना है

गोलबाजार, जबलपुर में 742 वर्गफुट का 2 BHK बालकनी सहित फ्लैट दूसरी मंजिल पर बिक्री हेतु उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:- एडवोकेट रविशंकर पटेल फोन नंबर-
9827087838

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें।
देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अतः विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

प्रकाशक एवं मुद्रक **अशोक मिश्रा** द्वारा श्रीजी प्रिंटर्स नौदरा ब्रिज जबलपुर से मुद्रित सैमरिया चौक रीवा रोड सतना म.प्र. से प्रकाशित। फोन 0761-4085031, सम्पादक- **मोहन सुरजन,** पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार), मानसेवी सलाहकार सम्पादक-**नियाज खान,** स्थानीय संपादक-**कपिल चौरसिया,** रीवा कार्यालय: चौरसिया बिल्डिंग, अमहिया रोड रीवा म.प्र. फोन-07662-406671 आर.एन.आई पंजी.क्रमांक **38532/85,** डाक पंजीयन-रीवा संभाग/16/2009-2011

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

विकास की धुरी बन रही प्रदेश की सशक्त नारी

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

द्वारा

1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को ₹ 1552.73 करोड़

26 लाख बहनों को सिलेंडर रीफिलिंग राशि ₹ 55.95 करोड़ का अंतरण

स्व-सहायता समूह सम्मेलन

(सुरक्षित शहर एवं सार्वजनिक स्थल)

क्षेत्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण

8 मार्च, 2025 । पूर्वाह्न 11:00 बजे । कुशाभाऊ ठाकरे सभागार, भोपाल

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP